● वर्ष : 17 ● अंक : 193 ● मूल्य : 02 रुपया मात्र ● पृष्ठ : 08

LKS

RNI NO.: DELHIN / 2008 / 23928
www.loktantrakishaan.com

दैनिक लोकतंत्र की शान

दिल्ली से प्रकाशित सोमवार 04 मई 2026 लोकतंत्र का स्तंभ

मिशन दृष्टि सफलतापूर्वक लॉन्च पीएम ने गैलेक्सीआई टीम को दी बधाई

अब मौसम आपदा, कृषि और सीमा निगरानी से जुड़ी तस्वीरें प्रभावी ढंग से मिलेगी

एजेंसी। नई दिल्ली

बेंगलुरु स्थित एक निजी अंतरिक्ष स्टार्टअप गैलेक्सी आई द्वारा विकसित उपग्रह मिशन दृष्टि रविवार को स्पेसएक्स फाल्कन 9 रॉकेट की मदद से लॉन्च किया गया। इस उपग्रह से मौसम आपदा के असर, कृषि और सीमा निगरानी से जुड़ी तस्वीरें प्रभावी ढंग से मिल सकेंगी। पीएम मोदी ने एक्स पोस्ट के जरिए गैलेक्सीआई के संस्थापकों और पूरी टीम को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने एक्स पर पोस्ट में लिखा- गैलेक्सीआई द्वारा शुरू किया गया मिशन दृष्टि अंतरिक्ष यात्रा में एक अहम उपलब्धि है। विश्व के पहले ऑप्टोसार उपग्रह और भारत में निर्मित सबसे बड़े निजी उपग्रह का सफल प्रक्षेपण, नवाचार और राष्ट्र निर्माण के प्रति हमारे युवाओं के जुनून का प्रमाण है। गैलेक्सीआई के संस्थापकों और पूरी टीम को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। रविवार को 190 किलोग्राम वजनी मिशन दृष्टि कैलिफोर्निया से लॉन्च किया गया। यह किसी भारतीय निजी कंपनी द्वारा निर्मित अब तक का सबसे बड़ा उपग्रह है। इस विशेष उपग्रह की विशेषता यह है कि इसमें एक ही उपग्रह पर मल्टीस्पेक्ट्रल कैमरा और सिंथेटिक एपर्चर रडार इमेजर लगा हुआ है। दृष्टि मिशन का मूल आधार ऑप्टोसार नामक एक नवीन हाइब्रिड प्रणाली है, जो एक ही प्लेटफॉर्म पर ऑप्टिकल इमेजिंग और सिंथेटिक एपर्चर रडार को संयोजित करने वाली तकनीक है। परंपरागत रूप से उपग्रह या तो ऑप्टिकल सेंसर या फिर रडार पर निर्भर करते हैं। ऑप्टिकल सिस्टम तस्वीरों के समान विस्तृत और कलर्ड फोटो कैप्चर करते हैं, लेकिन बादल छाए रहने और अंधेरे से जमीनी तस्वीर स्पष्ट नहीं मिलती है। दूसरी ओर रडार सिस्टम बादलों के पार देखने के लिए रेडियो तरंगों का उपयोग करते हैं और रात में भी काम करते हैं, हालांकि वे आमतौर पर कम स्पष्ट छवियां उत्पन्न करते हैं। ऑप्टोसार एक ही उपग्रह में दोनों तकनीकों को एकीकृत करके इस अंतर को पाटता है। यह एक ही बार में ऑप्टिकल और रडार डाटा को एक साथ कैप्चर करता है, फिर आउटपुट को एक एकीकृत छवि में मिलाता है। परिणामस्वरूप हर मौसम में बादलों के रहते हुए भी पृथ्वी की अत्यंत विस्तृत तस्वीरें मिल सकेंगी। यह भारत के सबसे उच्च-रिज़ॉल्यूशन वाले उपग्रहों में से एक है।

बढ़ने लगी महंगाई: दूध 4 रुपये प्रति लीटर हुआ महंगा

प्रोसेसिंग और ट्रांसपोर्ट लागत बढ़ने का दिया हवाला

एजेंसी। नई दिल्ली

देश में बढ़ते ईंधन के दामों के साथ ही महंगाई बढ़ने की चिंता सभी को सता रही है, ऐसे में अब दूध के दाम बढ़ने से आम जनता की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। ओडिशा में दूध की कीमतों में 4 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई है। यह फैसला ओडिशा मिल्क एंड डेयरी कोऑपरेटिव फेडरेशन (ओएमएफईडी) ने लिया है। जानकारी के अनुसार, दूध की कीमतों में बढ़ोतरी का कारण प्रोसेसिंग और परिवहन लागत में वृद्धि को बताया जा रहा है। राज्य के पशु संसाधन विकास मंत्री गोकुलानंद मल्लिक ने नई कीमतों की घोषणा करते हुए बताया कि संशोधित दरें रविवार से लागू हो चुकी हैं। नई दरों के तहत टोंड दूध की कीमत 50 रुपये से बढ़ाकर 54 रुपये प्रति लीटर कर दी गई है। इसी तरह प्रीमियम दूध अब 54 रुपये से बढ़कर 58 रुपये प्रति लीटर मिलेगा। गोल्ड प्रीमियम दूध की कीमत 56 रुपये से बढ़कर 60 रुपये प्रति लीटर और गोल्ड प्रीमियम प्लस वेरिएंट 60 रुपये से बढ़कर 64 रुपये प्रति लीटर हो गया है। इसके अलावा 500 मिलीलीटर पैक की कीमतों में भी बदलाव किया गया है, जहां टोंड दूध 27 रुपये और प्रीमियम दूध 29 रुपये में उपलब्ध होगा। मंत्री गोकुलानंद मल्लिक ने कहा कि दूध की कीमतों में लंबे समय से कोई संशोधन नहीं हुआ था, इसलिए यह बढ़ोतरी आवश्यक हो गई थी। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार किसानों के हित में दूध की खरीद कीमत बढ़ा रही है ताकि उन्हें बेहतर लाभ मिल सके। फेडरेशन ने किसानों से खरीदे जाने वाले दूध के दामों में भी वृद्धि की है। गाय के दूध की खरीद कीमत में 1 रुपये की बढ़ोतरी कर इसे 39.05 रुपये प्रति लीटर किया गया है, जबकि भैंस के दूध पर 1.60 रुपये प्रति लीटर अतिरिक्त दिया जाएगा। सरकारी अधिकारियों का कहना है कि अन्य ब्रांडेड कंपनियों की तुलना में फेडरेशन अभी भी सस्ती दरों पर दूध उपलब्ध करा रहा है। साथ ही उपभोक्ताओं को गुणवत्ता में किसी तरह की कमी न होने का भरोसा भी दिया गया है। वहीं दूसरी तरफ विश्लेषकों का कहना है कि दूध की कीमतों में इस बढ़ोतरी ने एक बार फिर आम उपभोक्ताओं पर महंगाई के दबाव को उजागर कर दिया है, जिससे घरेलू बजट पर असर पड़ना तय है।

ज्वलंत मुद्दा | संपादकीय

चुनावी जीत-हार न बने जीवन-मरण का प्रश्न

देश के पांच राज्यों पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में मतदान संपन्न होने के साथ ही सभी की नजरें मतगणना के साथ आने वाले रिजल्ट पर टिक गई हैं। इस बार के विधानसभा चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन की कवायद भर नहीं हैं, बल्कि लोकतंत्र की विश्वसनीयता, चुनाव आयोग जैसी संस्थाओं की निष्पक्षता और जनता के भरोसे की परीक्षा भी साबित होने वाले हैं। सोमवार 4 मई को होने वाली मतगणना को लेकर जिस प्रकार राजनीतिक तापमान बढ़ा हुआ है, वह इस बात का संकेत है कि चुनाव अब सिर्फ जीत-हार का खेल नहीं रहा, बल्कि राजनीतिक अस्तित्व का प्रश्न बन गया है। मतदान के बाद आमतौर पर राजनीतिक दल अपनी-अपनी जीत के दावे करते हुए देखे जाते हैं, लेकिन इस बार खासकर पश्चिम बंगाल में चुनावी प्रक्रिया को लेकर उठे विवादों ने पूरे देश का ध्यान खींचा है। मतगणना में पर्यवेक्षकों की नियुक्ति को लेकर मामला पहले हाईकोर्ट और फिर सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा।

यह स्थिति दर्शाती है कि चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता को लेकर संदेह बढ़ा है। हालांकि चुनाव आयोग ने अतिरिक्त पर्यवेक्षकों की नियुक्ति और नियमों के पालन का भरोसा दिया है, फिर भी सवाल यह है कि क्या केवल प्रशासनिक कदम जनता के विश्वास को बहाल करने के लिए पर्याप्त हैं? खासतौर पर तब जबकि चुनाव के दौरान यह सुनने को मिला कि पश्चिम बंगाल में चुनाव टीएमसी और भाजपा के बीच नहीं बल्कि टीएमसी और चुनाव आयोग के बीच हो रहा है। इसने न सिर्फ चुनाव प्रक्रिया को बल्कि निर्वाचन आयोग की विश्वसनीयता पर ही सवालिया निशान लगा दिया। चुनाव की तिथि घोषित होने से लेकर चुनाव प्रचार और मतदान के बीच और अब परिणाम आने से पहले तक जिस तरह का माहौल बनता दिखा है, वह लोकतंत्र के लिए चिंताजनक है।

इसने न सिर्फ चुनाव आयोग की स्वतंत्र व निष्पक्ष के साथ ईमानदार प्रक्रिया पर संदेह पैदा किया बल्कि न्यायपालिका क्या कर रही है, इस पर भी नजर डालने को मजबूर किया है। न्यायालय की तारीख पर तारीख वाली परिपाटी से लेकर सख्त टिप्पणी के बाद फैसलों को रोके रखने ने लोगों को सवाल उठाने का मौका फराहम कराया है। जब यह कहा जाने लगे कि तमाम जांच एजेंसियां और स्वतंत्र संवैधानिक संस्थाएं भी केंद्र के इशारे पर उठ-बैठ और फैसले लेने से लेकर कार्रवाई करती नजर आ रही हैं तो वाकई चिंता का विषय हो जाता है। इस पूरी कवायद में विपक्ष के संविधान बचाओ मुहिम को सही ठहराया जाना उचित लगने लगता है। बहरहाल पांच राज्यों में मतदान पूर्ण होने के साथ ही अब नतीजे आने का इंतजार है, क्योंकि इससे यह भी मालूम चलेगा कि जो एग्जिट पोल्स अभी तक जो दावा करते आ रहे हैं वो कितने सही बैठते हैं।

सैयद जकी हैदर | सम्पदक/प्रकाशक
MOBE NO.9911371802
EMAIL. SYEDZAKIHAIDER786@GMAIL.COM

संक्षिप्त समाचार

बंगाल की खाड़ी में चीन का जासूसी जहाज शी यान 6 दाखिल

नई दिल्ली। जासूसी की अपनी पुरानी फितरत को दोहराते हुए चीन ने एक बार फिर बंगाल की खाड़ी में अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। बीजिंग का अत्याधुनिक रिसर्च वेसल और जासूसी जहाज 'शी यान 6' भारतीय समुद्री सीमा के करीब रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्र में दाखिल हो चुका है। सैटेलाइट इमेजरी और विशेषज्ञों द्वारा साझा किए गए नक्शों से इस बात की पुष्टि हुई है कि मालदीव के माले में ईंधन और रसद भरने के बाद यह जहाज अब सीधे भारत के रणनीतिक बैकयार्ड की टोह लेने के मिशन पर निकल पड़ा है। यह जहाज मार्च 2025 में हिंद महासागर क्षेत्र में दाखिल हुआ था और तब से लगातार भारत की समुद्री गतिविधियों पर नजर रख रहा है। शी यान 6 का यह मिशन केवल वैज्ञानिक शोध तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारत के ग्रेटर निकोबार प्रोजेक्ट के लिए एक बड़ा खतरा माना जा रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार, चीन का यह साइलेंट किलर जहाज चार प्रमुख तरीकों से भारत की सुरक्षा में सेंध लगा सकता है। सबसे बड़ा खतरा समुद्री सतह के नीचे का डेटा चोरी करना है, जो भविष्य में चीनी पनडुब्बियों के लिए गुप्त रास्ते बनाने में मदद कर सकता है। चीन की इस चालबाजी का दूसरा बड़ा कारण उसका मलक्का डिलेमा है। चीन का लगभग 80 प्रतिशत तेल व्यापार मलक्का जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है, जहाँ भारत का ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट एक गेटकीपर की भूमिका निभाता है।

क्रूज हादसा: चौथे दिन मिले चाचा-भतीजे के शव, अब मरने वालों की संख्या हुई 13

जबलपुर। जबलपुर के बरगी क्रूज हादसे में रविवार सुबह कामराज आर का शव निकाला गया। इससे पहले सुबह करीब 6 बजे उनके 8 साल के भतीजे मयूरन की डेडबॉडी मिली थी। वह त्रिची (तमिलनाडु) से आया था। हादसे में अब तक 13 लोगों की मौत हो चुकी है। इससे पहले शनिवार शाम 6 बजे दो बच्चों के शव मिले थे। इनमें से एक की पहचान श्रीतमिल पिता कामराज (5) और विराज पिता कृष्ण सोनी (5) के रूप में हुई थी। हादसे के पहले दिन 4 शव, दूसरे दिन 5, तीसरे दिन 2 और चौथे दिन दो शव मिले। मृतकों में 4 बच्चे और 8 महिलाएं शामिल हैं। सीएसपी अंजुल अयंक मिश्रा ने बताया कि एहतियात के तौर पर आज दिनभर सर्चिंग अभियान चलाया जाएगा। बता दें 30 अप्रैल की शाम करीब 5 बजे मप्र टूरिज्म का पर्यटकों से भरा क्रूज बरगी डैम में डूब गया था। उसमें करीब 47 पर्यटक सवार थे, जबकि टिकट सिर्फ 29 लोगों की ही कटी थी। हादसा किनारे से करीब 300 मीटर दूर हुआ था। उस वक्त हवा की रफ्तार करीब 74 किमी/घंटा थी। बरगी क्रूज हादसे में जान गंवाने वाले तमिलनाडु के पर्यटकों के शव उनके गृह राज्य भेजे गए। जबलपुर के डुमना एयरपोर्ट से कार्गो विमान के जरिए शवों को त्रिची रवाना किया गया। शुरुआत में तकनीकी कारणों से एक कार्गो विमान में दिक्कत आई, जिसके बाद शवों को दूसरे विमान से भेजा गया। मृतकों के परिजन भी साथ में गए।

जमैका दौरे पर किंग्स्टन पहुंचे विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर शीर्ष नेतृत्व और भारतीय समुदाय से करेंगे मुलाकात

एजेंसी। किंग्स्टन

विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर अपनी पहली आधिकारिक यात्रा पर जमैका की राजधानी किंग्स्टन पहुंच गए, जहां उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इस दौरान उन्होंने जमैका की विदेश मंत्री कामिना जॉनसन स्मिथ के प्रति आभार व्यक्त किया। डॉ. जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर कहा कि वह जमैका की अपनी पहली यात्रा पर मिले स्वागत से अभिभूत हैं। अगले दो दिनों में वह जमैका के शीर्ष नेतृत्व, व्यापारिक समुदाय और भारतीय मूल के लोगों से संवाद करेंगे। किंग्स्टन में उनके आगमन पर भारतीय मूल के लोगों और बच्चों ने विशेष रूप से उनका स्वागत किया। उल्लेखनीय है कि विदेशमंत्री का यह दो दिनों का दौरा है, जिसके दौरान विदेश मंत्री जमैका के वरिष्ठ नेताओं, व्यापारिक प्रतिनिधियों और भारतीय समुदाय से मुलाकात करेंगे। विदेश मंत्रालय के अनुसार, यह यात्रा व्यापक कैरेबियाई दौरे का हिस्सा है। डॉ. जयशंकर जमैका के अलावा सूरीनाम तथा त्रिनिदाद और टोबैगो की भी आधिकारिक यात्रा पर हैं। यह दौरा 10 मई तक चलेगा। इस दौरान विदेश मंत्री तीनों देशों के विदेश मंत्रियों से मुलाकात करेंगे। इन बैठकों में द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं के साथ-साथ पारस्परिक हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा होगी।

बच्चों में मधुमेह प्रबंधन के लिए राष्ट्रीय गाइडलाइन जारी, मुफ्त इंसुलिन और जांच सुविधा का ऐलान

एजेंसी। नई दिल्ली

Ministry of Health & Family Welfare
Government of India

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने रविवार को सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा पर आयोजित राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन के दौरान बच्चों में 'मधुमेह मेलिटस' (डायबिटीज) के प्रबंधन के लिए एक विस्तृत राष्ट्रीय मार्गदर्शिका जारी की। इस पहल के साथ भारत उन चुनिंदा देशों में शामिल हो गया है, जिन्होंने बचपन में होने वाले मधुमेह को अपनी सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली में शामिल किया है। मंत्रालय के अनुसार, इस दस्तावेज़ के जरिए पहली बार देश में बाल मधुमेह की जांच, निदान और उपचार के लिए एक मानकीकृत राष्ट्रीय ढांचा तैयार किया गया है। इसका उद्देश्य जन्म से लेकर 18 वर्ष तक के सभी बच्चों की सार्वभौमिक जांच सुनिश्चित करना है। योजना के तहत सामुदायिक स्तर और स्कूलों में प्रारंभिक पहचान के बाद संदिग्ध बच्चों को जिला स्तरीय स्वास्थ्य केंद्रों पर भेजा जाएगा। सरकार ने इस पहल के तहत सार्वजनिक स्वास्थ्य केंद्रों में व्यापक सहायता पैकेज की भी घोषणा की है। इसमें निःशुल्क स्क्रीनिंग और जांच सेवाएं, आजीवन मुफ्त इंसुलिन थेरेपी, ग्लूकोमीटर और टेस्ट स्ट्रिप्स जैसे जरूरी उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे। इसका मकसद खासकर गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों पर पड़ने वाले आर्थिक बोझ को कम करना है। जल्दी पहचान को बढ़ावा देने के लिए मंत्रालय ने "4 टी" ढांचे पर जोर दिया है, ताकि माता-पिता और शिक्षक शुरुआती लक्षणों को आसानी से पहचान सकें। इनमें बार-बार पेशाब आना, अत्यधिक प्यास लगना, अत्यधिक थकान या सुस्ती महसूस होना और अचानक वजन कम होना शामिल हैं। दिशा-निर्देशों में केवल उपचार ही नहीं, बल्कि परिवारों के सशक्तिकरण पर भी विशेष ध्यान दिया गया है। इसमें इंसुलिन देने की सही तकनीक, नियमित निगरानी और आपात स्थिति में प्रबंधन के लिए प्रशिक्षण जैसी व्यवस्थाएं शामिल हैं। मंत्रालय का मानना है कि इस समग्र दृष्टिकोण से देश में बाल मधुमेह के मामलों की समय पर पहचान और बेहतर उपचार संभव हो सकेगा, जिससे बच्चों का स्वास्थ्य और जीवन गुणवत्ता बेहतर होगी।

भारत–कंबोडिया द्विपक्षीय सैन्य अभ्यास 'सिनबैक्स' के लिए भारतीय दल रवाना

नई दिल्ली। द्विपक्षीय सैन्य अभ्यास 'सिनबैक्स' के लिए भारतीय सेना का दल कंबोडिया रवाना हो गया है। यह अभ्यास 04 से 17 मई तक कंबोडिया साम्राज्य के कंम्पोंग स्पेयू प्रांत स्थित टेको सेन फ्नोम थॉम ग्रीस प्रॉव रॉयल कंबोडियन एयर फोर्स प्रशिक्षण केंद्र (कैंप बेसिल) में होगा। भारत के रक्षा सहयोग के अंतर्गत कंबोडिया के साथ यह द्विपक्षीय अभ्यास 'सिनबैक्स-द्वितीय' वैश्विक सुरक्षा चुनौतियों के बदलते परिदृश्य के संदर्भ में महत्वपूर्ण है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार यह अभ्यास संयुक्त राष्ट्र के अधिदेश के अध्याय VII के ढांचे के अंतर्गत होगा, जिसमें उप-पारंपरिक वातावरण में अभियानों के संचालन का संयुक्त प्रशिक्षण प्रदर्शन किया जाएगा। भारतीय सेना के दल में 120 सैन्य कर्मी हैं, जिनमें अधिकांश मराठा लाइट इन्फैंट्री रेजिमेंट की एक बटालियन से हैं। कंबोडियाई दल 160 कार्मिकों का है, जो रॉयल कंबोडियन आर्मी से हैं। यह संयुक्त अभ्यास उन आतंकवाद-रोधी अभियानों की वर्तमान कार्य-प्रक्रिया के अनुरूप होगा, जिनका सामना संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना अभियानों के दौरान शांति-रक्षक बल करते हैं। इस द्विपक्षीय सैन्य अभ्यास के उद्देश्य की प्राप्ति विभिन्न व्यावहारिक एवं व्यापक विचार-विमर्शों तथा सामरिक अभ्यासों के माध्यम से की जाएगी।

चुनाव आयोग का बड़ा फैसला, बंगाल की फलता विधानसभा सीट पर 21 मई को फिर वोटिंग; गड़बड़ी के लगे थे आरोप

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले की फलता विधानसभा सीट पर मतदान में गड़बड़ी के आरोपों के बाद चुनाव आयोग ने बड़ा फैसला लिया है। आयोग ने 29 अप्रैल को हुए मतदान को स्थगित करते हुए सभी पोलिंग बूथों पर दोबारा मतदान कराने की घोषणा की है। चुनाव आयोग के अनुसार, फलता विधानसभा क्षेत्र के कई पोलिंग स्टेशनों पर मतदान के दौरान गंभीर अनियमितताएं और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप की घटनाएं सामने आई थीं। इसे देखते हुए सहायक बूथों सहित सभी 285 पोलिंग स्टेशनों पर पुनर्मतदान कराया जाएगा। आयोग ने बताया कि 21 मई 2026 को सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक नए सिरे से मतदान होगा, जबकि मतगणना 24 मई 2026 को की जाएगी। गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल की 294 विधानसभा सीटों पर दो चरणों में 23 अप्रैल और 29 अप्रैल को मतदान हुआ था। 29 अप्रैल को फलता सीट पर ईवीएम से छेड़छाड़ और मशीनों पर टेप लगाए जाने के आरोप सामने आए थे।

दिल्ली का विवेक विहार लाक्षागृह, जलकर मरे 9 लोगों की पहचान, इनमें एक परिवार के पांच सदस्य शामिल

एजेंसी। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के विवेक विहार फेज-1 स्थित एक रिहायशी चारमंजिला इमारत में रविवार तड़के लगी आग में जान गंवाने वाले नौ लोगों की पहचान कर ली गई है। इस लाक्षागृह में एक ही परिवार के पांच सदस्य जिंदा जले हैं। पुलिस के अनुसार, दूसरी मंजिल पर पीछे वाले फ्लैट से एक परिवार के पांच लोगों के शव मिले। मृतकों की पहचान अरविंद जैन (60), उनकी पत्नी अनीता जैन (58), बेटे निशांत जैन (35), बहू आंचल जैन (33) और डेढ़ वर्षीय पोता मास्टर आकाश जैन के रूप में हुई है। पहली मंजिल से शिखा जैन (45) का शव बरामद किया गया। तीसरी मंजिल से एक अन्य परिवार के तीन सदस्यों के शव मिले, जिनकी पहचान नितिन जैन (50), उनकी पत्नी शैली जैन (48) और बेटे सम्यक जैन (25) के रूप में हुई है। हादसे में झुलसे नवीन जैन (48)को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी हालत के बारे में फिलहाल विस्तृत जानकारी नहीं दी गई है। पुलिस के अनुसार, तड़के करीब 3:48 बजे विवेक विहार थाना को एक पीसीआर कॉल के माध्यम से आग लगने की सूचना मिली। पुलिस और दमकल विभाग के अलावा अन्य टीमें तत्काल घटनास्थल (विवेक विहार फेज-1 स्थित मकान नंबर बी-13) पर पहुंचे।दूसरी, तीसरी और चौथी मंजिल पर ऊंची लपटें उठ रही थीं। दमकलकर्मियों और पुलिस ने संयुक्त राहत एवं बचाव अभियान चलाते हुए आग में फंसे करीब 10-15 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। आग पर नियंत्रण पाने के लिए 12 दमकल गाड़ियों को बुलाया गया। आग बुझाई जा चुकी है। दमकल विभाग के प्रवक्ता एके मलिक के अनुसार, इस हादसे में नौ लोगों की मौत हुई है।आग इमारत के छह फ्लैटों में रखे घरेलू सामान से फैली। राहत एवं बचाव अभियान के दौरान विभिन्न मंजिलों से नौ झुलसे शव बरामद किए गए। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि आग शॉर्ट सर्किट या अन्य तकनीकी कारणों से लगी हो सकती है।

युद्ध या समझौता: मझधार में फंसे डोनाल्ड ट्रंप

एजेंसी। वॉशिंगटन

वार्ता के भविष्य पर संशय बरकरार

अमेरिका और ईरान के बीच लंबे समय से जारी सैन्य तनाव अब एक निर्णायक मोड़ पर पहुंच गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में मीडिया से चर्चा के दौरान स्पष्ट किया है कि वर्तमान परिस्थितियों में अमेरिका के पास केवल दो ही विकल्प शेष हैं या तो ईरान के विरुद्ध एक व्यापक सैन्य अभियान छेड़ दिया जाए या फिर कूटनीतिक बातचीत के जरिए किसी ठोस समझौते पर पहुंचा जाए। ट्रंप ने संकेत दिया कि हालांकि वह व्यक्तिगत रूप से युद्ध के बजाय समाधान पसंद करेंगे, लेकिन ईरान द्वारा हाल ही में भेजा गया शांति प्रस्ताव अमेरिका की अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतरता है। राष्ट्रपति ट्रंप ने रक्षा अधिकारियों के साथ हुई उच्च स्तरीय बैठक का हवाला देते हुए कहा कि अमेरिका ऐसी कोई आधी-अधूरी डील स्वीकार नहीं करेगा जिससे कुछ वर्षों बाद पुनः संकट खड़ा हो। गौरतलब है कि ईरान ने पाकिस्तान की मध्यस्थता के जरिए अपना नया प्रस्ताव गुरुवार को इस्लामाबाद को सौंपा था, जिसे अमेरिकी प्रशासन ने फिलहाल अपर्याप्त माना है। याद रहे कि 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल द्वारा किए गए हमलों के बाद शुरू हुआ संघर्ष 8 अप्रैल से युद्धविराम की स्थिति में है, लेकिन कूटनीतिक गतिरोध अब भी बना हुआ है। इस तनाव का सबसे गंभीर असर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर पड़ रहा है, जहां ईरान की पकड़ के कारण वैश्विक तेल और गैस आपूर्ति बाधित हुई है। जवाब में अमेरिका ने ईरानी बंदरगाहों की नाकेबंदी कर दी है, जिससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में ऊर्जा की कीमतों में अस्थिरता देखी जा रही है। अमेरिका की मुख्य शर्त यह है कि ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम और समृद्ध यूरेनियम से जुड़ी गतिविधियों को पूरी तरह बंद करे, जबकि ईरान के अधिकारियों का कहना है कि वे दबाव में आकर कोई समझौता नहीं करेंगे। वर्तमान में दोनों देश आंतरिक चुनौतियों से भी जूझ रहे हैं। अमेरिका में बढ़ती महंगाई और युद्ध के अनिश्चित परिणामों के कारण ट्रंप प्रशासन पर राजनीतिक दबाव बढ़ रहा है, वहीं ईरान में महंगाई की दर 50% के पार पहुंच गई है जिससे वहां की अर्थव्यवस्था चरमरा रही है। इसी बीच अमेरिका ने ईरान की तीन विदेशी मुद्रा कंपनियों पर नए प्रतिबंध लगाकर आर्थिक दबाव और बढ़ा दिया है। फिलहाल युद्धविराम तो कायम है, लेकिन शांति वार्ता के असफल होने की आशंका ने पूरी दुनिया को अनिश्चितता के भंवर में डाल दिया है। कूटनीतिक गलियारों में अब सबकी नजरें इस बात पर टिकी हैं कि क्या दोनों देश युद्ध के विनाशकारी विकल्प को छोड़कर किसी साझा सहमति पर पहुंच पाएंगे।

इजराइल ने दक्षिणी लेबनान में 24 घंटे में किए 50 हमले, 41 की मौत, अभी भी मंडरा रहे ड्रोन

बेरूत। इजराइल ने 16 अप्रैल से लागू सैन्य विराम के बीच लेबनान पर हमले तेज कर दिए हैं। अकेले दक्षिणी लेबनान में पिछले 24 घंटों में इजरायल ने 50 हवाई हमले किए हैं। इन हमलों में कम से कम 41 लोग मारे गए। इजराइली हमलों में अब तक अब तक 2,000 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं। इस समय समूचे लेबनान में इजराइली ड्रोन मंडरा रहे हैं। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिणी लेबनान में इजराइली सैन्य गतिविधियां और तेज हो गई हैं। इजराइल ने शनिवार शाम से दक्षिणी लेबनान के अधिकांश इलाकों में बमबारी की है। रविवार सुबह कई शहरों में जबरदस्त धमाके हुए हैं। स्थिति बहुत तनावपूर्ण बनी हुई है। इस समय दक्षिणी लेबनान के ऊपर ड्रोन उड़ रहे हैं। बमबारी में चिहीन शहर में भारी तबाही हुई है। अल-तुफ्फाह जिले के अर-रयहान शहर में जोरदार विस्फोट हुआ है। बिगड़े हालात के बीच दक्षिणी लेबनान के लोग बाल-बच्चों के साथ पलायन कर रहे हैं। पिछले 24 घंटे से समूचा दक्षिणी लेबनान बमबारी का सामना कर रहा है। लेबनान और इजराइल के मध्य संघर्ष का पुराना इतिहास है।

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEU-TICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen .
(9315755133 / ya email Karen)
angenpharmaceuticals@gmail.com

खास ख़बर

आधार कार्ड के स्वरूप में बदलाव की खबरों को सरकार ने बताया भ्रामक

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने आधार कार्ड के स्वरूप में बदलाव से जुड़ी खबरों को खारिज करते हुए बताया कि इस तरह का कोई प्रस्ताव नहीं है। मंत्रालय के अनुसार, हाल ही में कुछ समाचार माध्यमों और सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर ऐसी खबरें प्रसारित हो रही हैं, जिनमें दावा किया जा रहा है कि वर्ष के अंत तक आधार कार्ड को केवल फोटो और क्यूआर कोड तक सीमित कर दिया जाएगा। मंत्रालय ने इन दावों को पूरी तरह गलत बताया है। मंत्रालय ने कहा कि इस तरह के किसी भी बदलाव की कोई योजना नहीं है और इस संबंध में फैल रही खबरें भ्रामक हैं, जो लोगों के बीच अनावश्यक भ्रम पैदा कर रही हैं। मंत्रालय ने आम लोगों से अपील की है कि वे इस प्रकार की अपुष्ट खबरों और सोशल मीडिया पोस्टों पर ध्यान न दें तथा केवल भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण और पीआईबी के आधिकारिक माध्यमों से जारी सूचनाओं पर ही भरोसा करें। मंत्रालय ने मीडिया संस्थानों से भी आग्रह किया है कि वे ऐसी भ्रामक सूचनाओं को प्रसारित न करें और केवल प्रमाणिक जानकारी ही साझा करें।

पानीपतः सात साल बाद भी फ्लाईओवर का काम अधूरा,ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

लोकतंत्र की शान : पानीपत। पानीपत की तहसील समालखा से मनाना गांव को जोड़ने वाले फ्लाईओवर को बनाने में सात साल लग गए लेकिन फ्लाईओवर अभी तक तैयार नहीं हुआ। इस देरी के कारण नाराज ग्रामीणों ने रविवार को जीटी रोड से मनाना जाने वाले मार्ग को जाम कर दिया। 17 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले इस फ्लाईओवर के निर्माण में हो रही देरी के विरोध में दर्जनों ग्रामीणों ने सरकार और पीडब्ल्यूडी के खिलाफ नारेबाजी करते हुए लगभग एक घंटे तक जाम लगाए रखा।ग्रामीणों का कहना है कि फ्लाईओवर का निर्माण कार्य सात साल पहले शुरू हुआ था, लेकिन अब तक केवल 20 प्रतिशत काम ही पूरा हो पाया है। इस देरी से मनाना के अलावा ढोढपूर, नरायणा, वजीरपुर, टिटाना और डिडवाडी सहित आधा दर्जन गांव प्रभावित हो रहे हैं। ग्रामीणों ने बताया कि समालखा पहुंचने के लिए अब किवाना होकर 12 किलोमीटर का अतिरिक्त चक्कर लगाना पड़ता है। बस मार्ग बंद होने से स्कूली बच्चों को भी परेशानी झेलनी पड़ रही है और वे समय पर स्कूल नहीं पहुंच पाते। सरपंच पति प्रवीण व संदीप राठी, अन्य ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि फ्लाईओवर का निर्माण शीघ्र शुरू नहीं हुआ तो वे दोबारा सड़क जाम करेंगे। उन्होंने बताया कि सोमवार को वे उपायुक्त और उप-मंडल मजिस्ट्रेट से मिलकर अपनी मांग रखेंगे। ग्रामीणों द्वारा रोड जाम करने की सूचना मिलते ही इसराना थाना प्रभारी दीपक अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों से बातचीत की और समझा-बुझाकर जाम खुलवाया।

जींद : विदेश मे रह रहा भांजा बनकर व्यक्ति से साढ़े तीन लाख ठगे

लोकतंत्र की शान : जींद। साइबर थाना पुलिस ने विदेश मे रह रहा भांजा बनकर एक व्यक्ति से साढ़े तीन लाख रुपये ठगने पर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव सिवानामाल निवासी राजकुमार ने साइबर थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका भांजा गांव बरौदा निवासी विनोद लगभग छह साल से न्यूजीलैंड में रह रहा है। गत तीस मार्च को उसे व्हाट्सअप कॉल आई। कॉल करने वाले ने खुद को उसका भांजा विनोद बताया। उसने कहा कि वह रोहतक में प्लाट खरीदना चाहता है। इसलिए उसके खाते में साढ़े तीन लाख रुपये भेज रहा है। उसने नेट बैंकिंग तथा यूपीआई की जानकारी नही है। कुछ समय के बाद फिर से कॉल आई कि उसे न्यूजीलैंड पुलिस ने पकड़ लिया है। जो रुपये उसने आपके खाते में भेजे हैं, वह फ्रॉड रुपया है। इसलिए वह रुपये वापस भेज दो। फिर उसने स्कैनर भेज कर किसी से रुपये डलवाने के लिए कहा। जिस पर सीएससी वाले अजय के पास पहुंचा और तीस हजार रुपये उस समय डलवा दिए। रवि के खाते से दो लाख 70 हजार रुपये भेजे गए। इस प्रकार उसने अजय तथा रवि के माध्यम से साढ़े तीन लाख रुपये स्कैनरों के माध्यम से आरोपित के खाते में भेज दिए। बावजूद इसके आरोपित की रुपयों की डिमांड लगातार जारी रही। जब उसने बैंक जा कर अपने खाते में आए रुपयों के बारे में पूछा तो पता चला कि उसके खाते में कोई रुपये विदेश से नही आए है। जिस पर उसने अपनी बहन से बातचीत की तो पता चला कि उसके साथ फ्रॉड हुआ है। रविवार को जानकारी देते हुए साइबर थाना के जांच अधिकारी धर्मवीर ने बताया कि पुलिस ने राजकुमार की शिकायत पर अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आंधी की चपेट में आने से बाइक सवार की मौत

लोकतंत्र की शान : जयपुर। राजधानी जयपुर में शनिवार देर शाम अचानक से मौसम परिवर्तन और तेज आंधी -तूफान में जयसिंहपुरा खोर थाना इलाके में बिजली का तार टूटकर बाइक सवार युवक पर गिर गया और बाइक में आग लग गई। आग में बाइक सवार युवक जिंदा जल गया। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस ने एम्बुलेंस की मदद से शव को सवाई मानसिंह अस्पताल के मुर्दाघर भिजवाया। रविवार सुबह गुस्साए परिजनों मुर्दाघर के बाहर विरोध प्रदर्शन करते हुए जिम्मेदारों के खिलाफ उचित कार्रवाई करने की मांग की। वहीं पुलिस ने मृतक के परिजनों की शिकायत पर मर्ग दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। मामला दर्ज होने के बाद परिजन पोस्टमार्टम के लिए राजी हुए। पुलिस ने पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया। थानाधिकारी मुकेश मीना ने बताया ने बताया कि खोह -नागोरियान निवासी यूनुस शनिवार रात करीब साढ़े 8 बजे जयसिंहपुरा खोर में अपने परिचित से मिलने जा रहा था। इसी दौरान आई आंधी-तूफान के कारण हाईटेंशन लाइन का तार टूटकर रोड पर गिर गया। इसकी चपेट में आने से बाइक सहित यूनुस जमीन पर गिर गया। देखते ही देखते बाइक में आग लगने के साथ यूनुस भी करंट की चपेट में आते हुए जलने लगा। पुलिस ने जैसे-तैसे बिजली लाइन बंद करवाकर यूनुस को हॉस्पिटल पहुंचाया। डॉक्टर्स ने इलाज के दौरान उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद रविवार को मृतक के परिजन सवाई मानसिंह अस्पताल के मुर्दाघर पहुंचे और मुर्दाघर के बाहर विरोध प्रदर्शन करने लगे। इसी के साथ उन्होंने बिजली विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों पर लापरवाही का आरोप लगाया। हादसे के वक्त स्थानीय लोगों ने बिजली विभाग को फोन कर मामले की सूचना दी। लेकिन बिजली विभाग ने लाइट बंद नहीं की। अगर समय रहते लाइट बंद हो जाती तो यूनुस की जान बच जाती। इसी के साथ मृतक के परिजनों ने आर्थिक सहायता की मांग की। पुलिस ने बिजली विभाग के खिलाफ लापरवाही का मामला दर्ज कर परिजनों को शांत कराया और पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

एयर इंडिया निदेशक मंडल की बैठक 7 मई को, नए प्रमुख के चयन पर चर्चा संभव

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया संकट के बीच भारी घाटे और वैश्विक चुनौतियों का सामना कर रही टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयर इंडिया निदेशक मंडल की सात मई को मुंबई में बैठक होगी। बैठक में लागत घटाने के उपाय, नए मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) के चयन, वित्तीय स्थिति और अन्य मुद्दों पर चर्चा कर सकता है। सूत्रों ने रविवार को बताया कि टाटा संस के अध्यक्ष एन. चंद्रशेखरन की अध्यक्षता में 07 मई को मुंबई में निदेशक मंडल की बैठक होगी। इसमें लागत घटाने के उपाय, तथा 31 मार्च को समाप्त वित्त वर्ष 2025-26 के वित्तीय नतीजे और नए सीईओ की नियुक्ति से जुड़े मुद्दों पर विचार-विमर्श किए जाने की उम्मीद है। हालांकि, टाटा संस और एयर इंडिया ने इस पर कोई टिप्पणी नहीं की। सूत्रों ने बताया कि कंपनी को 31 मार्च 2026 को समाप्त वित्त वर्ष 2025-26 में 22,000 करोड़ रुपये से अधिक का घाटा होने का अनुमान है। पश्चिम एशिया संकट की वजह से कंपनी के समक्ष चुनौतियां और बढ़ गई हैं। तेजी से बढ़ती विमान ईंधन कीमतों के बीच लागत घटाने के कड़े उपायों के तहत एयर इंडिया टिकट से भोजन और व्यवसाय श्रेणी के यात्रियों के लिए विश्राम कक्ष सुविधा को अलग करने के विकल्प पर विचार कर रही है। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक विमान ईंधन की बढ़ती कीमतों के बीच लागत में कटौती के कड़े उपायों के तहत, एयर इंडिया अब हवाई टिकट से भोजन की सुविधा को अलग करने पर विचार कर रही है। इसके साथ ही, बिजनेस क्लास के यात्रियों के लिए 'लाउंज एक्सेस' की सुविधा को भी वैकल्पिक बनाने पर मंथन किया जा रहा है। सूत्रों ने यह भी स्पष्ट किया कि ये उपाय अभी केवल विचाराधीन हैं और इन्हें लागू करने पर अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है। पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण हवाई क्षेत्र में लगी पाबंदियों के कारण एयरलाइन को कई अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों के लिए लंबे मार्ग को अपनाना पड़ रहा है, जिससे ईंधन की खपत बढ़ रही है। उल्लेखनीय है कि निदेशक मंडल की बैठक में नए सीईओ के चयन पर भी चर्चा होने की संभावना है। एयरलाइन में सिंगापुर एयरलाइंस की 25.1 फीसदी हिस्सेदारी है।

आआपा ने पांडव कुमार की हत्या के खिलाफ मुख्यमंत्री के निवास के बाहर किया प्रदर्शन

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आआपा) ने रविवार को बिहार के पांडव कुमार की हत्या के खिलाफ मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के निवास के बाहर प्रदर्शन किया। आआपा विधायक संजीव झा ने यहां प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि दिल्ली में कानून व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है, लेकिन सरकार चैन की नींद सो रही है। उन्होंने कहा कि दिल्ली की मुख्यमंत्री दूसरे राज्यों में भाषण देने जाती हैं और "जंगलराज" की बात करती हैं, जबकि हकीकत यह है कि आज दिल्ली खुद उसी दौर से गुजर रही है। संजीव झा ने कहा कि एक बिहार के रहने वाले युवा को 'बिहारी' पहचान के नाम पर गोली मारी गई और सत्ता में बैठे लोग सिर्फ फोटो खिंचवाने में व्यस्त हैं। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक हत्या नहीं, बल्कि उस नफरत का परिणाम है जो पिछले कुछ समय से समाज में बोई जा रही है। आआपा विधायक ने कहा आज लोगों को उनके नाम, जाति, या राज्य के आधार पर निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि दिल्ली नफरत से नहीं, मोहब्बत और इंसाफ से चलेगी।संजीव झा ने दिल्ली में पूर्वांचल और बिहार से आने वाले परिवारों के खिलाफ बढ़ती नफरत पर चिंता जताई।

इन्फ्रा मेडि 2.0 संगोष्ठी एवं प्रदर्शनी शोः स्वास्थ्य अवसंरचना और नवाचार पर मंथन

लोकतंत्र की शान

राजधानी के ले मेरिडियन होटल में आयोजित इन्फ्रा मेडि 2.0 संगोष्ठी एवं प्रदर्शनी शो का सफल समापन हुआ। इस महत्वपूर्ण आयोजन में स्वास्थ्य, अनुसंधान, नीति निर्माण और उद्योग से जुड़े प्रमुख विशेषज्ञों और हितधारकों ने भाग लेते हुए भारत के स्वास्थ्य अवसंरचना और नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को सुदृढ़ बनाने पर गहन चर्चा की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में जालौर-सिरोही (राजस्थान) से सांसद श्री लुम्बाराम चौधरी उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में देश के स्वास्थ्य क्षेत्र में मजबूत अवसंरचना और प्रभावी नीति निर्माण की आवश्यकता पर बल दिया। संगोष्ठी में विशिष्ट वक्ताओं के रूप में डॉ. संगमित्रा पाटी (अतिरिक्त महानिदेशक, ICMR), डॉ. मोना डुग्गल (निदेशक, ICMR—नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर रिसर्च इन डिजिटल हेल्थ एंड डेटा साइंस) और डॉ. रजनी कांत (निदेशक, RMRC गोरखपुर एवं प्रमुख, नीति एवं संचार, ICMR) ने अपने विचार साझा किए। उन्होंने डिजिटल हेल्थ, अनुसंधान और नीति समन्वय की भूमिका पर प्रकाश डाला। इस आयोजन में भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (ICMR) ने गोल्ड स्पॉन्सर के रूप में अहम भूमिका निभाई। साथ ही फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (FSSAI), सेंट्रल काउंसिल फॉर रिसर्च इन सिद्धा (CCRS) और इंडियन काउंसिल ऑफ एग्रीकल्चरल रिसर्च (ICAR) की सक्रिय भागीदारी ने कार्यक्रम को और समृद्ध बनाया। एनजीओ साझेदार लेडी सर्कल GMCLC160 और काराह फाउंडेशन ने सामाजिक जागरूकता और सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। कार्यक्रम के दूसरे सत्र में पूर्व केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री और प्रख्यात ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. हर्षवर्धन मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने अपने उद्बोधन में स्वास्थ्य क्षेत्र में सशक्त नेतृत्व और दूरदर्शी नीतियों के महत्व को रेखांकित किया। आयोजन के दृश्य और अनुभवात्मक पहलुओं को सफलतापूर्वक प्रस्तुत करने में विजुअल मिथ्स की निदेशक सुश्री मीतू पॉल का विशेष योगदान रहा। "विजन 2047" के राष्ट्रीय लक्ष्य के अनुरूप, इन्फ्रा मेडि 2.0 ने एक समावेशी, सशक्त और भविष्य-उन्मुख स्वास्थ्य प्रणाली के निर्माण पर जोर दिया, जो नवाचार, डिजिटल परिवर्तन और सहयोगात्मक साझेदारी पर आधारित हो। इस अवसर पर इन्फ्रा मेडि 3.0 के आगामी संस्करण की भी घोषणा की गई, जिसका उद्देश्य इस संवाद और सहभागिता को और व्यापक स्तर पर आगे बढ़ाना है। कार्यक्रम का समापन "विजन 2047" के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता के साथ हुआ।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने दिल्ली में कई वरिष्ठ एवं केन्द्रीय मंत्रियों से की मुलाकात,राज्य के समग्र विकास पर हुई चर्चा

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। बिहार में संभावित मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। इसी बीच मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की सक्रियता राज्य की सीमाओं से बाहर निकलकर राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली तक पहुंच गई है। रविवार को मुख्यमंत्री ने दिल्ली में कई केंद्रीय मंत्रियों और वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात कर राज्य के विकास, समन्वय और राजनीतिक रणनीति से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की। मुख्यमंत्री ने मीडिया को बताया कि उन्होंने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की। इस दौरान "विकसित बिहार" के विजन को लेकर विस्तृत बातचीत हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि रक्षा मंत्री के अनुभव और मार्गदर्शन से राज्य के विकास को नई दिशा मिल सकती है।इसके बाद मुख्यमंत्री ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से भी शिष्टाचार मुलाकात की। बैठक में बिहार में रेल अवसंरचना को सुदृढ़ करने, कनेक्टिविटी बढ़ाने और विकास परियोजनाओं को गति देने जैसे मुद्दों पर गंभीर चर्चा हुई। उन्होंने भरोसा जताया कि केंद्र के सहयोग से राज्य में रेल नेटवर्क का तेजी से विस्तार होगा। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह (ललन सिंह) से भी मुलाकात की। इस दौरान बिहार से जुड़े विभिन्न विकासात्मक विषयों पर विस्तार से विचार-विमर्श हुआ और राज्य के समग्र विकास के लिए बेहतर समन्वय पर जोर दिया गया। इसी क्रम में केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय से भी मुख्यमंत्री की मुलाकात हुई। इस बैठक में "विकसित भारत, समृद्ध बिहार" के लक्ष्य को लेकर सकारात्मक और परिणामोन्मुखी चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी से भी शिष्टाचार भेंट की। इसके अलावा भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री एवं बिहार प्रभारी विनोद तावड़े से भी उन्होंने मुलाकात कर संगठनात्मक और राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा की। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि ये सभी मुलाकातें बिहार में संभावित कैबिनेट विस्तार से पहले राजनीतिक समीकरणों को साधने और केंद्र-राज्य समन्वय को मजबूत करने की दिशा में अहम कदम हैं। इन बैठकों से यह संकेत मिल रहे हैं कि राज्य में जल्द ही मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिए जा सकते हैं, साथ ही विकास परियोजनाओं को भी नई गति मिलने की संभावना है।

मास्टर प्लान के दायरे में आने वाले कारोबारियों को सर्वे से डरने की जरूरत नहींः सत्या शर्मा

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली के आवासीय क्षेत्रों में चल रहे गैर-आवासीय परिसरों के सर्वे को लेकर मचे घमासान के बीच दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) की स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा ने व्यापारियों को आश्वासन दिया है। सत्या शर्मा ने स्पष्ट किया कि मास्टर प्लान 2021 और दिल्ली विशेष प्रावधान अधिनियम के तहत आने वाले वैध कारोबारियों पर कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी। बाजारों में फैले भ्रम को दूर करते हुए उन्होंने व्यापारियों और संपत्ति मालिकों से अपील की कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें। उन्होंने व्यापारिक संगठनों को भरोसा दिलाया कि निगम उनके साथ निरंतर संवाद में है और किसी भी वैध कारोबारी के हितों के साथ समझौता नहीं किया जाएगा। सत्या शर्मा ने कहा कि उच्चतम न्यायालय के आदेश पर किए जा रहे इस सर्वे का लक्ष्य केवल उन संपत्तियों की पहचान करना है, जो नियमों का गंभीर उल्लंघन कर रही हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि सर्वे का मकसद छोटे और नियमों का पालन करने वाले दुकानदारों को परेशान करना नहीं बल्कि बड़े स्तर पर हो रहे अवैध व्यावसायिक अतिक्रमण और गैर-कानूनी गतिविधियों पर नकेल कसना है। अध्यक्ष ने जानकारी दी कि मास्टर प्लान दिल्ली 2021 के तहत 'मिश्रित उपयोग' की अनुमति है। इसके तहत रिहायशी इलाकों में 20 वर्ग मीटर तक की छोटी दुकानें और 24 श्रेणियों की सेवाएं पूरी तरह वैध हैं। इनमें दैनिक आवश्यकताएंः किराना, फल-सब्जी, डेयरी, दवा की दुकानें, सेवाएंः दर्जी, ब्यूटी पार्लर, ड्राई क्लीनर, मोबाइल मरम्मत, फोटोकॉपी, पेशेवर गतिविधियांः क्लिनिक, पैथोलॉजी लैब, ट्यूशन सेंटर, ट्रैवल एजेंसी और अन्यः स्टेशनरी, साइबर कैफे और छोटी खाद्य इकाइयां शामिल हैं। सत्या शर्मा ने कहा कि इस अधिनियम के तहत जिन इलाकों या परिसरों को कानूनी संरक्षण प्राप्त है, वे भी सुरक्षित रहेंगे। जब तक इन क्षेत्रों के नियमितीकरण या पुनर्विकास की अंतिम नीति लागू नहीं हो जाती, तब तक किसी भी तरह की दंडात्मक कार्रवाई पर रोक बनी रहेगी।

हिंदू संस्कृति में प्रकृति के बिना जीवन की कल्पना नहींः हर्षवर्धन त्रिपाठी

लोकतंत्र की शान

उदयपुर। वरिष्ठ पत्रकार हर्षवर्धन त्रिपाठी ने कहा कि हिंदू संस्कृति और सभ्यता में प्रकृति के बिना जीवन की कल्पना संभव नहीं है। सनातन परंपरा में नदी, वृक्ष और पर्यावरण के प्रत्येक अंग को पूजनीय मानकर जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाया गया है। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता का धर्म भी केवल सूचना देना नहीं, बल्कि समाज को संतुलित दृष्टि देना है, जिसमें विकास और पर्यावरण संरक्षण दोनों का समन्वय आवश्यक है।वे रविवार को विश्व संवाद केंद्र चित्तौड़ प्रांत की ओर से सुखाड़िया विश्वविद्यालय के बप्पा रावल सभागार में आयोजित देवर्षि नारद जयंती एवं प्रांत स्तरीय पत्रकार सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पत्रकार को दरबारी नहीं, बल्कि सत्य का पक्षधर होना चाहिए। बदलते भारत की सटीक तस्वीर प्रस्तुत करना भी पत्रकारिता का महत्वपूर्ण दायित्व है। त्रिपाठी ने देश की विकास यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि कोविड महामारी और आर्थिक चुनौतियों के बावजूद भारत ने मजबूत प्रगति की है। सड़क, रेल और हवाई परिवहन के क्षेत्र में तेजी से विस्तार हुआ है, जिससे समय और ईंधन की बचत के साथ पर्यावरण संरक्षण को भी बल मिला है। उन्होंने कहा कि विकास परियोजनाओं के विरोध के पीछे छिपे पहलुओं को भी पत्रकारों को समझकर जनता तक पहुंचाना चाहिए। समारोह में मुख्य अतिथि महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय अजमेर के कुलगुरु प्रो. सुरेश अग्रवाल ने कहा कि पत्रकारों को नारदजी की तरह निर्भीक होकर सत्य कहना चाहिए। विशिष्ट अतिथि डॉ. महावीर कुमावत ने सामाजिक समरसता को राष्ट्र निर्माण का आधार बताया।कार्यक्रम में पांच श्रेणियों में उत्कृष्ट पत्रकारों को देवर्षि नारद सम्मान प्रदान किए गए। प्रांत के 13 जिलों से प्राप्त 132 प्रविष्टियों में से चयनित पत्रकारों को स्मृति चिन्ह, पुस्तक और 21-21 हजार रुपए की सम्मान राशि दी गई। उत्कृष्ट पत्रकार (प्रिंट) पुरस्कार भूपेश दाधीच दैनिक नवज्योति उदयपुर, उत्कृष्ट पत्रकार इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का पुरस्कार मुकेश हिंगड़ दैनिक भास्कर डिजिटल एप उदयपुर, उत्कृष्ट छायाकार का पुरस्कार बलराम मेहता राजस्थान पत्रिका बारां, उत्कृष्ट पत्रकार (यूट्यूब चैनल) का पुरस्कार निपुण भार्गव, चैनल निदेशक 'बात आज की' अजमेर और उत्कृष्ट स्तंभकार का पुरस्कार भंवर सिंह कछवाहा संपादक बालाजी टाइम्स को प्रदान किया गया।विश्व संवाद केंद्र के सचिव प्रवीण कोटिया ने बताया कि समारोह के दौरान साहित्य प्रदर्शनी, संविधान चित्र प्रदर्शनी और नारद जयंती पर आधारित वृत्तचित्र भी आकर्षण का केंद्र रहे। कार्यक्रम का संचालन भानुप्रिया ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन अध्यक्ष कमल प्रकाश रोहिला ने किया।

सुखद : वन्यजीव गणना के दौरान दिखे तीस से अधिक काले हिरण

लोकतंत्र की शान

धौलपुर। राष्ट्रीय चम्बल अभयारण्य धौलपुर के अंतर्गत नाका समोना क्षेत्र में हाल ही में आयोजित वन्यजीव गणना के दौरान तीस से अधिक ब्लैकबक (काला हिरण) देखे गए हैं। राष्ट्रीय चम्बल अभयारण्य में काले हिरणों की मौजूदगी से आने वाले दिनों में पर्यटन में बढोतरी होगी,जो काफी सुखद माना जा रहा है। राष्ट्रीय चम्बल अभयारण्य धौलपुर के डीएफओ डॉ. आशीष व्यास ने बताया कि काला हिरण घासभूमि पारिस्थितिकी तंत्र की एक महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील प्रजाति है, जिसकी उपस्थिति क्षेत्र की स्वस्थ पारिस्थितिकी का संकेत देती है। वन विभाग द्वारा अभयारण्य क्षेत्र में नियमित गश्त, अवैध शिकार पर नियंत्रण, आवास संरक्षण, जल स्त्रोतों का विकास तथा स्थानीय समुदाय के सहयोग से वन्यजीव संरक्षण के प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं। इन सतत प्रयासों के परिणामस्वरूप काला हिरण जैसी संवेदनशील प्रजातियों की पुनः उपस्थिति एवं संरक्षण संभव हो पाया है। उन्होंने बताया कि काला हिरण मध्यम आकार का अत्यंत आकर्षक मृग है, जिसमें स्पष्ट लैंगिक भिन्नता पाई जाती है। वयस्क नर का रंग गहरे भूरे से काले तक होता है तथा इसके सर्पिल सींग होते हैं, जबकि मादा हल्के पीले-भूरे रंग की होती है और सामान्यतः बिना सींग की होती है। यह प्रजाति मुख्यतः घासभूमि, झाड़ीदार एवं अर्ध-शुष्क क्षेत्रों में पाई जाती है तथा खुले मैदानों को अधिक पसंद करती है। यह एक दिवाचर एवं शाकाहारी प्रजाति है, जो मुख्यतः घास एवं कोमल वनस्पतियों पर निर्भर रहती है। काला हिरण सामान्यतः समूहों में रहता है, जिनका आकार मौसम एवं भोजन की उपलब्धता के अनुसार बदलता रहता है। ऐतिहासिक रूप से काला हिरण राजस्थान में व्यापक रूप से पाया जाता था, किन्तु वर्तमान में यह सीमित एवं खंडित आवासों में ही देखा जाता है। हालांकि, संरक्षण प्रयासों के कारण कुछ क्षेत्रों में इसकी संख्या में वृद्धि भी दर्ज की गई है। डॉ. व्यास ने बताया कि धौलपुर क्षेत्र एवं राष्ट्रीय चम्बल अभयारण्य में काला हिरण के अतिरिक्त नीलगाय, चीतल, सांभर, चौसिंगा एवं चिंकारा जैसे अन्य मृग भी पाए जाते हैं, जो इस क्षेत्र की जैव विविधता को समृद्ध बनाते हैं। डॉ. व्यास ने बताया कि वन्यजीव गणना के दौरान वन विभाग के कार्मिकों द्वारा यह अवलोकन न केवल अभयारण्य की पारिस्थितिक गुणवत्ता को दर्शाता है, बल्कि यह भी इंगित करता है कि उचित संरक्षण एवं प्रबंधन से दुर्लभ प्रजातियों की वापसी संभव है। वन विभाग भविष्य में भी ऐसे संरक्षण प्रयासों को निरंतर जारी रखेगा।

संक्षिप्त समाचार

अंबेडकर पार्क में आंगनवाड़ी कार्य कत्रीयो ने अनेक मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन किया

लोकतंत्र की शान , मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा, रामपुर। आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों ने भाजपा सरकार को दिए जीरो नंबर, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों ने खोला अधिकारियों पर मोर्चा दी चेतावनी 6000 तो अधिकारी के कुत्ते खा जाते हैं हम 6000 में काम नहीं करेंगे, एंकर, रामपुर के अंबेडकर पार्क में अनेक मांगों को लेकर आंगनबाड़ी कार्यकत्री सहायिका वेलफेयर एसोसिएशन उत्तर प्रदेश ने एक लिखित ज्ञापन मुख्यमंत्री को संबंधित जिला अधिकारी रामपुर को सिटी मजिस्ट्रेट के द्वारा सोपकर उसमें उन्होंने अपनी मांगे रखी,सीमा राठौर ने कहा कि हमारी मांगे अगर नहीं मानी गई तो हम बाद मे धरना प्रदर्शन आंदोलन करेंगे वहीं कमलेश गंगवार ने कहा कि हम 6 हजार रुपए में काम नहीं करेंगे जितना हमें काम दिया गया है उतना हम काम करेंगे क्योंकि रामपुर के अधिकारियों के कुत्ते भी 6000 खा जाते हैं हमें क्या वेतन दिया जाता है हमें तो ना बराबर वेतन मिलता है बात सरकार की जाए तो सरकार को भी हम जीरो वोट जीरो नंबर देना चाहेंगे क्योंकि जो सरकार हमारी सुनेगी हम उसकी सुनेंगे हम महिलाओं के साथ में बहनों के साथ में अत्याचार हो रहा है शोषण हो रहा है लगातार हमारी सुनवाई नहीं हो रही है गूंगी बहरी सरकार है,

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद रहरा इकाई के नगर मंत्री बने शिवा शर्मा

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा, हसनपुरः रविवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) की जिला समिति की बैठक ब्लाक हसनपुर सभागार में संपन्न हुई, जिसमें जिला प्रमुख एवं प्रांत सह मंत्री विकास शर्मा द्वारा शिवा शर्मा को एबीपी नगर इकाई रहरा के नगर मंत्री के रूप में नियुक्त किया गया। इस नियुक्ति के साथ, शिवा शर्मा अब रहरा इकाई के नेतृत्व की जिम्मेदारी संभालेंगे और क्षेत्र में छात्र हितों की रक्षा के लिए काम करेंगे। एबीवीपी की इस नियुक्ति को छात्र समुदाय में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इस अवसर पर, विकास शर्मा ने कहा कि एबीवीपी छात्रों की समस्याओं के समाधान के लिए काम करता है और यह विश्व का सबसे बड़ा छात्र संगठन है। शिवा शर्मा ने कहा कि मुझे जो जिम्मेदारी दी गई है जिसका निर्वहन मैं छात्र हितों के लिए मेहनत और लगन के साथ करूंगा। उन्होंने कहा कि छात्रों का शोषण किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं होगा, तथा छात्रों के हित की लड़ाई जारी रहेगी।

भारतीय किसान यूनियन भारत भूमि के द्वारा आज सौपा जाएगा एसडीएम कार्यालय पर ज्ञापन

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा, हसनपुरः आज भारतीय किसान यूनियन भारत भूमि के जिला अध्यक्ष शमशेर सैफी के नेतृत्व में हसनपुर उप जिलाधिकारी कार्यालय पर विभिन्न समस्याओं को लेकर जिसमें स्मार्ट मीटर, गैस की डिलीवरी, गंगा एक्सप्रेस वे पर सर्विस रोड व अन्य समस्याओं को लेकर जिलाधिकारी एवं मुख्यमंत्री के नाम संबोधित एक ज्ञापन एसडीएम कार्यालय पर सौपा जाएगा वही जिला अध्यक्ष शमशेर सैफी ने बताया कि इस मौके पर बिजली घर के अधिकारियों तथा हसनपुर गैस एजेंसी के मालिक दिनेश कुमार गौतम का उपस्थित होना अनिवार्य है उन्होंने बताया कि सुबह आज सुबह 10:30 बजे संगठन के कार्यकर्ता भारी संख्या में एसडीएम कार्यालय पहुंचकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराये।

शिक्षामित्रों को पहचान और संबल दे रही योगी सरकार, 5 मई को गोरखपुर में सीएम करेंगे सम्मान

लोकतंत्र की शान , लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने शिक्षामित्रों के मानदेय में वृद्धि के बाद अब उनके सम्मान को भी प्राथमिकता देते हुए व्यापक तैयारी शुरू कर दी है। इस पहल को प्रदेशव्यापी स्वरूप देते हुए आगामी 5 मई को गोरखपुर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ राज्यस्तरीय भव्य कार्यक्रम का शुभारंभ करेंगे। 18,000 प्रतिमाह मानदेय के साथ लगभग 1.43 लाख शिक्षामित्रों को इस प्रक्रिया से जोड़ा जाएगा, जिसके माध्यम से पूरे प्रदेश में यह स्पष्ट संदेश जाएगा कि शिक्षा व्यवस्था की नींव को मजबूत करने वाले शिक्षामित्रों को अब उचित पहचान और संबल मिल रहा है। शिक्षामित्रों को अप्रैल माह से ही बढ़े हुए मानदेय का लाभ मिलना शुरू हो चुका है और अब 5 मई को गोरखपुर के बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह से मुख्यमंत्री इसके औपचारिक शुभारंभ के साथ शिक्षामित्रों से संवाद भी करेंगे। सुबह 11 बजे होने वाले इस कार्यक्रम के समानांतर सभी जनपदों में भी आयोजन कर इसे व्यापक रूप दिया जाएगा। परिषदीय प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत लगभग 1.43 लाख शिक्षामित्रों के लिए लिया गया यह निर्णय अब पूरी तरह लागू हो चुका है। 1 अप्रैल 2026 से प्रभावी इस व्यवस्था के अंतर्गत बेसिक शिक्षा के 13,597 और समग्र शिक्षा के 1,29,332 शिक्षामित्रों को 18,000 प्रतिमाह की दर से भुगतान किया जा रहा है, जिससे उनका आर्थिक सशक्तीकरण हुआ है। योगी सरकार शिक्षा क्षेत्र में सुधार और बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। मानदेय में वृद्धि और यह पहल शिक्षामित्रों के मनोबल को बढ़ाने के साथ-साथ विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता को भी नई दिशा देगी। गोरखपुर में होने वाला यह आयोजन शिक्षा सुधार के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

भगवान भोग विलास नहीं बल्कि प्रेम और सादगी के भूखे हैं : पूज्या सिद्धि पूनम जी

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः रविवार को नगर में चल रही भागवत कथा के दूसरे दिन अत्यंत महत्वपूर्ण और भावात्मक प्रसंग सुनाया गया जिसमें कथा वाचिका पूज्या सिद्धि पूनम जी ने सुकदेव जी का आगमन, राजा परीक्षित को श्राप और विदुर संवाद का वर्णन किया, कथा वाचिका ने राजा परीक्षित का प्रसंग और उन्हें मिले शिराप का वर्णन करते हुए बताया कि राजा परीक्षित वन मे शिकार के दौरान प्यास लगने पर समिक ऋषि के आश्रम में जाते हैं ऋषि समाधि में लीन थे इसलिए परीक्षित द्वारा पानी मांगने पर भी वह उत्तर नहीं देते सके, जिसके चलते क्रोध में राजा परीक्षित एक मरा हुआ सांप ऋषि के गले में डाल देते हैं वहीं जब ऋषि के पुत्र श्रृंगी को यह पता चलता है तो वह क्रोधित होकर श्रॉप देते हैं कि सात में दिन तक्षक नामक सर्प के काटने से राजा परीक्षित की मृत्यु होगी, कथा वाचक पूज्य सिद्धि पूनम जी ने बताया कि गलती का पश्चाताप न करने पर वह पाप बन जाता है, वहीं श्रॉप मिलने के बाद राजा परीक्षित अपने कर्मों के प्रति पश्चाताप करते हैं और ईश्वर की क्षण में जाते हैं, भगवान सुखदेव (वेदव्यास जी के पुत्र) का आगमन होता है जो ज्ञान और वैराग्य के प्रतिरूप है बे राजा परीक्षित को अमरता का मार्ग भागवत कथा सुनने के लिए आते हैं, वही कथा के प्रसंग में विदुर संवाद और सृष्टि वर्णन का जिक्र भी आता है, कथा वाचिका पूज्य सिद्धि पूनम जी ने बताया कि भगवान भोग विलास नहीं बल्कि प्रेम और सादगी के भूखे हैं, कथा में मैत्रेय ऋषि के साथ विदुर जी का संवाद भी सुनाया गया, वहीं 24 अवतारों का वर्णन भी कथा में सुनाया गया, सुकदेव जी परीक्षित को भगवान के प्रमुख अवतारों जैसे वराह, नरसिंह, वावन अवतार के बारे में बताते हैं जिससे उनका मन ईश्वर की भक्ति में लग सके, कथा के दूसरे दिन कथा का मुख्य संदेश है की मृत्यु अटल है इसलिए मनुष्य को सांसारिक विचार से ऊपर उठकर भगवान की भक्ति और सेवा में अपना जीवन लगाना चाहिए, कथा के दूसरे दिन कथा वाचीका पूज्य सिद्धि पूनम जी ने कथा के प्रसंग में पांडवों का स्वर्गरोहण की कथा शुक्राताल में सुकदेव जी का आगमन आदि कथाओं का भी वर्णन किया, वही कथा समाप्ति के उपरांत भगवान की आरती की गई तथा प्रसाद भी वितरित किया गया, इस मौके पर मुख्य रूप से पुनीता अग्रवाल, संदीप अग्रवाल, अनुपम अग्रवाल, दिनेश अग्रवाल, पंडित महेश शर्मा, सतवीर गिरी, देवेंद्र शर्मा, पप्पू गिरी, महेश शर्मा, दामोदर शर्मा, उमेश शर्मा, संजीव शर्मा, अनीता अग्रवाल, आंचल अग्रवाल, सविता चौहान, पूनम अग्रवाल, उमा अग्रवाल, अनीता सिंह आदि सहित भारी संख्या में श्रद्धालू मौजूद रहे।

नजीबाबाद में आज़ाद समाज पार्टी का बढ़ता कुनबा बड़े नेताओं ने थामा चंद्रशेखर आज़ाद का हाथ

खुर्शीद मंसूरी के नेतृत्व में बढ़ता करवा मजबूत टीम के साथ चुनावी रणनीति बना रहे खुर्शीद मंसूरी

लोकतंत्र की शान, खिज़र अहमद

नजीबाबादः विधानसभा क्षेत्र की राजनीति में आज एक बड़ा घटनाक्रम देखने को मिला, जब नॉर्थ एवेन्यू, दिल्ली में आयोजित सदस्यता कार्यक्रम में आज़ाद समाज पार्टी (कांशीराम) का कुनबा और मजबूत हो गया। मुरादाबाद मंडल प्रभारी एवं साहनपुर चेयरमैन खुर्शीद मंसूरी के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में नजीबाबाद के पूर्व ब्लॉक प्रमुख अबरार आलम अंसारी और जलालाबाद के पूर्व चेयरमैन लियाकत अली अंसारी ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। दोनों नेताओं ने राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आज़ाद के नेतृत्व पर भरोसा जताते हुए सामाजिक न्याय की लड़ाई को और मजबूती से आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। इस मौके पर खुर्शीद मंसूरी ने कहा कि आज़ाद समाज पार्टी लगातार मजबूत हो रही है और आने वाले समय में यह पार्टी प्रदेश की राजनीति में एक बड़ा विकल्प बनकर उभरेगी। कार्यक्रम में मौजूद कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखने को मिला और सभी ने एकजुट होकर पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

युवा जोश ने बढ़ाया संगठन का मान पंडित यश शर्मा बने नगर सचिव

लोकतंत्र की शान, मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा

रामपुर। उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल में युवा नेतृत्व को मजबूती देते हुए पंडित यश शर्मा को नगर सचिव जैसे गरिमामय पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। कम उम्र में ही अपने त्याग, समर्पण और सक्रिय कार्यशैली के कारण पंडित यश शर्मा ने व्यापारियों के बीच एक अलग पहचान बनाई है। जिसमें उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप अग्रवाल सोनी ने ब्राह्मणों को उपाधि में रखा जो यश शर्मा को नगर सचिव का पद देकर बड़ा सराहनीय कार्य किया। उनकी इस नियुक्ति पर अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा के समस्त पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। महासभा के पदाधिकारियों ने कहा कि पंडित यश शर्मा जैसे कर्मठ और ऊर्जावान युवा का इस पद पर आना संगठन के लिए गौरव की बात है। संगठन ने विश्वास जताया कि पंडित यश शर्मा अपने दायित्व का पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निर्वहन करेंगे तथा व्यापारियों की समस्याओं को मजबूती से उठाते हुए संगठन को नई दिशा देंगे। महासभा के सदस्यों ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि यह नियुक्ति आने वाले समय में संगठन और व्यापार जगत के लिए लाभकारी सिद्ध होगी। अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा के पदाधिकारी मुनीष चंद शर्मा सौरभ शर्मा अभिषेक शर्मा मयंक शर्मा यश शर्मा अवनीत कुमार शर्मा रविंद्र कुमार शर्मा लव शर्मा कुश शर्मा आयुष शर्मा मयंक शर्मा सात्विक शर्मा बल्लू शर्मा शुक्ला जी दीपक शर्मा राजीव शर्मा आदि उपस्थित रहे

यूपी ने बनाया 9 साल में 9 लाख से अधिक पारदर्शी भर्तियों का रिकॉर्ड : मुख्यमंत्री

लोकतंत्र की शान

लखनऊ। "उत्तर प्रदेश में पिछले नौ वर्षों में 9 लाख से अधिक नौजवानों को सरकारी नौकरी दी गई है। यह किसी भी राज्य में सर्वाधिक नियुक्तियों की प्रक्रिया को सकुशल एवं पारदर्शी तरीके से संपन्न करने का रिकॉर्ड है। सिर्फ अधीनस्थ चयन आयोग इस वर्ष 32 हजार से अधिक नियुक्तियों की प्रक्रिया संपन्न करेगा। शिक्षा चयन आयोग हजारों शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया पूरी करेगा। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग को लगभग 15 हजार भर्तियां करनी है। इस प्रकार चालू वित्तीय वर्ष (2026-27) में डेढ़ लाख से अधिक सरकारी भर्तियों की प्रक्रिया संपन्न होनी है। प्रक्रिया में किसी प्रकार की सेंध न लगे, इसके लिए सख्त कानून भी बनाया है, जिसके तहत सेंधमारी करने वालों को आजीवन कारावास की सजा और उसकी पूरी संपत्ति को जब्त किया जाता है।" ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को लोक भवन में उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के लिए नवचयनित 357 कनिष्ठ विश्लेषकों (औषधि) तथा चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के नवचयनित 252 दंत स्वास्थ्य विज्ञानियों को नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में कहीं। अपने संबोधन के पहले मुख्यमंत्री ने नवचयनित अभ्यर्थियों को नियुक्त पत्र वितरित किए।

युवाओं के सपने का टूटना आने वाली पीढ़ियों के भविष्य के साथ धोखा-मुख्यमंत्री ने कहा कि हर माता-पिता की इच्छा होती है कि उनका बच्चा अच्छी शिक्षा प्राप्त कर एक सुरक्षित और बेहतर भविष्य की ओर आगे बढ़े। इसके लिए वे हरसंभव प्रयास करते हैं, लेकिन जब अपेक्षित परिणाम नहीं मिलते, तो न केवल उस युवा के सपने टूटते हैं, बल्कि उसके माता-पिता और परिवार से जुड़े अन्य लोगों की उम्मीदें भी चकनाचूर हो जाती हैं। किसी युवा के सपनों का टूटना केवल एक व्यक्ति के साथ अन्याय नहीं है, बल्कि यह आने वाली पीढ़ियों के भविष्य के साथ धोखा है। उत्तर प्रदेश की 'बीमारू राज्य' के रूप में पहचान बनाने में चयन प्रक्रियाओं में भेदभाव, बेईमानी और भ्रष्टाचार की भूमिका थी। भर्ती प्रक्रियाओं में अनियमितताएं इतनी अधिक थीं कि न्यायालय को बार-बार हस्तक्षेप करना पड़ता था।

बरेली में सपा नेता कुलदीप सिंह भुल्लर का BJP-RSS पर हमला

लोकतंत्र की शान

(बरेली संदीप चंद्रा उत्तर प्रदेश)बरेली, रविवार आज समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव कुलदीप सिंह भुल्लर रविवार को 'सामाजिक न्याय यात्रा' के तहत बरेली पहुंचे। सपा कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर उन्होंने भाजपा और आरएस की विचारधारा पर तीखा हमला बोला। भुल्लर ने कहा कि भाजपा सिखों को आधा-अधूरा इतिहास पढ़ाकर समाज में नफरत फैला रही है। उन्होंने कहा कि सिख समाज अब भाजपा की 'फूट डालो, राज करो' नीति को समझ चुका है और इसका जवाब 2027 में देगा।

इतिहास की अनकही कहानीः गुरु गोविंद सिंह को बचाने वाले मुस्लिम महापुरुष-प्रेस कॉन्फ्रेंस में भुल्लर ने इतिहास के कई तथ्यों को सामने रखा। उन्होंने कहा कि भाजपा सिर्फ औरंगजेब और वजीर खान की क्रूरता की बात करती है, ताकि सिखों को मुस्लिमों के खिलाफ भड़काया जा सके। भुल्लर ने बताया कि जब गुरु गोविंद सिंह के चारों साहिबजादे शहीद हो गए थे और उनके पास शरीर पर कपड़े भी नहीं बचे थे, तब गनी खान और नबी खान ने उन्हें 'उच्च का पीर' बनाकर 10 लाख की फौज के बीच से सुरक्षित निकाला था। पीर बुद्ध शाह ने गुरु साहब के लिए अपने बेटे और भतीजे तक कुर्बान कर दिए थे। भुल्लर ने सवाल किया कि भाजपा इन मुस्लिम महापुरुषों की कुर्बानी को इतिहास से क्यों गायब करती है।सिखों की जमीन और धार्मिक स्थलों का मुद्दा गरमाया भुल्लर ने उत्तर प्रदेश के तराई इलाकों, खासकर लखीमपुर खीरी और पीलीभीत में सिख किसानों की जमीन का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि 1947 के बंटवारे के बाद प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के कहने पर सिख परिवार पंजाब से यूपी आए थे। बंजर जमीन को मेहनत से उपजाऊ बनाने के बाद अब उनसे मालिकाना हक छीना जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने कैबिनेट में हक देने का दावा किया, लेकिन जमीन पर कुछ नहीं हुआ। 50 एकड़ जमीन पहले ही छीन ली गई है और हजारों एकड़ पर आज भी संकट बना हुआ है। हरिद्वार के 'ज्ञान गोदरी गुरुद्वारा' का जिक्र करते हुए भुल्लर ने कहा कि 1984 में जला दिया गया यह गुरुद्वारा हाई कोर्ट के आदेश के बाद भी सिखों को नहीं मिला। उन्होंने कहा कि एक तरफ सरकार शहीदी दिवस मनाती है, दूसरी तरफ गुरुओं के स्थान पर कब्जा कर रखा है।

2027 में PDA के साथ सरकार बनाने का दावा-भुल्लर ने महंगाई, डीजल-पेट्रोल के दाम और खाद की किल्लत पर भी सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि भाजपा पंचायत चुनाव हार के डर से टाल रही है।सिखों की जमीन और धार्मिक स्थलों का मुद्दा गरमाया भुल्लर ने उत्तर प्रदेश के तराई इलाकों, खासकर लखीमपुर खीरी और पीलीभीत में सिख किसानों की जमीन का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि 1947 के बंटवारे के बाद प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के कहने पर सिख परिवार पंजाब से यूपी आए थे। बंजर जमीन को मेहनत से उपजाऊ बनाने के बाद अब उनसे मालिकाना हक छीना जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने कैबिनेट में हक देने का दावा किया, लेकिन जमीन पर कुछ नहीं हुआ। 50 एकड़ जमीन पहले ही छीन ली गई है और हजारों एकड़ पर आज भी संकट बना हुआ है। हरिद्वार के 'ज्ञान गोदरी गुरुद्वारा' का जिक्र करते हुए भुल्लर ने कहा कि 1984 में जला दिया गया यह गुरुद्वारा हाई कोर्ट के आदेश के बाद भी सिखों को नहीं मिला। उन्होंने कहा कि एक तरफ सरकार शहीदी दिवस मनाती है, दूसरी तरफ गुरुओं के स्थान पर कब्जा कर रखा है।

2027 में PDA के साथ सरकार बनाने का दावा-भुल्लर ने महंगाई, डीजल-पेट्रोल के दाम और खाद की किल्लत पर भी सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि भाजपा पंचायत चुनाव हार के डर से टाल रही है।

रामपुर ड्रीम गर्ल ब्यूटी पार्लर/चिराग इंटरनेशनल की संस्थापक सरिता बिश्नोई ने यश शर्मा को दुपट्टा पहनाकर किया सम्मानित

लोकतंत्र की शान, मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा

उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के नगर सचिव पद पर नियुक्त किये गए @Yash Sharma ji का आज हमारे निज आवास पर आना हुआ लायन क्लब चिराग इंटरनेशनल की ओर से उनको पटका पहना कर सम्मानित किया गया। वह उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष sandeep संदीप अग्रवाल सोनी (ज़ी के कर-कमलो द्वारा नियुक्त किये गए।

संस्थापक लायन सरिता Sarita Vishnoii -डायरेक्टर लायन Anju Chaturvedi ज़ी, शारदा नरूला, अध्यक्ष संजू जैन, सेक्रेट्री मितलेश राजपूत, कोषाध्यक्ष लवी सक्सेना, सुधा अधिकारी, पदाधिकारी रमा अग्रवाल, श्वेता शर्मा, नीता सिंह,लता भाटिया, सरोज भाटिया अंजलि प्रियांशी खुशी कनक आदि उपस्थिति रही

विधायक महेंद्र सिंह खड़कवंशी ने लगाई क्षेत्र में विकास कार्यों की झड़ी, नवनिर्मित सड़क का किया लोकार्पण

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर : रविवार को हसनपुर विधानसभा से लोकप्रिय विधायक महेंद्र सिंह खड़कवंशी ने विकास कार्यों की झड़ी लगाते हुए एक और विकास कार्य कर कर क्षेत्र की जनता को सौगात दी, बताते चले की हसनपुर विधानसभा क्षेत्र के गांव तिगरिया खादर में नेशनल हाईवे 9 से ग्राम तिगरिया खादर तक 50 मी लंबे सीसी रोड सहित 950 मी काला डामर रोड (जिसकी अनुमानित लागत लगभग 54 लाख रुपए है) का विधिवत रूप से फीता काट कर लोकार्पण कर दिया, इस मौके पर ग्राम वासियों द्वारा विधायक महेंद्र सिंह का भव्य स्वागत किया गया, वहीं विधायक महेंद्र सिंह ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि वह अपनी विधानसभा क्षेत्र के किसी भी गांव गली मोहल्ले को विकास से अधूरा नहीं छोड़ेंगे उन्होंने कहा कि क्षेत्र में अब तक हजारों की संख्या में सड़के निर्मित की जा चुकी है और जहां अभी बाकी है वहां जल्द ही सभी सड़कों का निर्माण किया जाएगा, इस मौके पर विधायक महेंद्र सिंह के साथ मुख्य रूप से हसनपुर मंडल अध्यक्ष राजू राणा, जिला उपाध्यक्ष मयंक अग्रवाल, क्षेत्र पंचायत सदस्य देवेंद्र खड़कवंशी, मंडल उपाध्यक्ष देवेंद्र सिंह, शक्ति केंद्र संयोजक विनोद कुमार, कमल सिंह, राहुल, नंदराम सिंह एडवोकेट, राजेंद्र सिंह एडवोकेट, राम रतन सिंह, अतुल कुमार, रिंकल चौधरी, लखन सिंह खड़कवंशी, सतवीर सिंह, देवाराम सिंह, ओंकार सिंह, गजेंद्र सिंह, टेकचंद सिंह, रमेश सिंह, हर स्वरूप सिंह, नौबत सिंह, होरीलाल सिंह आदि सहित सैकड़ो की संख्या में ग्राम वासी मौजूद रहे।

नजीबाबाद के MGM इंटर कॉलेज में पहली बार भव्य साइंस एग्ज़िबिशन, बच्चों की प्रतिभा ने जीता सबका दिल

» जहाज वाले चेयरमैन ने शिक्षा को नजीबाबाद में बढ़ावा देने का काम किया

लोकतंत्र की शान, खिज़र अहमद

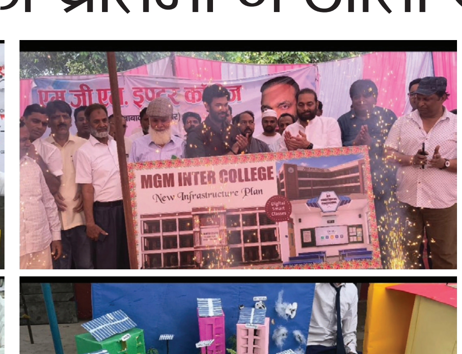

नजीबाबाद। जनपद बिजनौर के MGM इंटर कॉलेज में पहली बार आयोजित भव्य साइंस एग्ज़िबिशन ने पूरे क्षेत्र में उत्साह और जिज्ञासा का माहौल पैदा कर दिया। इस अनूठे आयोजन में छात्र-छात्राओं ने अपने हुनर, नवाचार और रचनात्मक सोच का ऐसा प्रदर्शन किया, जिसने हर किसी को प्रभावित कर दिया। प्रदर्शनी में विज्ञान, पर्यावरण और सामाजिक विषयों पर आधारित दर्जनों मॉडल और प्रोजेक्ट्स प्रस्तुत किए गए। बच्चों की मेहनत और उनकी सोच में छिपा भविष्य साफ नजर आया। छोटे-छोटे वैज्ञानिकों ने अपने प्रयोगों के माध्यम से यह साबित कर दिया कि अगर सही मंच और मार्गदर्शन मिले, तो वे बड़े से बड़े मुकाम हासिल कर सकते हैं। एग्ज़िबिशन को देखने के लिए अभिभावकों और गणमान्य लोगों की भारी भीड़ उमड़ी। हर प्रोजेक्ट के साथ बच्चों का आत्मविश्वास और प्रस्तुति कौशल दर्शकों को प्रभावित करता रहा। यह आयोजन केवल एक प्रदर्शनी नहीं, बल्कि बच्चों के सपनों को उड़ान देने वाला एक मजबूत मंच बनकर उभरा। इस सफल आयोजन के पीछे नगर पालिका अध्यक्ष इंजीनियर मुअज़्ज़म की विशेष भूमिका रही, जिनकी पहल और मार्गदर्शन से यह कार्यक्रम संभव हो सका। उनके साथ उनके बेटे सहल, नगर पालिका स्टाफ और विद्यालय के समस्त स्टाफ ने मिलकर इस आयोजन को भव्य और यादगार बनाया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में एडिशनल जज आदिल, भीम आर्मी के जिला अध्यक्ष प्रशांत महासागर, बार संघ अध्यक्ष कासिम एडवोकेट, संजीव गोयल, डॉ. सुलेमान, बड़े बाबू मोहम्मद अफजाल, हाजी इनाम सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। यह आयोजन इस बात का प्रमाण है कि नजीबाबाद के बच्चे केवल पढ़ाई तक सीमित नहीं, बल्कि नवाचार और विज्ञान के क्षेत्र में भी अपनी अलग पहचान बना रहे हैं। ऐसे आयोजन न सिर्फ बच्चों के आत्मविश्वास को बढ़ाते हैं, बल्कि उनके उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव भी रखते हैं।

नीट 2026: बिहार में 1.60 लाख अभ्यर्थियों ने दी परीक्षा

एजेंसी, पटना

♦ छात्राओं की नोज पिन उतरवाई, मेटल डिटेक्टर से जांच, जूतों के बिना एंट्री, सेंटर्स पर लंबी कतार, बिहार के 1.6 लाख छात्र शामिल

आज रविवार को नीट यूजी-2026 परीक्षा हो रही है। बिहार के 35 जिलों में 150 से अधिक परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जहां करीब 1.60 लाख अभ्यर्थी एग्जाम में शामिल हो रहे हैं। वहीं, पूरे देश में लगभग 23 लाख छात्र इस परीक्षा में शामिल हैं। सेंटर्स पर छात्रों की एंट्री बंद हो गई है। कड़ी चेकिंग के बाद ही अंदर जाने दिया गया। मुजफ्फरपुर में छात्राओं की नोज पिन उतरवाई गई है। वहीं छात्रों की मेटल डिटेक्टर से जांच की गई है। जूतों के बिना एंट्री दी गई। पानी की बोतल में लगे रैपर हटाकर अंदर ले जाने की अनुमति मिली। सेंटर के पास से अभिभावकों को हटाया दिया गया है।

परीक्षा का आयोजन भारत के 552 शहरों और विदेश के 14 शहरों में किया गया है। परीक्षा दोपहर 2 बजे से शाम 5:20 बजे तक चलेगी। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने इस बार परीक्षा को पारदर्शी बनाने के लिए कई अहम बदलाव किए हैं। NTA ने स्पष्ट किया है कि किसी भी तरह के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण या आभूषण को परीक्षा केंद्र में ले जाने की अनुमति नहीं है।

परीक्षार्थियों की मेटल डिटेक्टर से जांच: नीट परीक्षा में इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस की सख्त जांच के लिए परीक्षार्थियों को मेटल डिटेक्टर से गुजरना पड़ रहा है। इस दौरान मोबाइल फोन, स्मार्टवॉच, ब्लूटूथ डिवाइस, ईयरफोन, हेडफोन, माइक्रोफोन, कैलकुलेटर, पेन ड्राइव, डिजिटल घड़ी, फिटनेस बैंड, स्पाई कैमरा, चिप आधारित गैजेट्स और किसी भी तरह के वायरलेस उपकरण पूरी तरह प्रतिबंधित हैं। यहां तक कि छोटे इलेक्ट्रॉनिक सर्किट या छिपे हुए डिवाइस की भी जांच की जा रही है।

परीक्षार्थियों की ज्वेलरी उतरवाई गई: नीट परीक्षा में इस बार सुरक्षा के कड़े इंतजाम ने परीक्षार्थियों को चौंका दिया है। एग्जाम सेंटर पर प्रवेश से पहले छात्रों को सख्त चेकिंग से गुजरना पड़ रहा है। जूते तक उतरवाए जा रहे हैं, लड़कियों के जूड़े खुलवाकर जांच की जा रही है। नोज पिन, बैंड, घड़ी और अन्य एक्सेसरीज़ हटवाकर ही अंदर जाने की अनुमति मिल रही है। प्रशासन का दावा है कि नकल और किसी भी तरह की गड़बड़ी रोकने के लिए ये कदम जरूरी हैं।

बिहटा में रास्ते के विवाद पर 2 पक्षों में मारपीट, 3 लोग घायल

लाठी-डंडे और पत्थर भी चले, वीडियो आया सामने

एजेंसी, पटना

पटना के बिहटा थानाक्षेत्र के बनवारीपुर गांव में रविवार को रास्ते के विवाद को लेकर दो पक्षों में जमकर मारपीट हुई। इस दौरान लाठी-डंडे और ईंट-पत्थर भी चले, जिसमें एक पक्ष के तीन लोग घायल हो गए। घटना की सूचना पर स्थानीय पुलिस और डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची और घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। जानकारी के अनुसार, बिहटा थानाक्षेत्र के बनवारीपुर गांव निवासी लक्ष्मण चौबे और बुद्धेश्वर सिंह के परिवारों के बीच घर के रास्ते को लेकर पिछले एक साल से विवाद चल रहा है। कुछ महीने पहले स्थानीय अंचलाधिकारी ने दोनों पक्षों की बात सुनने के बाद बताया था कि 14 डिसमिल जमीन आम रास्ता है और इसका उपयोग रास्ते के लिए किया जाएगा।

रविवार को जब लक्ष्मण चौबे अपने परिवार के साथ गाय का चारा लेकर उसी रास्ते से जा रहे थे, तभी बुद्धेश्वर सिंह के परिवार ने उन पर हमला कर दिया। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच लाठी-डंडे से मारपीट हुई। घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें मारपीट होते दिख रही है। इस घटना में लक्ष्मण चौबे, उनके पुत्र रंजन कुमार और उनकी पत्नी सुखवंती देवी घायल हुए हैं। घटना के बाद लक्ष्मण चौबे ने थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराते हुए कानूनी कार्रवाई की मांग की है। लक्ष्मण चौबे ने बताया कि अंचलाधिकारी बिहटा ने दस्तावेजों और साक्ष्यों के आधार पर यह स्पष्ट किया था कि 14 डिसमिल जमीन उनके पूर्वजों की थी और वह आम रास्ता है। इसके बावजूद, जब वे इस रास्ते का उपयोग करते हैं, तो बुद्धेश्वर सिंह और उनका परिवार मारपीट और गाली-गलौज करता है। चौबे ने आरोप लगाया कि बुद्धेश्वर सिंह इस जमीन पर कब्जा भी करना चाह रहे हैं, जिसके कारण आज भी यह मारपीट हुई।

भतीजी के स्कूल के लड़के ने चाचा का किया मर्डर

एजेंसी, पटना

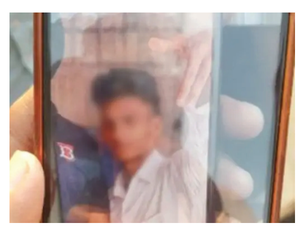

पटना में घर में घुसकर मो. नवाज आलम (30) की हत्या कर दी गई। इस घटना को अंजाम मृतक की भतीजी के स्कूल में पढ़ने वाला छात्र ने दिया है। आरोपी नाबालिग है जो समस्तीपुर जिले के दलसिंहसराय का रहने वाला है। पटना में पिता सिक्योरिटी गार्ड हैं। पुलिस की पूछताछ में आरोपी के पिता ने बताया कि मेरा बेटा फरार है। उससे संपर्क नहीं हो पाया है। उसने जो किया उसके बारे में मुझे कुछ नहीं पता है। दूसरी तरफ पटना पुलिस दलसिंहसराय तक नाबालिग को पकड़ने के लिए छापेमारी कर रही है। मृतक के भाई नोखेज ने बताया कि आरोपी लड़का मेरी बेटी से जबरन दोस्ती करना चाहता था। वो बेटी को मानसिक टॉर्चर कर रहा था। मैंने अपनी बेटी से पूछा तो उसने बताया कि मुझे डर था कि आप मेरी पढ़ाई न छुड़ा दें, इसलिए किसी को कुछ नहीं बताया। घटना पिरबहोर इलाके के लालबाग की है।

मेरे भाई की किसी से दुश्मनी नहीं थी: मृतक के बड़े भाई नोखेज आलम सेल्स टैक्स डिपार्टमेंट में काम करते हैं। उनका कहना है कि मेरा छोटे भाई (मृतक) का किसी से कोई मतलब नहीं था। हम एक ही बिल्डिंग में रहते हैं। बगल के प्लैट में घटना के समय सो रहे थे। मेरे कमरे का दरवाजा भी बंद था। सुबह साढ़े 6 बजे अचानक भाई की पत्नी चिल्लाई। हमलोग गए तो देखा स्थिति भयावह थी। मेरा भाई खून से लथपथ था। मेरा भाई रोज सुबह ड्यूटी जाता था और रात में 10 बजे आता था। हमलोगों की किसी से कोई दुश्मनी नहीं है।

पूर्व मंत्री आवास के बाहर मिली नाबालिग लड़की की लाश, हाथों पर लगी मेहंदी, गले पर निशान

एजेंसी, पटना

♦ डॉग स्क्वायड ने 1 किलोमीटर किया सर्च

पटना में नाबालिग लड़की की लाश मिली है। लाश को देखने से अंदाजा लगाया जा रहा कि उसकी उम्र करीब 16 से 17 साल के बीच होगी। जहां शव पड़ा था उसके बगल की चहारदीवारी पूर्व मंत्री जमा खान के आवास की है। पुलिस के अनुसार लड़की के गले पर इंज्यूरी के निशान हैं। पुलिस को आशंका है कि लड़की की हत्या के बाद लाश को फेंका गया है। लड़की कौन है अभी क्लियर नहीं है। सुबह स्थानीय लोग मॉर्निंग वॉक के लिए निकले थे, तब उनकी लाश पर नजर पड़ी थी। जिसके बाद पुलिस को सूचना दी। जांच के लिए डॉग स्क्वायड की टीम भी पहुंची। डॉग स्क्वायड की टीम में लिली (खोजी कुत्ता) था। जिसने 1 किमी तक सर्च किया और फिर घटनास्थल पर वापस आ गया। मामला शास्त्री नगर थाना क्षेत्र के ललित भवन के पीछे का है।

डॉग स्क्वायड ने दो बार सर्च किया: डॉग स्क्वायड की टीम जब मौके पर पहुंची तो खोजी कुता लिली ने सर्च अभियान शुरू किया। शुरुआत में लिली मेन रोड के आसपास भटकता रहा। सड़क किनारे उसने सर्च किया। इसी दौरान एक गली में खोजी कुत्ता चला गया। गली के दोनों ओर झाड़ियां थी। डॉग स्क्वायड की टीम को लगा कि इसी गली में कुछ न कुछ जरूर मिलेगा, पर कुत्ता जिस रास्ते से गली में गया था, उसी रास्ते से घटनास्थल के पास पहुंच गया। टीम ने दो बार सर्च किया।

कचरे के बीच लाश: जहां लड़की की डेड बॉडी पड़ी थी, वहां कचरा पड़ा हुआ था। वहां पर बहुत सारे सूखे फूल पड़े थे और गिफ्ट के रैपर भी पड़े हैं। नाबालिग लड़की का आधा चेहरा फूलों के नीचे दबा है। नाबालिग के कपड़े देखकर लग रहा कि वो किसी अच्छे घर से है। कपड़े पर कुछ दाग भी दिख रहे हैं। ऐसा लग रहा है कि उसे घसीटा गया है और फिर फेंक दिया गया हो।

हत्या कर शव फेंकने की आशंका: मौके पर पुलिस ने छाबीन की है। जिस जगह पर युवती की बॉडी मिली थी, उसे घेर दिया गया है। वहां पर किसी को भी जाने की इजाजत नहीं है। जब पुलिस छानबीन कर रही थी तब स्थानीय लोगों के बीच यही चर्चा हो रही थी कि लाश को किसने फेंका, लड़की कौन है? गली में रहने वाले युवक पंकज ने बताया कि, 'सुबह यहां पर भीड़ लगी थी तो मैं भी देखने आया। भीड़ के पास जाकर देखा तो एक लड़की की लाश पड़ी हुई थी।

शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा: पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए IGIMS लेकर गई है। हालांकि, मौत के सही कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही हो सकेगा। पास में लगे सीसीटीवी फुटेज से पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि लड़की किस दिशा से आई थी। पुलिस मृतका की पहचान करने की कोशिश में जुटी है। आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है।

मेट्रो टनल के 20 मीटर दायरे में निर्माण-बोरिंग पर रोक

एजेंसी, पटना

❐ पटना मेट्रो ऑफिस से लेना होगा एनओसी, टनल की सुरक्षा को लेकर आदेश जारी

पटना मेट्रो के अंडरग्राउंड टनल के निर्माण में तेजी लाई गई है। कॉरिडोर-2 में राजेंद्र नगर से पटना जंक्शन तक टनल निर्माण हो रहा है। इसके चलते मेट्रो के दोनों तरफ 20-20 मीटर के दायरे में मकान निर्माण, मकान के जीर्णोद्धार और बोरिंग कराने पर रोक लगा दी गई है। अब कोई भी काम कराने से पहले मेट्रो ऑफिस से अनापत्ति प्रमाणपत्र (NOC) लेना जरूरी होगा। पटना मेट्रो रेल कॉरपोरेशन ने इसकी मॉनिटरिंग शुरू कर दी है। स्पष्ट किया गया है कि टनल को नुकसान से बचाने के लिए यह रोक लगाई गई है।

कंपन से टनल के ठीक ऊपर या सटे मकानों को नुकसान होगा: राजेंद्र नगर, मोइनुल हक स्टेडियम और सैदपुर जैसे घनी आबादी वाले इलाकों में टनल जमीन से महज 16 से 25 मीटर की गहराई पर है। पटना में सामान्यतः पानी के लिए 350 फीट या उससे अधिक गहराई तक बोरिंग की जाती है। इतनी गहराई टनल के स्ट्रक्चर को सीधे तौर पर क्षतिग्रस्त कर सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार, मेट्रो परिचालन के दौरान होने वाले कंपन से टनल के ठीक ऊपर या सटे निर्माणों को नुकसान पहुंच सकता है।

मेट्रो इंजीनियरों की जांच के बाद ही मिलेगी NOC: यदि कोई अपने पुराने मकान का जीर्णोद्धार या नया निर्माण करना चाहता है तो उसे मेट्रो इंजीनियरों की जांच के बाद ही NOC दी जाएगी। इसके लिए नगर निगम को भी सूचित कर दिया गया है। राज्य या केंद्र सरकार के भवनों के निर्माण संबंधी निर्णय मुख्य सचिव की अध्यक्षता वाली उच्चस्तरीय कमेटी लेगी।

रेलवे से NOC मिलने के बाद टनल निर्माण हुआ शुरू: मोइनुल हक स्टेडियम से राजेंद्र नगर टर्मिनल के बीच लगभग 800 मीटर तक टनल निर्माण के लिए खुदाई शुरू हो गई है। रेलवे से अनुमति मिलने के बाद दिसंबर 2025 से रुका हुआ निर्माण का काम गति पकड़ा है। दरअसल, मोइनुल हक स्टेडियम से राजेंद्र नगर टर्मिनल होते हुए मलाही पकड़ी मेट्रो स्टेशन के पहले तक लगभग 1800 मीटर लंबी टनल तैयार की जानी है। इस हिस्से में खुदाई के लिए पटना मेट्रो ने दो टनल बोरिंग मशीन (TBM) को लगाया था और काम तेजी से चल रहा था, लेकिन रेलवे से मंजूरी नहीं मिलने के कारण इसे रोकना पड़ा। राजेंद्र नगर टर्मिनल के पहले रेलवे लाइन के समीप टनल बनाने के लिए रेलवे की अनुमति आवश्यक थी। अब तीन महीने बाद मार्च से फिर काम को शुरू किया गया। राजेंद्र नगर मेट्रो स्टेशन पटना मेट्रो रेल का सबसे गहरा मेट्रो स्टेशन है। यहां 21 मीटर नीचे से मेट्रो रेल गुजरेगी। इसका कारण राजेंद्र नगर रेलवे स्टेशन से गुजरने वाला रेलवे ट्रैक है। यह एक विशेष मेट्रो स्टेशन होगा, क्योंकि यह रेलवे टर्मिनल से जुड़ा होगा। इस मेट्रो स्टेशन से लोग आसानी से राजेंद्र नगर रेलवे टर्मिनल से ट्रेन भी पकड़ सकेंगे।

पटना में नहाने गए दो बच्चे गंगा नदी में डूबे, एक को सुरक्षित निकाला

8वीं के छात्र की मौत, स्थानीय लोगों ने दूसरे को सुरक्षित निकाला

एजेंसी, पटना

पटना में मंगलवार सुबह गंगा स्नान के दौरान एक दर्दनाक हादसा हो गया। बेली रोड के रहने वाले दो नाबालिग स्कूली बच्चे बिना घरवालों को बताए जनार्दन घाट पहुंच गए, जहां नहाने के दौरान दोनों डूबने लगे। घाट पर मौजूद लोगों ने बच्चों को डूबता देख तुरंत बचाव शुरू किया और डायल 112 की टीम को सूचना दी। स्थानीय लोगों की मदद से एक बच्चे को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जबकि दूसरा गहरे पानी में डूब गया।

2 घंटे बाद मिला दूसरे बच्चे का शव: सूचना मिलने पर गोताखोरों और एसडीआरएफ की टीम ने सर्च ऑपरेशन शुरू किया। करीब 2 घंटे की मशक्कत के बाद डूबे छात्र का शव बरामद कर लिया गया। मृतक की पहचान 8वीं कक्षा के छात्र हर्ष के रूप में हुई है।

छुट्टी के दिन पहुंचे थे घाट: मृतक के दोस्त एमी ने बताया कि दोनों सुबह करीब 9:30 बजे घर से बिना बताए गंगा नहाने आए थे। 'आज छुट्टी थी, इसलिए हम लोग यहां आ गए। नहाने के दौरान हम दोनों डूबने लगे। हर्ष गहरे पानी में चला गया'। उसने बताया। एमी 9वीं कक्षा का छात्र है, जबकि मृतक हर्ष के पिता ड्राइवर बताए जा रहे हैं।

नीट छात्रा मौत-रेप केस, सीबीआई की धीमी जांच पर फटकार

एजेंसी, पटना

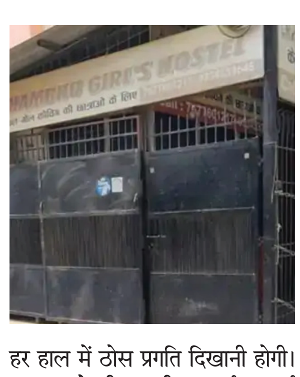

पटना की NEET छात्रा से रेप और मौत मामले के 5 महीने हो चुके हैं, लेकिन न तो पुलिस और ना ही CBI किसी नतीजे पर पहुंच पाई है। अब मामले में विशेष पॉक्सो कोर्ट ने CBI की धीमी कार्यप्रणाली पर कड़ी नाराजगी जताई है। कोर्ट ने साफ कहा कि बच्चों से जुड़े अपराधों में जांच में देरी किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही पीड़िता के परिवार को 2.5 लाख रुपए का अंतरिम मुआवजा देने का आदेश दिया गया है।

सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पाया कि CBI को केस ट्रांसफर हुए 110 दिन से ज्यादा हो चुके हैं, लेकिन अब तक जांच में कोई ठोस प्रगति नहीं हुई। अदालत ने इसे बेहद गंभीर माना और एजेंसी की कार्यशैली पर सवाल उठाए। अदालत ने कहा कि जांच एजेंसी की स्वतंत्रता का मतलब मनमानी नहीं है। "जांच चल रही है" जैसे सामान्य जवाब अब स्वीकार नहीं किए जाएंगे। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि हर हाल में ठोस प्रगति दिखानी होगी। इस मामले की अगली सुनवाई 15 मई 2026 को तय की गई है, जहां कोर्ट जांच की प्रगति की समीक्षा करेगा। 'ऐसा लगता है कि CBI ने आदेश के बावजूद जानबूझकर चार्जशीट फाइल नहीं की। 10 अप्रैल को समय सीमा के अंदर जांच पूरी करने या स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया गया था, जिसका पालन नहीं हुआ। यह कोर्ट के आदेश का खुला उल्लंघन है।' कोर्ट ने यह टिप्पणी NEET छात्रा मामले में करते हुए आरोपी मनीष रंजन को जमानत दे दी थी।

सड़क पर कचरा फेंकने पर एआई से कटेगा चालान

एजेंसी, पटना

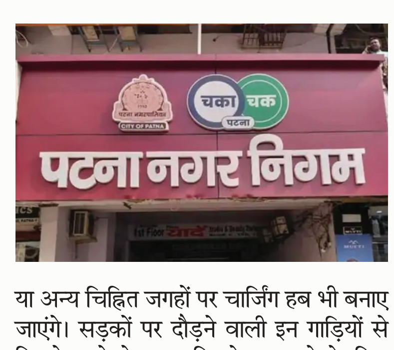

❐ पटना स्मार्ट सिटी खरीदेगी 19 गाड़ियां, 110 डिग्री वाइड एंगल पर कैमरा करेगा रिकॉर्ड

पटना में खुले में कचरा फेंकना अब लोगों को महंगा पड़ सकता है, क्योंकि ट्रैफिक की तरह अब कचरे को लेकर भी चालान काटने की तैयारी में है। पटना स्मार्ट सिटी लिमिटेड एक हाइटेक सिविक सर्विसेज सर्विलांस एंड मॉनिटरिंग प्रोजेक्ट शुरू कर रहा है। इसके तहत 19 इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर गाड़ियां खरीदी जाएगी, जो AI कैमरों से लैस होंगे। ये पटना नगर निगम के सभी 75 वार्डों में घूमेगी। इन गाड़ियों पर हाइ रेजोल्यूशन वाले 4K डैशकैम लगे होंगे, जो 110 डिग्री के वाइड एंगल पर रिकॉर्डिंग करेंगे। इन वाहनों का नाम नगर नेत्र रखा गया है।

ICCC में गाड़ियों का चार्जिंग हब बनेगा: इसके अलावा ये गाड़ियां सड़कों पर कचरा, खुले मैनहोल, खराब स्ट्रीट लाइट और अवैध कब्जों की पहचान कर तुरंत कंट्रोल रूम को अलर्ट भेजेंगी। कैमरों में जीपीएस लगा होगा, जिससे किसी भी समस्या की सटीक लोकेशन का पता चल सकेगा। ये गाड़ियां रोस्टर के आधार पर हर वार्ड की सभी सड़कों की स्क्रीनिंग करेंगी। इन इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर गाड़ियों को चार्ज करने के लिए आइसीसीसी (ICCC) या अन्य चिह्नित जगहों पर चार्जिंग हब भी बनाए जाएंगे। सड़कों पर दौड़ने वाली इन गाड़ियों से मिलने वाले डेटा का विश्लेषण करने के लिए ICCC भवन में एक 'सेंट्रल सिविक सर्विसेज ऑपरेशंससेंटर' (C-SOC) बनाया जाएगा। यहां लगे स्मार्ट AI इंजन कचरे के ढेर, सड़क के गड्ढों, अवैध होर्डिंग्स और लावारिस पशुओं की पहचान करेगा। अगर कहीं एक मीटर से बड़ा कचरे का ढेर या 10 इंच से बड़ा गड्ढा मिलता है तो सिस्टम खुद उसका स्क्रीनशॉट लेकर रिपोर्ट तैयार कर देगा। यह सिस्टम इतना एडवांस होगा कि अवैध विज्ञापन मिलने पर संभावित चालान की राशि की गणना भी कर सकेगा। इससे नगर निगम के अधिकारियों को रियल टाइम डैशबोर्ड में समस्याओं के बारे में पता चलेगा। पटना स्मार्ट सिटी के मुताबिक, इस पूरे प्रोजेक्ट पर 8.95 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसका मुख्य उद्देश्य तकनीक के जरिए नागरिक सुविधाओं को बेहतर करना है। हालांकि, प्रोजेक्ट के संचालन के लिए एक प्रोजेक्ट डायरेक्टर, 2 सिटी कोऑर्डिनेटर और 19 ड्राइवरों सहित कुल 27 लोगों की टीम तैनात रहेगी। इस प्रोजेक्ट को नवंबर 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। वहीं, एजेंसी को अगले 36 महीनों तक एजेंसी द्वारा संचालन और रखरखाव की जिम्मेदारी दी जाएगी। डैशकैम से डेटा ट्रांसफर के लिए 5G सिम और वाई-फाई तकनीक का उपयोग होगा। इसके सफल होने के बाद दूसरे फेज में इसे ट्रैफिक पुलिस की गाड़ियों और नगर निगम के कचरा वाहनों से भी जोड़ने की योजना है। भविष्य में यह सिस्टम सड़क के किनारों के टूटे डिवाइडर, धुंधली पड़ चुकी रोड मार्किंग और टूटे हुए पेवर ब्लॉक की भी पहचान करेगा, ताकि नागरिक सुविधा में कोई कमी न आए।

संक्षिप्त समाचार

छात्रा को लगा करंट, छत पर गेंद लेने गई 13 साल की अंजलि, अस्पताल ले जाते वक्त तोड़ा दम

हाजीपुर। वैशाली जिले के बिदुपुर थाना क्षेत्र के मुस्तफापुर गांव में रविवार दोपहर करंट लगने से 13 वर्षीय अंजलि कुमारी की मौत हो गई। वह छत पर गिरी गेंद निकालने गई थी, तभी बिजली के तार की चपेट में आ गई। यह घटना दोपहर करीब 1 बजे हुई। अंजलि अपने घर के बाहर बच्चों के साथ खेल रही थी, तभी उनकी गेंद छत पर चली गई। गेंद लेने के लिए अंजलि छत पर गई और इसी दौरान वह करंट की चपेट में आ गई। अंजलि की चीख सुनकर उसकी मां रीना देवी तुरंत छत पर पहुंचीं। उन्होंने अंजलि को बचाने का प्रयास किया, लेकिन इस दौरान उन्हें भी करंट का झटका लगा। हालांकि, रीना देवी को गंभीर चोट नहीं आई और वह सुरक्षित बच गईं। घटना के बाद अंजलि को तत्काल बिदुपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। वहां से उसे बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया, लेकिन सदर अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही अंजलि ने दम तोड़ दिया। मृतका अंजलि कुमारी जीतू महतो की पुत्री थी। वह गोपालपुर मिडिल स्कूल में कक्षा 6 की छात्रा थी और अपने दो भाई तथा दो बहनों में सबसे बड़ी थी।

पोखर में डूबने से बच्चे की मौत, 11 वर्षीय अनमोल दोस्तों के साथ खेलते हुए गहरे पानी में गया

हाजीपुर। वैशाली के लालगंज थाना क्षेत्र के मथुरापुर गंज में एक 11 वर्षीय बच्चे की पोखर में डूबने से मौत हो गई। अनमोल कुमार नामक यह बच्चा अपने दोस्तों के साथ खेलते हुए पोखर के पास पहुंचा था और अचानक उसमें स्नान करने उतर गया। जानकारी के अनुसार, स्नान के दौरान अनमोल गहरे पानी में चला गया और डूब गया। उसके साथ खेल रहे एक बच्चे ने तुरंत गांव वालों को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही ग्रामीण और परिजन घटनास्थल पर पहुंचे। काफी खोजबीन के बाद अनमोल के शव को पोखर से बाहर निकाला गया। मृतक अनमोल कुमार, अरुण कुमार का बेटा था। परिजनों ने बताया कि अनमोल के तीन भाई और एक बहन हैं। घटना की सूचना मिलते ही लालगंज थाने के पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है।

प्रेम-प्रसंग में विधवा की गला रेतकर हत्या, वैशाली में 4 साल पहले पति की मौत, पड़ोसी से चल रहा था अफेयर

हाजीपुर। हाजीपुर नगर थाना क्षेत्र में प्रेम प्रसंग के चलते विधवा महिला की गला रेतकर हत्या कर दी गई। शुक्रवार की रात आरोपी ने महिला को अपने साथ चलने को कहा। लेकिन जब उसके साथ जाने से मना किया तो वो नाराज हो गया। वो जबरदस्ती उसे घर से बाहर ले गया और करीब 500 मीटर दूर चाकू से महिला के गला और पेट पर वार कर फरार हो गया। परिजन ने घायल महिला को सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। यह घटना मगरहट्टा पोखर के पास देर शाम हुई। मृतका की पहचान हेला बाजार निवासी स्वर्गीय सकलदीप पासवान की पत्नी हेमंती देवी(32) के रूप में हुई है। उसके पति की चार साल पहले मौत हो गई थी। मृतका के चार बच्चे हैं, 2 बेटा और 2 बेटी। पति के मौत के बाद महिला आसपास के घरों में बर्तन धोकर अपना परिवार को चलाती थी। दरअसल, पति के मौत के बाद हेमंती का इंदल पासवान से संपर्क हुआ। कुछ दिन बाद ही पूरे गांव में दोनों के प्रेम-प्रसंग की बात फैल गई। हालांकि गांव के लोग इस संबंध का विरोध करते थे। उनका कहना था कि सारे बच्चे अब बड़े हो गए है। तुम यह सब छोड़ दो, बच्चो पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा। लेकिन महिला ने गांव समाज की बात को नकार दिया था। इस संबंध में मृतका के पड़ोसी रामबाबू पासवान ने बताया कि इंदल पासवान ने महिला के पेट और गले पर चाकू से वार कर हत्या की है। इंदल को मना करते थे, उसके बावजूद वो लोग नहीं माने। प्रेम-प्रसंग का विरोध करने पर इंदल पासवान कई बार मारपीट भी किया था। हेमंती की बेटी बड़ी हो गई थी। वो जब भी मां को मना करती थी, तो वो नहीं बात करने की बात कहकर उसे डांट देती थी। रामबाबू पासवान ने बताया कि देर शाम इंदल पासवान हेमंती को घर से बुलाने आया था। महिला नहीं जा रही थी फिर भी वो महिला को घर से जबरन बुलाकर ले गया। इसके बाद चाकू मारकर उसकी हत्या कर दी। घटना की सूचना मिलते ही वैशाली पुलिस अधीक्षक विक्रम सिहाग, एसडीपीओ सदर-1 सुबोध कुमार और नगर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल को सुरक्षित कर साक्ष्य जुटाना शुरू किया। एफएसएल टीम को भी बुलाया गया और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा गया। एसपी विक्रम सिहाग ने बताया कि इस वारदात को अंजाम देने वाले अभियुक्त की पहचान उसी मोहल्ले के इंदल पासवान के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, मृतका और अभियुक्त को घटना से पहले अक्सर साथ आते-जाते देखा गया था। प्रथम दृष्टया यह मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा प्रतीत होता है। पुलिस आरोपी इंदल पासवान की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है। एसपी ने यह भी जानकारी दी कि क्षेत्र में विधि-व्यवस्था की स्थिति सामान्य है, हालांकि घटना के बाद इलाके में कुछ तनाव का माहौल है। पुलिस मामले की गहनता से जांच के लिए आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है।

लीची के बगीचे में युवक का शव मिला, मां ने छेड़खानी विवाद में हत्या का आरोप लगाया

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में एक युवक का शव लीची के पेड़ से लटका मिला है। परिजनों ने मर्डर के बाद शव पेड़ से लटकाने की आशंका जताई है। मृतक की पहचान किशन कुमार(30) के तौर पर हुई है। शनिवार शाम से लापता था। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। घटनास्थल से मोबाइल और चप्पल मिला है। जांच के लिए FSL कीटीम को भी बुलाया गया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। घटना अहियापुर थाना क्षेत्र के कोल्हुआ पैगम्बरपुर स्थित लक्ष्मी नगर की है। मृतक की मां अनिता देवी ने छेड़खानी के विवाद में हत्या का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि मेरे बेटे की हत्या हुई है। पहले उसके साथ मारपीट की गई, फिर शव को पेड़ से लटका दिया है। वहीं, भाई कहना है कि नशे की बात को लेकर घर में किशन को डांट पड़ी थी। पुलिस जांच से ही कुछ स्पष्ट हो सकेगा। टाउन डीएसपी विनीता सिंह ने बताया कि घटनास्थल के निरीक्षण और शुरुआती साक्ष्यों के आधार पर प्रथम दृष्टया यह मामला आत्महत्या का लग रहा है। हालांकि परिजनों ने मारपीट और हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस सभी बिंदुओं पर गहनता से छानबीन कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा।

फूस के घर में लगी आग, जिंदा जलने से एक शख्स की मौत, 3 गाड़ियों ने पाया काबू, मां ने पिता पर लगाए गंभीर आरोप

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर जिले के सरैया अनुमंडल क्षेत्र में घर में लगी आग से जिंदा जलने से एक शख्स की मौत हो गई। परिवार के लोग गहरी नींद में सो रहे थे। अचानक फूस के घर में आग लग गई। देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया। आग इतनी तेजी से फैली कि राकेश राय(45) को बाहर निकलने का मौका तक नहीं मिला। मौके पर जान चली गई। मृतक की मां ने पिता पर ही घर में आग लगाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि परिवार में संपत्ति का विवाद चल रहा था, इसी विवाद में आग लगाई गई है। सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंची। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। हालांकि तब तक पूरा घर जलकर खाक हो चुका था। इस दर्दनाक हादसे के बाद चीख-पुकार मच गई। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना जैतपुर थाना क्षेत्र के खैरा गांव(वार्ड संख्या-10) की है। पीड़ित परिवार ने इस घटना को संदिग्ध बताते हुए साजिश के तहत आग लगाए जाने की आशंका जताई है। अग्निशमन विभाग के पदाधिकारी ने बताया कि फूसनुमा घर में आग लगने से एक व्यक्ति की मौत हुई है। कारणों की जांच की जा रही है। संबंधित अधिकारियों को जानकारी दी गई है। जैतपुर थानाध्यक्ष ने बताया कि देर रात आग लगने से एक व्यक्ति की मौत की सूचना मिली थी। पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच कर रही है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि ये हादसा था या किसी साजिश का हिस्सा। जांच रिपोर्ट के बाद ही पूरे मामले का खुलासा हो सकेगा।

उमस भरी गर्मी के चलते बढ़ा बीमारियों का प्रकोप

» डॉक्टरों के पास मरीजों की उमड़ रही भीड़
» वायरल फीवर एवं पेट की बीमारियों का ज्यादा फैलाव

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। जिले में मौसम का मिजाज बदलने और बूंदाबादी के बाद कई दिनों से उमस भरी गर्मी का भारी प्रकोप बना हुआ है। उमस भरी गर्मी ने लोगों को पूरी तरह से बेहाल कर रखा है। उमस भरी गर्मी से राहत पाने के लिए लोग कूलर का उपयोग भी करने को मजबूर हैं। वर्तमान में ऐसे हालात बने हुए हैं कि यदि थोड़ी सी भी लापरवाही हुई तो सर्द गरम की चपेट में लोग आसानी से आ जाते हैं। इसी के चलते काफी संख्या में लोग वायरल फीवर की चपेट में आकर डॉक्टरों के पास इलाज कराने के लिए पहुंच रहे हैं। वर्तमान में सबसे ज्यादा वायरल फीवर एवं पेट की बीमारियों से पीड़ित होकर लोग उपचार कराने के लिए डॉक्टरों के पास पहुंच रहे हैं। चर्चा के दौरान कुछ डॉक्टरों ने बताया कि वर्तमान में इस तरह का मौसम बना हुआ है कि थोड़ी सी लापरवाही भी लोगों को भारी पड़ सकती है। सर्दी एवं गर्मी का असर भी बना हुआ है। जिसके चलते लोग वायरल फीवर की चपेट में आ रहे हैं। खान-पान को लेकर भी इन दिनों काफी सावधान रहने की जरूरत है। बासी एवं प्रदूषित खाद्य सामग्री का उपयोग करना काफी भारी पड़ सकता है। वर्तमान में बने वातावरण के चलते लोगों को कम मात्रा में भोजन करना चाहिए तथा ताजा भोजन ही उपयोग में लेना चाहिए। बचा हुआ भोजन कुछ घंटे के अंदर ही प्रदूषित हो जाता है और उसका उपयोग करने में फूड प्वाइजनिंग की समस्या बढ़ जाती है। इस तरह की सावधानी बरतने की अपील स्वास्थ्य विभाग की ओर से लगातार लोगों से की जा रही है कि वर्तमान में प्रदूषित एवं बासी भोजन का उपयोग कतई न करें। देखा यह जा रहा है कि पेट की बीमारियों से संबंधित जो भी मरीज आ रहे हैं उनमें फूड प्वाइजनिंग के लक्षण ज्यादा पाए जा रहे हैं। फूड प्वाइजनिंग के चलते उल्टी दस्त के मरीजों की संख्या भी सीधी जिले में बढ़ रही है। इस तरह के मरीज शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र से समान रूप से आ रहे हैं। पेट संबंधित तकलीफ होने पर लोगों को जल्द से जल्द अच्छे चिकित्सक के पास जाकर उपचार सुनिश्चित कराना चाहिए। यदि उपचार में ज्यादा बिलम्ब हुआ तो यह जानलेवा भी सावित हो सकता है। इसी वजह से मरीजों को तकलीफ होने पर तत्काल उपचार कराए। उधर मौसमी बीमारियों का कहर बरपने के बाद भी ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित उप स्वास्थ्य केन्द्रों का संचालन मनमानी तौर पर किया जा रहा है। उप स्वास्थ्य केन्द्रों का प्रभार ऐसे कर्मचारियों को मिला हुआ है जो कि स्थानीय निवासी हैं। इस वजह से यह कर्मचारी समय पर न तो उप स्वास्थ्य केन्द्र को खोलते हैं और न ही मरीजों को प्राथमिक उपचार सुविधा उपलब्ध कराते हैं। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों का हाल भी ज्यादा अच्छा नहीं है। सीधी जिले में कई ऐसे प्राथमिक केन्द्र संचालित हो रहे हैं जिनमें डॉक्टर नहीं मिलते। यह अवश्य है कि ग्रामीण मरीजों को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में प्राथमिक उपचार सुविधाएं मुहैया हो रही हैं, इसी वजह से इन दिनों सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में मरीजों की भीड़ बनी हुई है। इसके अलावा जिला अस्पताल सीधी में भी मौसमी बीमारियों की चपेट में आने वाले मरीजों की भीड़ करीब एक पखवाड़े से बनी हुई है।

झोलाछाप डॉक्टरों की कट रही चांदी

मौसमी बीमारियों का प्रकोप बरपने से झोलाछाप डॉक्टरों की चांदी सबसे ज्यादा कट रही है। झोलाछाप डॉक्टरों के यहां मरीजों की भीड़ सुबह से लेकर देर शाम तक उमड़ रही है। यह अवश्य है कि अधिकांश झोलाछाप डॉक्टर मरीजों का उपचार करने के साथ ही उनसे ज्यादा से ज्यादा वसूली कर रहे हैं। उनके द्वारा वायरल फीवर से पीड़ित मरीजों की जांच के नाम पर ही हजारों रूपए ऐंठे जा रहे हैं। इसके अलावा वाटल एवं इंजेक्शन लगाने पर भी उनका बिल एक हजार रूपए से ज्यादा का बन जाता है। कुल मिलाकर वर्तमान में मरीजों की संख्या काफी ज्यादा बढने से झोलाछाप डॉक्टरों की दुकान मरीजों की भीड़ से पूरी तरह से गुलजार है। झोलाछाप डॉक्टरों द्वारा मरीजो को अपने यहां भर्ती करने की व्यवस्था भी बनाई गई है जिससे कुछ घंटे भर्ती करके इंजेक्शन एवं वाटल लगाने के बाद लम्बा चौड़ा बिल वसूला जा सके। झोलाछाप डॉक्टरों के गलत उपचार के चलते कुछ मरीजों की हालत सुधरने के वजाय और भी ज्यादा बिगड़ जाती है। जिसके बाद वह अपना उपचार कराने के लिए अन्य स्थानों में भटकने के लिए मजबूर हो जाते हैं।

संक्षिप्त समाचार

डॉ. रमाकांत निगम को 'राष्ट्रीय स्वामी विवेकानंद पर्सनेलिटी ऑफ द ईयर अवॉर्ड' से नवाजा गया

लोकतंत्र कि शान हसन रशीद जिला व्योरोचीफकटनी जबलपुर मध्य प्रदेश : मध्यप्रदेशः शहर के गौरव और देश के ख्यातिलब्ध वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. रमाकांत निगम को उनके उत्कृष्ट साहित्यिक और सांस्कृतिक योगदान के लिए प्रतिष्ठित "राष्ट्रीय स्वामी विवेकानंद पर्सनेलिटी ऑफ द ईयर अवॉर्ड" से सम्मानित किया गया है।यह सम्मान उत्तराखंड स्थित इंडिपेंडेंस इंडिया हॉनर फाउंडेशन द्वारा प्रदान किया गया, जिसमें डॉ. निगम को सम्मान पत्र, ट्रॉफी और मेडल भेंट कर उनकी बहुमुखी प्रतिभा का अभिनंदन किया गया। संस्था ने पिछले पांच दशकों से साहित्य, कला और संस्कृति के क्षेत्र में उनके निरंतर योगदान को सराहते हुए यह सम्मान प्रदान किया।डॉ. रमाकांत निगम न केवल एक वरिष्ठ साहित्यकार हैं, बल्कि वे कवि, लेखक, पत्रकार, शिक्षाविद, न्यायविद और समाजसेवी के रूप में भी अपनी विशिष्ट पहचान रखते हैं। उनकी लेखनी, वक्तृत्व कला और मंच संचालन ने उन्हें राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विशेष पहचान दिलाई है।इस सम्मान के उपलक्ष्य में नगर सहित प्रदेश और देशभर के साहित्यकारों, पत्रकारों, सामाजिक संगठनों और विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोगों ने उन्हें शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।डॉ. रमाकांत निगम का यह सम्मान न केवल उनके व्यक्तिगत योगदान का प्रतीक है, बल्कि कटनी जिले के लिए भी गर्व का विषय बन गया

पानीपत:फायर ब्रिगेड कर्मियों की हड़ताल पर होमगार्ड जवानों ने संभाला मोर्चा,रोड़वेज चालक कर रहे सहयोग

लोकतंत्र की शान : पानीपत। फरीदाबाद में आग बुझाते हुए फायर ब्रिगेड के दो कर्मचारियों की मौत के बाद पूरे प्रदेश के फायर ब्रिगेड कर्मचारी आठ अप्रैल से हड़ताल पर हैं। इसके पानीपत में हुई आगजनी की घटनाओं पर हड़ताल का कोई असर नहीं पड़ा। पानीपत के फायर ऑफिसर अमित गोस्वामी ने बताया कि औद्योगिक नगरी होते हुए फायर ब्रिगेड ने पानीपत पर इस हड़ताल का कोई असर नहीं पड़ने दिया, क्योंकि पानीपत में जो कर्मचारी हड़ताल पर बैठे है, वो पालिका रोल अथवा एच,के,आर,एन,एल के माध्यम वाले कर्मचारी है। जिनकी संख्या मात्र 99 है। हड़ताल को देखते हुए फायर ब्रिगेड ने आगजनी की घटनाओं को देखते हुए होमगार्ड के 100 कर्मचारी व हरियाणा रोडवेज के 17 ड्राइवरों की तैनाती कर दी है जबकि फायर ब्रिगेड 27 कर्मचारी पहले से ही मुस्तैद है। फसल को आगजनी से बचाने के लिए तहसील इसराना में एक गाड़ी, बापौली में एक गाड़ी, मतलौड़ा में एक गाड़ी 24 घंटे तैनात कर रखी है। किसी भी आगजनी से निपटने के लिए चार फायर स्टेशन स्थापित है जिनमें हाली पार्क, लाल बत्ती, सेक्टर 25 व समालखा है जिनमें 22 गाड़ियां मौजूद है। फायर ऑफिसर ने बताया कि पानीपत औद्योगिक क्षेत्र होने के कारण यहां आगजनी की घटनाएं अधिक होती है। पिछले वर्ष पानीपत में 961 आगजनी की घटनाएं हुई जिनमें बिजली से लगी आग 20, खाली प्लॉट में 25, फैक्ट्रियों में227, घरों में 27, वाहनों में 50, दुकानों में28, अपशिष्ट सामग्री 204, अमोनिया गैस रिसाव एक , कृषि 267, गोबर के ढेर में40, कार्यालय एक,अस्पताल में एक, झोपड़ी में 2, सिलेंडर फटने से 9, पेड़ जलने 9, मुर्गी पालन फार्म 9, टावर 2, ऑटो एजेंसी 1, बैंक 1, विवाह स्थल 1, फर्नीचर 1, गौशाला 1, एवं अन्य कार्य की 40 सहित कुल 961 आगजनी की घटनाएं हुई। जिनमें एक अनुमान के मुताबिक करीब दो अरब रूपये का नुकसान हुआ है। चालू वर्ष में एक मार्च से 15 मार्च तक 26 आगजनी की घटनाएं हुई जिनमें 16 मार्च से 31 मार्च तक 36 आगजनी की घटनाएं हुई व एक अप्रैल से लेकर 15 अप्रैल तक 77 आगजनी की घटनाएं हुई है। इन घटनाओं पर समय रहते काबू पा लिया गया।

फरीदाबाद में सीवर सफाई करते दम घुटने से दो कर्मियों की मौत

लोकतंत्र की शान : फरीदाबाद। शहर के सेक्टर-84 में सीवर की सफाई के दौरान दम घुटने से दो सफाई कर्मियों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान खेड़ी कला गांव निवासी राजेंद्र और सुनील के रूप में हुई है। दोनों की उम्र करीब 45 से 50 वर्ष के बीच बताई जा रही है। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया है। जानकारी के अनुसार, यह हादसा पुरी प्राणायाम सोसाइटी के सामने उस समय हुआ जब शनिवार शाम दोनों सफाई कर्मी मैनहोल में उतरकर सीवर की सफाई कर रहे थे। काफी देर तक बाहर नहीं आने पर भी किसी को इसकी भनक नहीं लगी। दोनों के देर रात तक घर नहीं पहुंचने पर परिजनों को चिंता हुई और उन्होंने दोनों की तलाश शुरू की। रविवार सुबह जब परिवार के लोग मौके पर पहुंचे तो मैनहोल के पास उनकी साइकिल और मोटरसाइकिल खड़ी मिली। यह देखकर परिजनों को अनहोनी की आशंका हुई। जब परिजनों ने मैनहोल के अंदर झांककर देखा तो दोनों कर्मी अंदर बेसुध पड़े दिखाई दिए। इसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। बीपीटीपी थाना इंचार्ज अरविंद ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को सीवर से बाहर निकलवाया, लेकिन जांच में उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि सीवर के अंदर जहरीली गैस के कारण दम घुटने से दोनों की मौत हुई है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है।

सिरसा: तीन नशा तस्कर गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान : सिरसा। पुलिस ने जिले क्षेत्र से तीन नशा तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से हेरोइन बरामद की है। पुलिस के अनुसार पकड़े गए आरोपियों की पहचान सिरसा निवासी अर्जुन, शेर सिंह व मदन लाल के रूप में हुई है। सीआईए सिरसा प्रभारी सुखजीत सिंह ने रविवार को बताया कि पुलिस टीम गश्त के दौरान चाड़ीवाल से होते हुए गांव दड़बा कलां की तरफ जा रही थी। इस दौरान पुलिस टीम जब नहर पुल गांव दड़बा कलां के नजदीकी पंहुची तो नहर पुल पर दो युवक बैठे थे जो कि पुलिस को देखकर बाइक पर सवार होकर वहां से भागने की कोशिश करने लगे। पुलिस ने शक के आधार पर बाइक सवार दोनों युवकों को काबू कर तलाशी ली तो उनके कब्जे से सात ग्राम हेरोइन बरामद हुई। सीआईए ऐलनाबाद पुलिस टीम ने ऐलनाबाद क्षेत्र से बाइक सवार मदन लाल को हेरोइन सहित दबोचा है। सीआईए ऐलनाबाद प्रभारी ने पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि हुडा सेक्टर में एक युवक नशा बेचने की फिराक में है। पुलिस ने सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए हुडा सेक्टर से बाइक सवार एक युवक को काबू कर लिया। आरोपी युवक के कब्जे से छह ग्राम हेरोइन बरामद हुई। आरोपियों के खिलाफ संबंधित पुलिस थानों में मामला दर्ज किया गया है। इसके अलावा पुलिस टीमों ने जिले के अलग-अलग स्थानों से पांच शराब तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से करीब 450 बोतल अवैध शराब बरामद की है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान सन्नी कुमार, मोनू, मिंटू भीम व बिकर सिंह के रूप में हुई है।

सीधी की बेटी ने बैंगलोर में लहराया परचम एसएसएलसी परीक्षा में 95 प्रतिशत अंक किया हासिल

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। जिले के ग्राम चिलरी कला की होनहार बेटी कुमारी आकृति शुक्ला ने कर्नाटक स्टेट बोर्ड की एसएसएलसी परीक्षा 2026 में 593/620 अंक 95 प्रतिशत अर्जित कर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। बैंगलोर के नंदिनी लेआउट स्थित ज्ञानवाहिनी पब्लिक स्कूल की कक्षा 10वीं की छात्रा आकृति ने अपनी कड़ी मेहनत, लगन और अनुशासन के दम पर यह मुकाम हासिल करते हुए सीधी जिले सहित पूरे प्रदेश का नाम गौरवान्वित किया है। आकृति ग्राम चिलरी कला निवासी बब्बा मधुसूदन प्रसाद शुक्ला की पोती हैं। उनके पिता अनिल शुक्ला एवं माता श्रीमती विभा शुक्ला ने बेटी की सफलता पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि आकृति शुरू से ही पढ़ाई में अव्वल रही है और उसने हमेशा बेहतर करने का लक्ष्य रखा। वहीं चाचा गजेन्द्र शुक्ला उर्फ राजू शुक्ला ने भी खुशी जताते हुए कहा कि यह उपलब्धि पूरे परिवार और गांव के लिए गर्व का क्षण है। आकृति की इस सफलता से गांव चिलरी कला में जश्न का माहौल है। ग्रामीणों और शुभचिंतकों ने मिठाई बांटकर खुशी जाहिर की और बेटी की इस कामयाबी को पूरे क्षेत्र के लिए प्रेरणादायक बताया। ग्रामीणों ने कहा बेटियां अब हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं और नए कीर्तिमान स्थापित कर रही हैं। आकृति की इस सफलता ने यह साबित कर दिया है कि छोटे गांवों से निकलकर भी बड़े सपने साकार किए जा सकते हैं। सभी क्षेत्रवासियों ने आकृति शुक्ला के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उम्मीद जताई है कि वह आगे भी इसी तरह सफलता की नई ऊंचाइयों को छूती रहेंगी और देश का नाम रोशन करेंगी।

7 वर्ष से लापता बालिका हुई दस्तयाब पुलिस ने परिजनों से कराया गया पुनर्मिलन

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। जिला सीधी पुलिस को ऑपरेशन मुस्कान के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है, जिसमें वर्ष 2019 से लापता एक बालिका को सकुशल दस्तयाब कर परिजनों के सुपुर्द किया गया है। पुलिस अधीक्षक सीधी संतोष कोरी के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद श्रीवास्तव एवं उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय अमन मिश्रा के मार्गदर्शन में थाना कोतवाली पुलिस द्वारा इस दीर्घकालीन प्रकरण में लगातार प्रयास किए जा रहे थे। पुलिस के अनुसार दिनांक 23 सितंबर 2019 को थाना कोतवाली में फरियादी द्वारा अपनी नाबालिग पुत्री के घर से लापता होने संबंधी रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। इस पर धारा 363 भादवि के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई। विवेचना के दौरान विभिन्न माध्यमों से लगातार तलाश की गई, कन्तिु लंबे समय तक कोई ठोस सुराग प्राप्त नहीं हो सका। इसी क्रम में उप निरीक्षक विवेक द्विवेदी द्वारा तकनीकी विश्लेषण एवं मुखबिर सूचना के आधार पर बालिका के जिला ललितपुर उत्तर प्रदेश में होने की जानकारी प्राप्त की गई। पुलिस टीम द्वारा तत्काल कार्रवाई करते हुए वहां पहुंचकर बालिका को सकुशल दस्तयाब कर जिला सीधी लाया गया। पूछताछ के दौरान बालिका द्वारा बताया गया कि वह माता-पिता की डांट से नाराज होकर घर छोडक़र चली गई थी तथा ललितपुर उप्र में रहकर मजदूरी कर अपना जीवन यापन कर रही थी। बालिका को वैधानिक कार्यवाही उपरांत उसके परिजनों के सुपुर्द किया गया। इस संपूर्ण कार्रवाई में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक अभिषेक उपाध्याय, उप निरीक्षक विवेक द्विवेदी, प्रधान आरक्षक रण बहादुर सिंह एवं महिला प्रधान आरक्षक ममता पाठक का सराहनीय योगदान रहा।

अवैध उत्खनन व परिवहन पर हुई कार्रवाई, 3 वाहन जब्त

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। कलेक्टर तथा पुलिस अधीक्षक के निर्देशन एवं जिला खनिज अधिकारी कपिलमुनि शुक्ला के मार्गदर्शन में जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में खनिज-पुलिस संयुक्त दल द्वारा गोपदबनास एवं बहरी तहसील अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों में 2 एवं 3 मई 2026 को दिन और रात्रि में सघन जांच अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान रेत के अवैध उत्खनन एवं परिवहन में संलिप्त तीन वाहनों को जब्त किया गया। ग्राम पिपरोहर, तहसील गोपदबनास से एक बिना नंबर डंपर (चेसिस क्रमांक एमएटी505243जे8डी09120) को रेत के अवैध परिवहन में संलिप्त पाए जाने पर जब्त कर थाना कोतवाली सीधी की अभिरक्षा में सौंपा गया। वहीं ग्राम डोल, तहसील बहरी स्थित गोपद नदी घाट पर अवैध उत्खनन करते हुए एक बिना नंबर स्वराज ट्रैक्टर (चेसिस क्रमांक डब्ल्यूव्हीटीके35625095858) पकड़ा गया। कार्रवाई के दौरान चालक वाहन छोडक़र फरार हो गया। वाहन को जब्त कर थाना बहरी में सुरक्षित खड़ा कराया गया। इसी क्षेत्र में एक अन्य डंपर (क्रमांक यूपी 64 टी 2380) को जांच के लिए रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन चालक रेत खाली कर वाहन छोडक़र भाग गया। उक्त वाहन को भी जब्त कर थाना बहरी की अभिरक्षा में रखा गया है। संबंधित वाहन चालकों एवं स्वामियों के विरुद्ध म.प्र. खनिज (अवैध उत्खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम 2022 के तहत प्रकरण दर्ज कर कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। साथ ही बिना नंबर वाहनों के उपयोग पर मोटर वाहन अधिनियम के तहत कार्रवाई हेतु जिला परिवहन अधिकारी को भी पत्र भेजा जाएगा। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध खनन किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। खनिज विभाग द्वारा लगातार निगरानी रखी जा रही है और जहां भी अवैध गतिविधियां पाई जाएंगी, वहां कठोर दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

स्वच्छता व अतिक्रमण हटाओ अभियानः 6 व्यापारियों पर जुर्माना, फुटपाथ कराए गए मुक्त

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। नगर में स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ करने और अतिक्रमण पर नियंत्रण के उद्देश्य से शनिवार 2 मई 2026 को डिप्टी कलेक्टर एवं प्रभारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी सुश्री प्रिया पाठक के नेतृत्व में नगर पालिका की सफाई एवं अतिक्रमण टीम द्वारा संयुक्त विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान गोल मार्केट क्षेत्र में दुकानदारों को अपने प्रतिष्ठानों के सामने अनिवार्य रूप से डस्टबिन रखने के निर्देश दिए गए। साथ ही उन्हें समझाइश दी गई कि कचरा केवल नगर पालिका की निर्धारित कचरा गाड़ी में ही डालें, ताकि क्षेत्र में स्वच्छता बनी रहे। इसी क्रम में कलेक्ट्रेट चौक से अस्पताल चौराहा तक सडक़ किनारे बने फुटपाथों को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। फुटपाथ पर रखे गए ठेले एवं अन्य अवरोध हटवाए गए, जिससे राहगीरों को सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके। कार्रवाई के दौरान नियमों का उल्लंघन करने वाले दुकानदारों के विरुद्ध सख्त रुख अपनाते हुए कुल 6 व्यापारियों पर 1200 रुपए का जुर्माना भी लगाया गया। व्यापारियों को स्वच्छता एवं अतिक्रमण संबंधी नियमों का पालन करने के निर्देश दिए गए। नगर पालिका ने नागरिकों एवं व्यापारियों से अपील की है कि वे शहर को स्वच्छ, सुंदर एवं व्यवस्थित बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करें और अतिक्रमण से बचें।

तालाब में डूबने से दो नाबालिकों की मौत

मझौली थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम नेबूहा की घटना

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। मझौली थाना क्षेत्र के ग्राम नेबूहा में उसे समय मातम छा गया जब घर से भैंस चराने निकले साहू परिवार के दो नाबालिकों की तालाब में डूभ जाने की खबर गांव में फैल गई। गांव का भरखाइन तालाब बच्चों को निगल गया। मिली जानकारी के अनुसार साहू परिवार के दो बच्चे शैलेंद्र पिता अनिल साहू उम्र 13 वर्ष, सिद्धांत उर्फ भूपेंद्र साहू पिता सूर्यबली साहू निवासी ग्राम नेबूहा थाना मझौली जिला सीधी रोजाना की तरह भैंस चराने 3 मई की सुबह घर से निकले थे शरीर में ऊपर के कपड़े न होने से अनुमान लगाया जा रहा है कि नहाने के लिए तालाब में घूस होंगे। जहां गहरे पानी में डूब जाने से मृत्यु हो गई। जैसे ही इसकी खबर लोगों को लगी क्षेत्र में मातम सा छा गया। मृतकों के घर चीख पुकार से गूंज उठा। जिसकी सूचना पुलिस थाना मझौली को दी गई मझौली पुलिस पंचनामा तैयार कर शव को पीएम उपरांत परिजनों को सौंप मर्ग कायम कर जांच विवेचना में जुटी हुई है।

जिले में समर्थन मूल्य पर अब तक 13 हजार 612 कृषकों से 47 हजार मीट्रिक टन से अधिक गेहूँ उपार्जित

लोकतंत्र की शान हसन रसीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

कटनीः रबी विपणन वर्ष 2026-27 में जिले में 15 अप्रैल से समर्थन मूल्य पर शुरू हुये गेहूँ उपार्जन में रविवार 3 मई तक कुल 13 हजार 612 कृषकों से अब तक 47 हजार 75 मीट्रिक टन गेहूँ का उपार्जन किया जा चुका है। जिले में अब तक 40 हजार 742 कृषकों द्वारा स्लॉट बुकिंग की जा चुकी है और 15 हजार 288 मीट्रिक टन उपार्जन के स्वीकृति पत्रक जारी किये जा चुके हैं।

गेहूँ उपार्जन में ढीमरखेड़ा अग्रणी–जिले में अब तक समर्थन मूल्य पर हुए गेहूँ उपार्जन के मामले में तहसील ढीमरखेड़ा अग्रणी है। यहां अब तक की स्थिति में कुल 3647 किसानों से 10 हजार 947 मीट्रिक टन गेहूँ का उपार्जन किया जा चुका है। जबकि दूसरे नंबर पर तहसील विजयराघवगढ़ में 2053 किसानों से 7 हजार 838 मीट्रिक टन गेहूँ समर्थन मूल्य पर उपार्जित किया जा चुका है। इसी प्रकार बहोरीबंद तहसील में अब तक 1821 किसानों से 6 हजार 988 मीट्रिक टन गेहूँ उपार्जित किया गया है। जबकि स्लीमनाबाद तहसील में अब तक की स्थिति में 1327 किसानों से 5 हजार 138 मीट्रिक टन गेहूँ उपार्जित किया जा चुका है। बड़वारा तहसील में 1637 कृषकों से 5 हजार 133 मीट्रिक टन और रीठी तहसील में 1036 किसानों से 3 हजार 650 मीट्रिक टन गेहूँ का उपार्जन किया जा चुका है।

संक्षिप्त समाचार

रेसलर विनेश फोगाट बोलीं-बृजभूषण के शोषण की मैं भी विक्टिम, गोंडा में कुश्ती लड़ना मुश्किल होगा

पानीपत। ओलिंपियन रेसलर विनेश फोगाट ने भारतीय कुश्ती संघ (WFI) के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह पर एक बार फिर गंभीर आरोप लगाए हैं। सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर करके विनेश ने कहा, यूपी के गोंडा में 10 से 12 मई के बीच सीनियर ओपन रैंकिंग कुश्ती टूर्नामेंट हो रहा है। आज कुछ मजबूरियों के चलते मैं कहना चाहती हूं कि बृजभूषण शरण के खिलाफ कंप्लेंट करने वाले उन 6 विक्टिम में मैं भी शामिल हूं। मेरी गवाही भी कोर्ट में चल रही है। मेरा उसके घर (गोंडा) में जाकर कॉम्पिटीशन लड़ना मुश्किल होगा। मुझे नहीं लगता कि मैं अपना 100% दे पाऊंगी। एक लड़की के लिए ये काफी मुश्किल होगा। मैं और मेरी टीम कॉम्पिटीशन लड़ेगी, अगर किसी के साथ कुछ गलत होता है तो इसकी जिम्मेदारी भारत सरकार की होगी। बता दें कि करीब 3 साल पहले विनेश ने बृजभूषण पर महिला खिलाड़ियों के यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था। इसे लेकर दिल्ली के जंतर-मंतर पर महिला पहलवानों ने बृजभूषण के खिलाफ धरना भी दिया था। विनेश हरियाणा के जुलाना से कांग्रेस विधायक हैं। बृजभूषण भाजपा के पूर्व सांसद हैं। वर्तमान में उनका एक बेटा यूपी से सांसद और एक विधायक है। विनेश ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट करते हुए कहा- आप सब को नमस्कार। जैसा की सभी को पता है कि पिछले डेढ़ साल से मैं रेस्लिंग मैट से काफी दूर थी। लेकिन अब कुछ महीनों से मैं रेसलिंग की तैयारियां कर रह रही हूं। बड़ी मेहनत और ईमानदारी से मेहनत कर रही हूं। जैसे मैंने पहले देश के लिए मेडल जीते, परमात्मा के आशीर्वाद से, आप सबके सहयोग से फिर से रेसलिंग मैट पर जाऊं और देश के लिए ढेर सारे मेडल जीतूं और देश के तिरंगे का मान बनाए रखूं।

किरतपुर-मनाली फोरलेन पर पर्यटकों का हुड़दंग, चलती कार से बाहर निकलकर बीयर पीते दिखे युवक

मंडी । किरतपुर-मनाली फोरलेन पर एक बार फिर पर्यटकों की लापरवाही का मामला सामने आया है। बैहना और चक्कर क्षेत्र के बीच का एक वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इसमें हरियाणा नंबर (HR 26F Y9792) की एक कार में सवार दो युवक चलती गाड़ी की खिड़की से बाहर निकलकर बीयर पीते नजर आ रहे हैं। यह घटना 2 मई की है। वायरल वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि तेज रफ्तार कार में बैठे युवक आधे शरीर को खिड़की से बाहर निकालकर स्टंट करते हुए शराब का सेवन कर रहे हैं। यह न केवल यातायात नियमों का खुलेआम उल्लंघन है, बल्कि इसमें शामिल युवकों की जान को भी गंभीर खतरा हो सकता था। 20 सेकंड के इस वीडियो में युवक बीयर पीकर उसे खुले में फेंकते भी दिख रहे हैं, जिससे सड़क पर अन्य वाहन चालकों की सुरक्षा भी प्रभावित हो सकती थी। बताया जा रहा है कि यह वीडियो पीछे चल रही एक अन्य गाड़ी में सवार लोगों ने अपने मोबाइल फोन में रिकॉर्ड किया, जिसके बाद इसे सोशल मीडिया पर साझा कर दिया गया। वीडियो सामने आने के बाद स्थानीय लोगों में रोष देखने को मिल रहा है। लोगों का कहना है कि बाहरी राज्यों से आने वाले कुछ पर्यटक हिमाचल के शांत वातावरण को खराब करने में लगे हैं, जिससे प्रदेश की छवि भी प्रभावित होती है। स्थानीय प्रशासन और पुलिस से मांग की जा रही है कि ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं पर रोक लगाई जा सके। एसपी मंडी विनोद कुमार ने कहा कि मामला उनके संज्ञान में आया है और उचित कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि नियमों का उल्लंघन करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

असम विस चुनाव : 126 विस क्षेत्रों की 40 मतदान केंद्रों पर होगी मतगणना

गुवाहाटी। मतगणना के लिए चुनाव आयोग पूरी तरह से तैयार है। असम के 40 मतगणना केंद्रों में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच सोमवार की सुबह 8 बजे से मतगणना प्रक्रिया शुरू होगी। कल तय होगा 126 विधानसभा क्षेत्रों के 722 उम्मीदवारों का भाग्य। उल्लेखनीय है कि, हाल ही में 09 अप्रैल को एक ही चरण में राज्य में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान हुआ था। इस बार राज्य में रिकॉर्ड संख्या के 85.5 प्रतिशत मतदान हुआ। यह राज्य के लिए रिकॉर्ड मतदान था। इस बार सत्ताधारी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 90 सीटें, असम गण परिषद (अगप) ने 26 सीटें, बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) ने 11 सीटें, कांग्रेस ने 99 सीटें, असम जातीय परिषद (अजाप) ने 10 सीटें, राइजर दल ने 13 सीटें, झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) ने 19 सीटें, यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी लिबरल (यूपीपीएल) ने 17 सीटें, सीपीआई ने 5 सीटें, नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) ने 2 सीटें, अखिल भारतीय संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (एआईयूडीएफ) ने 27 सीटें, तृणमूल कांग्रेस ने 23 सीटें, आम आदमी पार्टी (आआपा) ने 20 सीटें, सीपीआई (एम) ने 2 सीटें, सीपीआई (एमएल) ने 2 सीटें, ऑल पार्टी हिल लीडर्स कॉन्फ्रेंस (एपीएचएलसी) दल ने 2 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे हैं। साथ ही 259 उम्मीदवारों ने निर्दलीय के रूप में प्रतिस्पर्धा किया है। मतगणना का राजनेताओं के साथ ही राज्य जनता भी बड़ी बेसब्री के साथ इंतजार कर रही हैं। सत्ता पक्ष एवं विपक्ष दोनों अपनी जीत का दावा कर रहे हैं। जीत किसकी होगी, मतों की गिनती के बाद साफ हो जाएगा।

नब्बे मीट्रिक टन एलपीजी के गबन के मामले में ठाकुर पेट्रोकेमिकल्स का प्लांट मैनेजर गिरफ्तार

रायपुर/महासमुंद। छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में एलपीजी गैस के बड़े गबन के मामले में पुलिस ने 40 सदस्यीय टीम बनाकर इस 1.5 करोड़ के गबन का पर्दाफाश कर दिया है। इस मामले में ठाकुर पेट्रोकेमिकल्स के प्लांट मैनेजर निखिल वैष्णव (41) को 2 मई 2026 को पुलिस ने गिरफ्तार कर मामले का खुलासा किया है। महासमुंद पुलिस की आज दी गई जानकारी के अनुसार कंपनी के मालिक संतोष सिंह ठाकुर और डायरेक्टर सार्थक (साकिन) ठाकुर अभी भी फरार हैं, जिनकी तलाश में छापेमारी की जा रही है। पुलिस ने कंपनी के कार्यालय से डीवीआर, कंप्यूटर और कई कच्चे दस्तावेज भी जब्त किए हैं, जिनसे अवैध बिक्री के सबूत मिले हैं। पुलिस ने बताया है कि दिसंबर 2025 में सरायपाली प्रशासन ने अवैध रिफिलिंग के आरोप में 6 एलपीजी कैप्सूल टैंकरों को जब्त कर सिंघोड़ा थाने में रखा था। थाने में ज्वलनशील गैस के खतरे को देखते हुए, कलेक्टर के निर्देश पर इन ट्रकों को 30 मार्च 2026 को सुरक्षित रखने के लिए अभनपुर स्थित 'ठाकुर पेट्रोकेमिकल कंपनी' को सौंपा गया था। जब टैंकर मालिक उच्च न्यायालय से जमानत लेकर 17 अप्रैल को अपने वाहन वापस लेने पहुंचा, तो सभी टैंकर खाली मिले। जांच में पता चला कि कंपनी के मालिक और मैनेजर ने मिलकर सुनियोजित तरीके से 31 मार्च से 6 अप्रैल के बीच गैस को धीरे-धीरे खाली किया और उसे अवैध रूप से घरेलू व कमर्शियल सिलेंडरों में भरकर बाजार में बेच दिया। आरोपितों बताया कि गैस का रिसाव हो गया था। आरोपितों ने मात्र 5 दिनों (31 मार्च से 5 अप्रैल) के भीतर सभी 6 कैप्सूल ट्रकों से करीब 90 मीट्रिक टन गैस निकाल ली थी। इस गैस को कंपनी के अपने 'बुलेट' (बड़े स्टोरेज टैंक) में ट्रांसफर किया और वहां से घरेलू व कमर्शियल सिलेंडरों में भरकर ऊंचे दामों पर बाजार में बेच दिया गया, जिसकी कीमत लगभग 1.5 करोड़ रुपये बताई जा रही है। जांच में सामने आया कि यह पूरा मामला आपराधिक न्यास भंग का है। जांच में पाया गया कि कंपनी के मालिक, डायरेक्टर और प्लांट मैनेजर ने मिलकर साजिश रची और 31 मार्च से 6 अप्रैल 2026 के बीच सभी कैप्सूल से गैस को अवैध रूप से खाली कराया। मामले की गंभीरता को देखते हुए महासमुंद पुलिस ने 40 सदस्यीय टीम गठित कर चार दिनों के भीतर जांच पूरी की और पूरे घटनाक्रम का खुलासा किया। जांच के दौरान दस्तावेजों और लेन-देन के आधार पर गड़बड़ी की पुष्टि हुई।गिरफ्तार आरोपित से पूछताछ की जा रही है।

ईरान बोला- होर्मुज को अमेरिकी सेना की कब्रगाह बना देंगे

अमेरिकी जहाजों का वही अंजाम होगा जो उसके एफ-15 फाइटर जेट का हुआ था

एजेंसी, तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी

ईरान के सीनियर अधिकारी मोहसिन रजाई ने अमेरिका को चेतावनी देते हुए कहा कि होर्मुज स्ट्रेट को अमेरिकी सेना की कब्रगाह बना दिया जाएगा। मोहसिन रजाई पहले ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड (IRGC) में कमांडर रह चुके हैं। उन्होंने अमेरिकी सेना को समुद्री लुटेरा (पाइरेट) बताते हुए कहा कि अमेरिका दुनिया का इकलौता ऐसा पाइरेट है जिसके पास एयरक्राफ्ट कैरियर हैं। रजाई ने पिछले महीने इस्फहान में एक अमेरिकी F-15E विमान गिराए जाने का जिक्र करते हुए कहा कि जैसे उस विमान का मलबा पड़ा था, वैसे ही अमेरिकी जहाजों और सैनिकों का भी अंजाम हो सकता है।

वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने चेतावनी दी है कि ईरान ने कोई गलती की, तो उस पर फिर से हमले हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका फिलहाल मजबूत स्थिति में है, जबकि तेहरान दबाव में है और समझौता करना चाहता है। इसके अलावा ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर बताया कि पाकिस्तान की मध्यस्थता में ईरान की ओर से 14-पॉइंट का प्रस्ताव मिला है, जिसके डिटेल ड्राफ्ट का इंतजार है। इस नए प्रस्ताव का हम रीव्यू भी कर रहे है।

ईरान के 14-पॉइंट प्रस्ताव में कई मुद्दे शामिलः ईरानी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह 14-पॉइंट का प्रस्ताव अमेरिका के 9-पॉइंट प्लान के जवाब में भेजा गया है। इसमें 30 दिनों के भीतर सभी मुद्दों के समाधान, भविष्य में हमलों के खिलाफ गारंटी, क्षेत्र से अमेरिकी सैनिकों की वापसी, फ्रीज किए गए ईरानी एसेट्स को रिलीज करने, प्रतिबंध हटाने और युद्ध के मुआवजे की मांग शामिल है। इसके अलावा प्रस्ताव में होर्मुज स्ट्रेट को लेकर नया मैकेनिज्म बनाने, अमेरिकी नेवल नाकेबंदी खत्म करने और क्षेत्रीय संघर्षों को समाप्त करने की बात भी कही गई है। रिपोर्ट्स के अनुसार, समझौते के बाद परमाणु कार्यक्रम पर अलग से बातचीत का प्रस्ताव भी रखा गया है।

सुपारी देकर पति की हत्या कराने की आरोपित महिला गोवा से गिरफ्तार

एजेंसी, काठमांडू

नेपाल के महोत्तरी जिला पुलिस ने 'शार्प शूटर' को सुपारी देकर अपने ही पति की हत्या कराने के आरोप में एक महिला और उसकी दो बहनों को सात साल बाद भारत से गिरफ्तार किया है। इनमें महोत्तरी के बर्दिवास नगरपालिका गौरीडाँडा निवासी 38 वर्षीय पूजा बस्नेत, उनकी बहनें 33 वर्षीय निशा बस्नेत और 36 वर्षीय आरती बस्नेत शामिल हैं।

महोत्तरी जिला पुलिस बर्दिबास के डीएसपी विकास बम के अनुसार, पुलिस जांच में खुलासा हुआ है कि पूजा ने सात वर्ष पहले अपनी पाँच बहनों और माँ की मदद से शार्प शूटर का इस्तेमाल कर अपने पति श्रवण थापा की हत्या कराई थी। हत्या के बाद आरोपित भारत में रह रहे थे। उन्हें भारत के गोवा से भारतीय सुरक्षाबलों की मदद से नेपाल के बाँके जिला तक लाया गया जहां नेपाल-भारत सीमा क्षेत्र से नेपाल पुलिस ने गिरफ्तार किया और शनिवार को महोत्तरी लाया गया। फिलहाल उन्हें जिला प्रहरी कार्यालय महोत्तरी की हिरासत में रखकर आगे की जांच की जा रही है।

नेपाल लाया गया

इस मामले में शामिल 12 आरोपितों में से चार को पुलिस ने घटना के समय ही गिरफ्तार कर लिया था। हालांकि, मृतक की सास लक्ष्मी बस्नेत, सालियाँ कोपिला बस्नेत, अनुसा बस्नेत, सोनी बस्नेत और कथित शूटर जाल मोहम्मद अब भी फरार हैं। घटना के अनुसार, २२ अगस्त २०१९ की रात बर्दिवास–सिन्धुली सड़क खंड स्थित स्मृति पार्क के पास श्रवण थापा अपने स्कूटर के साथ गंभीर रूप से घायल अवस्था में मिले थे। स्कूटर सुरक्षित थी लेकिन उनके सिर पर गहरी चोट थी। अस्पताल पहुँचाने पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया था। घटना की प्रकृति देखकर पुलिस को शुरू से ही संदेह था कि यह सड़क दुर्घटना नहीं बल्कि सुनियोजित हत्या हो सकती है।

चेन्नई में यात्री चलती फ्लाइट का इमरजेंसी गेट खोलकर कूदा

एजेंसी, चेन्नई

चेन्नई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर रविवार सुबह लैंडिंग के दौरान एयर अरेबिया की चलती फ्लाइट में एक यात्री इमरजेंसी गेट खोलकर नीचे कूद गया। यह फ्लाइट शारजाह से चेन्नई पहुंची थी और इसमें 231 यात्री सवार थे। घटना सुबह करीब 3:23 बजे हुई। एयरबस A320 मॉडल की फ्लाइट G9 471 रनवे से टर्मिनल की ओर बढ़ रही थी। घटना के बाद पायलट ने तुरंत विमान को रोक दिया और एयरपोर्ट अधिकारियों को सूचना दी।

घटना के बाद यात्री एयरपोर्ट के कमर्शियल एरिया की ओर भागने लगा, जिससे कुछ देर के लिए अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। हालांकि, सुरक्षा कर्मियों ने तुरंत उसे पकड़ लिया। कूदने के दौरान यात्री घायल हो गया था। उसे इलाज के लिए ले जाया गया। आरोपी की पहचान 29 साल के मोहम्मद शरीफ

◆ विमान रनवे से टर्मिनल की तरफ जा रहा था, पायलट ने तुरंत रोका, आरोपी गिरफ्तार

मोहम्मद नजमुद्दीन के रूप में हुई है। एक अधिकारी के मुताबिक, घटना के बाद मुख्य रनवे (07/25) को 3:25 बजे सुरक्षा कारणों से बंद कर दिया गया। रनवे ऑपरेशन करीब 4:35 बजे फिर से शुरू कर दिए गए। इस दौरान कई फ्लाइट्स में देरी हुई। लंदन से आने वाली ब्रिटिश एयरवेज की फ्लाइट BA0035 को बेंगलुरु डायवर्ट किया गया।

बलोचिस्तान में पाकिस्तानी सेना के वाहनों पर हमला, सैन्य अधिकारी और जवानों की मौत

एजेंसी, इस्लामाबाद

पाकिस्तान के बलोचिस्तान प्रांत के ग्वादर और पंजगुर जिलों में 02 मई को हुए दो अलग-अलग बम धमाकों में पाकिस्तान की सेना के वाहनों को निशाना बनाया गया। सबसे पहले ग्वादर के पसनी इलाके के शादिकुर में अज्ञात लोगों ने पाकिस्तानी सेना के एक वाहन पर बम से हमला किया। तेज विस्फोट में वाहन नष्ट हो गया और इस दौरान सैन्य जवान मारे गए। इसके कुछ देर बाद पंजगुर के चिदगी इलाके में इसी तरह के एक अन्य हमले में कई सैन्य अधिकारियों की मौत हो गई। सरकारी अधिकारियों ने अभी तक कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी है।

द बलोचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। इस मीडिया प्लेटफार्म की एक अन्य रिपोर्ट में

बताया गया है कि खुजदार जिले से अगवा किए गए एक व्यक्ति की सरकारी एजेंसियों ने रिहाई कर दी है और एक व्यक्ति को उठा लिया गया है। इस दौरान सरकारी एजेंसियों द्वारा लोगों को अगवा किए जाने के खिलाफ क्वेटा प्रेस क्लब के सामने जारी धरना रविवार को 6153वें दिन में प्रवेश कर गया।

उल्लेखनीय है कि बलोचिस्तान में बलोच राष्ट्रवादियों और पाकिस्तान की संघीय सरकार के बीच संघर्ष का सिलसिला दशकों पुराना है। संघर्ष की पृष्ठभूमि 15 अगस्त 1947 को शुरू होती है। कलात (बलोचिस्तान) ने खुद को अलग करने की घोषणा की थी लेकिन मार्च 1948 में पाकिस्तान ने इसे अपने कब्जे में ले लिया। तब से अब तक पांच अलग-अलग विद्रोह हो चुके हैं। वर्तमान सशस्त्र संघर्ष 2000 के दशक की शुरुआत से सबसे तीव्र रहा है। बलोचिस्तान प्राकृतिक गैस, तेल, सोने और तांबे जैसे संसाधनों से समृद्ध है।

बलोच राष्ट्रवादियों का आरोप है कि पाकिस्तान की सरकार इन संसाधनों का दोहन करती है, जबकि यह क्षेत्र देश का सबसे कम विकसित और गरीब प्रांत बना हुआ है। यहां बलोच लिबरेशन आर्मी और बलोच लिबरेशन फ्रंट जैसे सशस्त्र समूह 'आजाद बलूचिस्तान' के लिए पाकिस्तान की सेना पर लगातार हमले करते रहते हैं।

बलोचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने हाल ही में पाकिस्तान की सेना पर कई बड़े हमले किए हैं, जिसमें 10 दिनों के भीतर 40 से अधिक सैनिकों के मारे जाने का दावा किया गया है।

सुवेंदु अधिकारी बोले- काउंटिंग ड्यूटी की जानकारी लीक हो रही

एजेंसी, कोलकाता/नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल में सुवेंदु अधिकारी ने रविवार को कहा कि काउंटिंग ड्यूटी पर तैनात कई अधिकारी अपनी ड्यूटी, लोकेशन और पद की जानकारी अपने विभागीय संगठनों और एसोसिएशन को शेयर कर रहे हैं। उन्होंने इसे नियमों के खिलाफ बताया। सुवेंदु ने X पर पोस्ट कर वॉट्सएप मैसेज के स्क्रीनशॉट भी शेयर किए। उन्होंने कहा कि एक स्प्रेडशीट और लिस्ट सर्कुलेट हो रही हैं। इसमें अधिकारी अपनी इलेक्शन ड्यूटी की जानकारी और काउंटिंग में उनकी भूमिका भर रहे हैं।

कोलकाता के भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र में रिजल्ट से एक दिन पहले काउंटिंग सेंटर के बाहर हंगामा हुआ। TMC कार्यकर्ताओं का आरोप है कि BJP के झंडे वाली कार

को बिना जांच स्ट्रॉन्गरूम परिसर में एंट्री दी गई। इधर, चुनाव आयोग ने फालता विधानसभा क्षेत्र के सभी 285 पोलिंग स्टेशनों पर 21 मई को दोबारा मतदान कराने का आदेश दिया है। काउंटिंग 24 मई को होगी। ECI के अनुसार, 29 अप्रैल को यहां वोटिंग के दौरान चुनावी नियमों का उल्लंघन हुआ था।

बांकुरा में काउंटिंग से पहले तीन लेयर सुरक्षाः पश्चिम बंगाल के बांकुरा जिला मजिस्ट्रेट अनीश दासगुप्ता ने कहा कि यहां तीन लेयर में सुरक्षा लगाई गई है। पहला घेरा जिला पुलिस का है, दूसरा राज्य सशस्त्र पुलिस का और तीसरा अंदर का घेरा केंद्रीय बल का है। यहां दो एंट्री गेट हैं।

टीएमसी का आरोप- बीजेपी के झंडे वाली कार को बिना जांच काउंटिंग सेंटर में एंट्री मिली

कोलकाता में स्ट्रॉन्गरूम के बाहर BJP महिला कार्यकर्ता पहुंचीं: बंगाल चुनाव की मतगणना से पहले नेताजी इंडोर स्टेडियम स्थित स्ट्रॉन्गरूम के बाहर BJP की महिला कार्यकर्ता पहुंचीं। BJP नेता संगीता मुखर्जी ने कहा कि हम यहां EVM की सुरक्षा के लिए आए हैं। TMC में कई तरह की गड़बड़ियां हैं और हम चाहते हैं कि EVM सुरक्षित रहें। फोर्स अच्छी तरह तैनात है और चुनाव आयोग भी अच्छा काम कर रहा है, लेकिन हमें TMC पर भरोसा नहीं है।

पुणे में 4 साल की बच्ची से रेप-हत्या, 65 साल का आरोपी गिरफ्तार

एजेंसी, पुणे

महाराष्ट्र के पुणे में 1 मई को 4 साल की बच्ची से रेप के बाद पत्थर से कुचलकर उसकी हत्या कर दी गई। पुलिस ने रेप-हत्या के आरोप में 65 साल के बुजुर्ग को गिरफ्तार किया है। घटना के विरोध में सैकड़ों लोगों ने शनिवार को पुणे-बेंगलुरु हाईवे पर प्रदर्शन किया। इससे हाईवे जाम हो गया। प्रदर्शन के चलते हाईवे करीब चार घंटे तक ठप रहा और लंबा जाम लग गया।

महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि सरकार इस मामले की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में कराएगी और अपराधी के लिए फांसी की मांग करेगी। महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री और एनसीपी (एसपी) नेता अनिल देशमुख ने फास्ट ट्रैक कोर्ट में मामले की सुनवाई की मांग की थी।

पुलिस रिपोर्ट के मुताबिक, बच्ची पुणे के भोर तहसील में नानी के घर गर्मी की छुट्टियां बिताने आई

थी। आरोपी भीमराव कांबले 1 मई की दोपहर करीब दो बजे बच्ची को बहला-फुसलाकर अपने घर के पास बने तबेले में ले गया। वहां बच्ची से रेप करने के बाद उसकी हत्या कर दी। काफी देर तक बच्ची घर नहीं लौटी, तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। कुछ लोगों ने तबेले में भी बच्ची को तलाशा तो उसका शव बरामद हुआ। पुलिस ने आसपास के CCTV कैमरों की तलाश की तो एक फुटेज में आरोपी बच्ची को तबेले की ओर ले जाता हुआ नजर आया। इसके बाद पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया। फिलहाल उससे पूछताछ की जा रही है।

दिल्ली की आईएएस एकेडमी डायरेक्टर का अपहरण

भोपाल। भोपाल में बदमाशों ने IAS एकेडमी की डायरेक्टर को किडनैप कर लिया। उन्हें 4 घंटे तक बंधक बनाकर रखा। इस दौरान कनपटी पर देसी पिस्टल सटाकर करीब 1 करोड़ 89 लाख रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर करवा लिए। आरोपी विदेश भागने की तैयारी में था, लेकिन एम्स से पकड़ा गया।

जानकारी के मुताबिक, वारदात को अंजाम देने वाला कोई बाहरी नहीं, बल्कि उसी संस्थान की फ्रेंचाइजी चलाने वाला युवक है। आरोपी भेल के एक रिटायर्ड अधिकारी का बेटा है। वह पहले दिल्ली में रहकर आईएएस कोचिंग के जरिए UPSC की तैयारी कर चुका है। डायरेक्टर शुभ्रा रंजन के मुताबिक आरोपी ने भोपाल में कोचिंग की दूसरी ब्रांच खोलने और उस जगह का निरीक्षण कराने के बहाने उन्हें बुलाया। वह दिल्ली से भोपाल आई थीं। वह शहर के एक नामी होटल ताज में ठहरी थीं।

इंदौर-पीथमपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर मप्र की प्रगति का नया अध्याय

एजेंसी, भोपाल

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि विकास एक क्रमिक प्रक्रिया है। प्रदेश में अधिकाधिक औद्योगिक इकाइयों की स्थापना के जरिए उत्पादन गतिविधियों का विस्तार और निर्यात वृद्धि हमारा प्रमुख लक्ष्य है। हम उद्योग-धंधों को बढ़ावा देकर प्रदेश के औद्योगिक विकास लक्ष्यों की ओर तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। इंदौर-पीथमपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर प्रदेश की प्रगति का नया अध्याय है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को इंदौर जिले में ग्राम नैनोद में इन्दौर-उज्जैन मेट्रोपोलिटन एरिया की अत्यंत महत्वपूर्ण परियोजना के तहत 2360 करोड़ की लागत से विकसित होने वाले इंदौर-पीथमपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर के पहले चरण के कार्यों का भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह इकोनॉमिक कॉरिडोर यहां की नई संभावनाओं, नए सपनों और नए अवसरों का गेट-वे है। उन्होंने कहा कि यह कॉरिडोर सच्चे अर्थों में नये मध्य प्रदेश के निर्माण में मील का पत्थर साबित होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि मालवा के किसान हमेशा कमाल करते हैं। प्रदेश के विकास में विशेषकर मालवा क्षेत्र के किसानों का सहयोग और समर्पण अनुकरणीय है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह कॉरिडोर इंदौर-पीथमपुर औद्योगिक प्रक्षेत्र सहित पूरे मालवांचल के विकास को नई गति देगा। साथ ही इंदौर-उज्जैन मेट्रोपॉलिटन एरिया के समग्र विकास में भी अहम भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि इस कॉरिडोर के निर्माण से उद्योगों को बेहतर कनेक्टिविटी, लॉजिस्टिक्स और आधारभूत सुविधाएं मिलेंगी, जिससे उत्पादन लागत में कमी

आयेगी। देश का प्रमुख इंडस्ट्रियल हब बनेगा मध्य प्रदेशमुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस इकोनॉमिक कॉरिडोर के पहले चरण में सड़क, परिवहन और औद्योगिक ढांचे को मजबूत किया जाएगा। इस कॉरिडोर से रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। स्थानीय युवाओं को लाभ मिलेगा और अर्थव्यवस्था भी मजबूत होगी। यह कॉरिडोर राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय निवेश के लिए मध्यप्रदेश को एक आकर्षक गंतव्य बनाएगा तथा बेहतर कनेक्टिविटी के साथ आधुनिक अधोसंरचनाओं से लैस यह क्षेत्र जल्द ही देश के प्रमुख इंडस्ट्रियल हब के रूप में अपनी पहचान बनायेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लगभग 2360 करोड़ रुपये की लागत से विकसित हो रहा यह कॉरिडोर प्रोजेक्ट प्रदेश को निवेश, उद्योग और रोजगार के नए केंद्र के रूप में स्थापित करेगा। करीब 20 किलोमीटर लंबा यह कॉरिडोर इंदौर की व्यावसायिक क्षमता और पीथमपुर के औद्योगिक सामर्थ्य के बीच निर्बाध कनेक्टिविटी स्थापित करेगा। इससे लॉजिस्टिक्स की लागत घटेगी और मार्केट में तेजी आएगी। इस परियोजना से 5 लाख से अधिक प्रत्यक्ष और 1 लाख अप्रत्यक्ष, रोजगार सृजित होंगे। उन्होंने बताया कि इस इकोनॉमिक कॉरिडोर परियोजना में किसानों के हितों को केंद्र में रखते हुए 60 प्रतिशत विकसित भूमि वापस देने का ऐतिहासिक निर्णय लिया गया है। इससे अब वे विकास प्रक्रिया में भागीदार भी बन रहे हैं। विकास में किसानों की बड़ी भूमिकामुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज यदि हमारा मध्य प्रदेश उद्योगों के उजालों से रोशन हो रहा है, तो इसमें किसानों की बड़ी भूमिका है। उन्होंने अपनी पुश्तैनी जमीनें सरकार को दीं। हमने किसानों की बात सुनी। उनका समर्थन पाया और उन्हें इस कॉरिडोर के निर्माण में भागीदार भी बनाया।

मथुरा डैम त्रासदी से सीख नहीं-नतीज़ा बरगी डैम त्रासदी दुर्घटना नहीं, संभवततः आपराधिक लापरवाही का आईना -पर्यटन सुरक्षा तंत्र की विफ़लता और जवाबदेही की कसौटी- व्यापक समग्र विश्लेषण

लोकतंत्र की शान

» भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में, धार्मिक, प्राकृतिक और साहसिक पर्यटन तेजी से बढ़ी- सुरक्षा मानकों का अनुपालन केवल एक औपचारिकता नहीं बल्कि जीवन- मृत्यु का प्रश्न बना

» पर्यटन स्थलों पर सुरक्षा उपकरण, विशेषकर थर्डपार्टी से नियमित सुरक्षा ऑडिट,नियमित और औचक निरीक्षण भारतीय न्याय संहिता की धाराओं में पारदर्शी कार्यवाही,सहित पूर्ण जवाबदेही अस्त्र चलाना ज़रूरी -एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर पूरी दुनियाँ नज़रें भारतीय पर्यटक स्थल पर लग गई जब 30 अप्रैल 2026 की शाम बरगी डैम (नर्मदा के बैकवॉटर) में भीषण क्रूज हादसा, हुआ जिसमें प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार 13 लोगों की मृत्यु हुई,केवल एक आकस्मिक दुर्घटना नहीं बल्कि हमारे पर्यटन तंत्र में गहरे पैठे सुरक्षा-संस्कृति के अभाव और प्रशासनिक लापरवाही का कठोर उदाहरण बनकर सामने आया है। जब घटनास्थल से यह तथ्य उभरकर आता है कि कई पर्यटकों ने लाइफ जैकेट नहीं पहनी थी और यह भी कि उन्हें व्यवस्थित रूप से पहनने के लिए बाध्य नहीं किया गया तथा मौसम विभाग के अलर्ट को भी नजर नजरअंदाज कर दिया गया था तो यह सवाल स्वतः उठता है कि क्या यह केवल एक त्रुटि थी या नियमों की सुनियोजित अनदेखी? इस त्रासदी का दर्द तब और गहरा हो जाता है जब इसे हाल ही में मथुरा में हुए समान हादसे के संदर्भ में देखा जाए,जहाँ 26 लोगों की जान चली गई थी और वहाँ भी लाइफ जैकेट का अभाव या उपयोग न होना प्रमुख कारणों में शामिल था। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं क्रि इन दो घटनाओं के बीच का समयइतना कम है कि यह निष्कर्ष निकलना स्वाभाविक है,हमने सबक नहीं सीखा।यह स्थिति केवल किसी एक राज्य या एक प्रशासनिक इकाई की विफलता नहीं है; यह पूरे देश के पर्यटन प्रबंधन तंत्र में व्याप्त प्रणालीगत खामियों को उजागर करती है। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में, जहाँ धार्मिक, प्राकृतिक और साहसिक पर्यटन तेजी से बढ़ रहा है, वहाँ सुरक्षा मानकों का अनुपालन केवल एक औपचारिकता नहीं बल्कि जीवन-मृत्यु का प्रश्न बन जाता है। फिर भी, जमीनी हकीकत यह है कि कई पर्यटन स्थलों पर नियम पुस्तकों तक सीमित हैं और उनका पालन 'मुनाफे' के दबाव में दरकिनार कर दिया जाता है। बरगी डैम की घटना में भी यही परिलक्षित होता है—जहाँ पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के बजाय क्रूज संचालन जारी रखा गया,भले ही परिस्थितियाँ बिल्कुल भी अनुकूल न हों। साथियों बात अगर हम लाइफ जैकेट का अभाव या उनका उपयोग न कराया जाना इसको समझने की करें तो,इस पूरे प्रकरण का सबसे गंभीर और स्पष्ट लापरवाही का बिंदु है। अंतरराष्ट्रीय स्तरपर जल-पर्यटन में यह एक बुनियादी और अनिवार्य सुरक्षा उपाय माना जाता है।किसी भी नाव या क्रूज के पानी में उतरने से पहले यह सुनिश्चित करना ऑपरेटर की जिम्मेदारी होती है कि प्रत्येक यात्री सही ढंग से लाइफ जैकेट पहने। यह केवल एक उपकरण नहीं बल्कि संकट की घड़ी में जीवन और मृत्यु के बीच की अंतिम दीवार होती है। ऐसे में यदि यह पाया जाता है कि जैकेट उपलब्ध नहीं थीं, या उपलब्ध होने के बावजूद यात्रियों को पहनने के लिए बाध्य नहीं किया गया, तो यह सीधा-सीधा आपराधिक लापरवाही का सटीक मामला बनता है। साथियों दूसरा महत्वपूर्ण पहलू है मौसम की चेतावनियों की अनदेखी। यदि मौसम विभाग जैसे भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा पहले से तेज हवाओं या खराब मौसम की चेतावनी जारी की गई थी,और इसके बावजूद क्रूज संचालन जारी रहा,तो यह केवल जोखिम उठाने का मामला नहीं बल्कि जानबूझकर खतरे को आमंत्रित करने जैसा है। 40-50 किमी/घंटा की तेज हवाएँ किसी भी जलयान के लिए गंभीर चुनौती होती हैं, विशेषकर तब जब उसमें आम पर्यटक सवार हों। ऐसे में प्रशासन और ऑपरेटर दोनों की जिम्मेदारी बनती है कि वे गतिविधियों को तत्काल रोकें, न कि मुनाफे या दबाव के चलते उन्हें जारी रखें। साथियों ओवरलोडिंग और सुरक्षा मानकों का उल्लंघन भी ऐसे हादसों के प्रमुख कारणों में शामिल होते हैं। कई बार देखा गया है कि अधिक से अधिक यात्रियों को समायोजित करने के लिए नावों में उनकी निर्धारित क्षमता से ज्यादा लोगों को बैठाया जाता है। इससे न केवल संतुलन बिगड़ता है बल्कि आपातकालीन स्थिति में बचाव कार्य भी जटिल हो जाता है। यदि बरगी डैम हादसे में भी ऐसा कोई तत्व सामने आता है, तो यह और अधिक गंभीरता से जांच और कार्रवाई की मांग करता है। यहाँ यह भी ध्यान देने योग्य है कि सुरक्षा उपकरण जैसे लाइफ बोट,सिग्नलिंग डिवाइस,प्रशिक्षित स्टाफ का अभाव स्थिति को और घातक बना देता है। साथियों प्रशासनिक जवाबदेही इस पूरे विमर्श का केंद्र बिंदु है। पर्यटन विभाग और स्थानीय प्रशासन की यह प्राथमिक जिम्मेदारी होती है कि वे सभी ऑपरेटरों को लाइसेंस देने से पहले उनकी सुरक्षा तैयारियों की जांच करें और नियमित अंतराल पर निरीक्षण करें। यदि यह पाया जाता है कि नियमों का उल्लंघन लंबे समय से हो रहा था और इसके बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की गई, तो यह केवल चूक नहीं बल्कि 'सांठगांठ' या 'सिस्टमेटिक फेल्योर' की ओर संकेत करता है। ऐसे मामलों में केवल निचले स्तर केकर्मचारियों को दोषी ठहराना पर्याप्त नहीं होता; उच्च स्तर के अधिकारियों की भूमिका की भी गहन जांच आवश्यक होती है।

साथियों कानूनी दृष्टिकोण से देखें तो ऐसी घटनाओं में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) या पूर्ववर्ती आईपीसी की धाराएँ स्पष्ट रूप से लागू होती हैं। धारा 304ए (लापरवाही से मृत्यु) ऐसे मामलों में सामान्यतः लगाई जाती है, जहाँ किसी की असावधानी या लापरवाही के कारण किसी की जान चली जाती है। परंतु यदि यह सिद्ध हो जाए कि जोखिम के बारे में पूर्व जानकारी थी और फिर भी जानबूझकर उसे नजरअंदाज किया गया, तो धारा 304 (गैर-इरादतन हत्या) या यहाँ तक कि धारा 302 (हत्या) के तहत भी मामला बन सकता है। यह इस बात पर निर्भर करता है कि जांच में मेनस रिया,अपराध की मानसिक स्थिति कितनी गंभीर पाई जाती है। बरगी और मथुरा जैसी घटनाओं के संदर्भ में यह बहस प्रासंगिक है कि क्या केवल लापरवाही कहना पर्याप्त है, या इसे अधिक कठोर आपराधिक श्रेणी में रखा जाना चाहिए। साथियों दिनांक 26 अप्रैल 2026 को मैं खुद अपने पूरे परिवार सहित उत्तराखंड राज्य के एक पर्यटक स्थल ऋषिकेश के रामझूला व गंगा तट पर था,ऋषिकेश में राम झूला और नाव यात्रा के दौरान इस समस्या की व्यापकता को और स्पष्ट रूप से मैंने देखा क्रि राम झूला के बीच में दो बड़े सांड व दो गाय खड़ी थी मैंने गाइड से पूछा तो उन्होंने कहा साहब यह रोज की बात है इसपर मैंने कहा अगर यह दोनों सांड आपस में लड़े तो जान माल का काफी नुकसान होगा तो गाइड ने कहा साहब यहां सुनने वाला कोई नहीं है फिर जब नीचे मैं अपने परिवार सहित नाव से दूसरा किनारा पार करने के लिए प्रति व्यक्ति 40 रूपए की टिकट लेकर नाव पर बैठा तो वहां देखा कि किसी ने लाइफ सेफ़ जैकेट नहीं पहना था मगर मेरे आग्रह करने पर फिर सभी ने लाइफ सेव जैकेट पहने जब एक पर्यटक को स्वयं दूसरों को लाइफ जैकेट पहनने के लिए प्रेरित करना पड़े, और नाव संचालक या कप्तान इस बुनियादी जिम्मेदारी को नजरअंदाज कर दे, तो यह केवल एक स्थान की समस्या नहीं बल्कि पूरे तंत्र में व्याप्त सुरक्षा के प्रति उदासीनता का प्रमाण है। यह स्थिति दर्शाती है कि नियम केवल कागजों पर मौजूद हैं, जबकि जमीनी स्तर पर उनका पालन सुनिश्चित करने वाला कोई प्रभावी तंत्र नहीं है। साथियों भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए बहु-स्तरीय और सख्त कदम उठाने की आवश्यकता है। सबसे पहले, लाइफ जैकेट का अनिवार्य उपयोग केवल एक नियम नहीं बल्कि 'नॉन-नेगोशिएबल' शर्त होना चाहिए बिना जैकेट के किसी भी यात्री को नाव या क्रूज पर चढ़ने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। इसके लिए तकनीकी उपाय जैसे बोर्डिंग गेट पर सेंसर या डिजिटल चेक भी अपनाए जा सकते हैं। दूसरा, ऑपरेटरों के लाइसेंसिंग सिस्टम को पारदर्शी और सख्त बनाया जाना चाहिए, जिसमें नियमित और औचक निरीक्षण शामिल हों। तीसरा, मौसम संबंधी गाइडलाइंस को कानूनी रूप से बाध्यकारी बनाया जाए यदि चेतावनी जारी हो, तो संचालन स्वतः निलंबित हो जाए।इसके अतिरिक्त, क्रूज और नावों पर कार्यरत कर्मचारियों का प्रशिक्षण अत्यंत आवश्यक है।उन्हेंआपातकालीन स्थितियों से निपटने, प्राथमिक उपचार देने और बचाव कार्यों का संचालन करने में दक्ष होना चाहिए। क्षमता का कड़ाई से पालन भी अनिवार्य है—इसमें किसी भी प्रकार की ढील सीधे खतरे को आमंत्रित करती है। अंततः, पर्यटन स्थलों पर नियमित 'सुरक्षा ऑडिट' विशेषकर थर्ड-पार्टी एजेंसियों द्वारा कराया जाना चाहिए, ताकि निष्पक्ष मूल्यांकन हो सके और खामियों को समय रहते दूर किया जा सके। बरगी डैम और मथुरा जैसी त्रासदियाँ हमें यह सिखाती हैं कि विकास और पर्यटन के नाम पर यदि सुरक्षा से समझौता किया गया, तो उसकी कीमत मानव जीवन से चुकानी पड़ती है। यह केवल आंकड़ों का खेल नहीं बल्कि उन परिवारों की पीड़ा है जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया। इसलिए अब समय आ गया है कि 'दुर्घटना' शब्द के पीछे छिपने के बजाय 'जवाबदेही' को केंद्र में लाया जाए। जब तक दोषियों पर कठोर और उदाहरणात्मक कार्रवाई नहीं होगी चाहे वे ऑपरेटर हों, अधिकारी हों या नीति-निर्माता तब तक यह चक्र नहीं टूटेगा। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे क्रि यह केवलसरकार या प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं बल्कि समाज के प्रत्येक नागरिक की भी भूमिका है। जागरूकता, सतर्कता और नियमों के प्रति सम्मान ये तीनों मिलकर ही एक सुरक्षित पर्यटन संस्कृति का निर्माण कर सकते हैं। लेकिन नेतृत्व की जिम्मेदारी शासन और प्रशासन पर ही आती है, और उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि भविष्य में कोई भी पर्यटक केवल एक लापरवाही के कारण अपनी जान न गंवाए। बरगी डैम की यह त्रासदी एक चेतावनी है,यदि अब भी नहीं चेते, तो अगली खबर किसी और शहर, किसी और नदी से आ सकती है।

-संकलनकर्ता लेखक
- क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए(एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

5 राज्यों में किसका होगा राजतिलक

लेखक-सौरभ वार्ष्णेय

लोकतंत्र में चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का माध्यम नहीं होते, बल्कि वे जनभावनाओं, अपेक्षाओं और राजनीतिक दिशा का स्पष्ट संकेत भी देते हैं। देश के पाँच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों को इसी दृष्टि से देखा जा रहा है। यह चुनाव न केवल क्षेत्रीय राजनीति का भविष्य तय करेंगे, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति की धारा को भी प्रभावित करेंगे। इन चुनावों में मुख्य मुकाबला सत्तारूढ़ दलों और विपक्षी गठबंधनों के बीच है। एक ओर जहाँ सत्ताधारी दल अपनी उपलब्धियों—विकास, कल्याणकारी योजनाओं और स्थिर शासन—को जनता के सामने रख रहे हैं, वहीं विपक्ष महंगाई, बेरोजगारी और सामाजिक असंतोष जैसे मुद्दों को लेकर सरकार को घेरने में जुटा है। ऐसे में मतदाता के सामने विकल्प स्पष्ट हैं, लेकिन निर्णय आसान नहीं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इन चुनावों में स्थानीय मुद्दे निर्णायक भूमिका निभाएंगे। हर राज्य की अपनी सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियाँ हैं, जिनके आधार पर वोटिंग पैटर्न अलग-अलग हो सकता है। कहीं जातीय समीकरण हावी होंगे, तो कहीं विकास का मुद्दा केंद्र में रहेगा। यही कारण है कि एक ही राजनीतिक दल का प्रदर्शन सभी राज्यों में समान नहीं रहने की संभावना है। इन चुनावों की एक और खासियत यह है कि क्षेत्रीय दलों की भूमिका काफी अहम हो गई है। कई राज्यों में वे किंगमेकर की स्थिति में हैं, जो यह तय कर सकते हैं कि सत्ता किसके हाथ में जाएगी। इससे गठबंधन राजनीति को भी नई मजबूती मिल सकती है। हालाँकि, इन चुनावों का सबसे महत्वपूर्ण पहलू मतदाता की भूमिका है। लोकतंत्र की असली ताकत जनता के हाथ में होती है, और वही तय करती है कि किसे राजतिलक मिले और किसे विपक्ष में बैठना पड़े। इसलिए यह आवश्यक है कि मतदाता जाति, धर्म और भावनात्मक नारों से ऊपर उठकर विकास, सुशासन और पारदर्शिता के आधार पर अपना निर्णय लें। पाँच राज्यों के ये चुनाव केवल सरकार बनाने का गणित नहीं हैं, बल्कि यह लोकतंत्र की परिपक्वता की परीक्षा भी हैं। परिणाम चाहे जो भी हों, यह स्पष्ट है कि जनता का संदेश ही सबसे बड़ा निर्णायक होगा—और वही तय करेगा कि किसके सिर सजेगा सत्ता का ताज।

एक्जिट पोल—हवा या हकीकत? चुनावी लोकतंत्र में एक्जिट पोल अब सिर्फ आंकड़ों का खेल नहीं रह गए हैं, बल्कि वे जनमत की तत्काल झलक पेश करने का दावा करते हैं। जैसे ही मतदान समाप्त होता है, टीवी स्टूडियो से लेकर सोशल मीडिया तक, एक्जिट पोल के आंकड़े माहौल बना देते हैं—कहीं उत्साह, कहीं चिंता और कहीं संशय। ऐसे में बड़ा सवाल यही है कि क्या 5 राज्यों के ये एक्जिट पोल सच साबित होंगे या फिर एक बार फिर हवा साबित होंगे?सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि एक्जिट पोल वैज्ञानिक पद्धति पर आधारित होते हुए भी पूर्ण सत्य नहीं होते। ये सीमित सैंपल, मतदाताओं की ईमानदारी और स्थानीय परिस्थितियों पर निर्भर करते हैं। भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में, जहां हर राज्य की सामाजिक, जातीय और राजनीतिक संरचना अलग है, वहां एक समान सटीकता की उम्मीद करना अव्यावहारिक है। पिछले चुनावों का इतिहास भी मिश्रित रहा है। कई बार एक्जिट पोल ने चौंकाने वाली सटीकता दिखाई है, तो कई बार वे पूरी तरह गलत साबित हुए हैं। खासकर राज्य चुनावों में, जहां स्थानीय मुद्दे, उम्मीदवार की छवि और क्षेत्रीय समीकरण निर्णायक भूमिका निभाते हैं, वहां एक्जिट पोल की सीमाएं और स्पष्ट हो जाती हैं। इन 5 राज्यों के चुनावों में भी तस्वीर जटिल है। कहीं सत्ता विरोधी लहर की चर्चा है, तो कहीं सरकार की योजनाओं के प्रभाव की। जातीय समीकरण, क्षेत्रीय दलों की ताकत और राष्ट्रीय मुद्दों का प्रभाव—ये सभी कारक परिणामों को अप्रत्याशित बना सकते हैं। ऐसे में एक्जिट पोल का सीधा-सीधा परिणामों में बदल जाना आसान नहीं है। मीडिया की भूमिका भी यहां महत्वपूर्ण हो जाती है। कई बार एक्जिट पोल को इस तरह प्रस्तुत किया जाता है मानो वही अंतिम परिणाम हों, जिससे जनमानस में भ्रम की स्थिति बनती है। इससे न सिर्फ मतदाताओं की धारणा प्रभावित होती है, बल्कि राजनीतिक दलों के भीतर भी अनावश्यक प्रतिक्रिया देखने को मिलती है। लोकतंत्र में अंतिम सत्य मतगणना के दिन ही सामने आता है। एक्जिट पोल संकेत दे सकते हैं, लेकिन फैसला नहीं सुना सकते। इसलिए इन आंकड़ों को उत्सुकता के साथ देखना ठीक है, पर उन्हें अंतिम सच मान लेना जल्दबाजी होगी। 5 राज्यों के चुनाव परिणाम यह तय करेंगे कि इस बार एक्जिट पोल ने हवा बनाई है या हकीकत दिखाई है। लेकिन एक बात तय है—भारतीय मतदाता अक्सर आखिरी क्षण में भी ऐसा निर्णय लेता है।

घोर लापरवाही : जीवन की कीमत पर पर्यटन

लेखक- मनोज कुमार अग्रवाल

इसे हादसा कहें या बदहाल और गैर जिम्मेदार भ्रष्ट व्यवस्था की हद दर्जे की लापरवाही जिसके चलते करीब पन्द्रह हंसती खेलती जिंदगी मौत के आगोश में समा गयीं और दर्जन भर परिवारों को कभी न भूलने वाला दुख दे गयीं। 30 अप्रेल गुरुवार को मध्यप्रदेश के जबलपुर जिले से एक बड़े हादसे की खबर सामने आई है.जबलपुर जिले के बरगी बांध क्रूज हादसे को तीन दिन से अधिक समय बीत चुका है. लेकिन अब भी कुछ लोग लापता हैं. उनके जिंदा मिलने की उम्मीद कम है, लेकिन अपनों की उम्मीद है कि टूटती नहीं. आंखें टकटकी लगाए उनका इंतजार देख रही हैं. आपको बता दें जबलपुर मप्र के खास पर्यटन स्थल बरगी डैम में गुरुवार 30 अप्रेल की शाम पर्यटकों की खुशियां मातम में बदल गईं. डैम के खमरिया टापू के पास एक क्रूज अचानक आए तेज तूफान के कारण अनियंत्रित होकर पानी में डूब गया. हादसे के वक्त क्रूज पर करीब 30 से 40 लोग सवार थे. बताया जा रहा है कि ये सभी लोग यहां घूमने के लिए निकले थे. अचानक हुए इस हादसे से मौके पर चीख पुकार मच गई.शुरुआती जानकारी के अनुसार, हादसे के समय क्रूज नर्मदा नदी के बैकवाटर में मौजूद था. इस बीच तभी अचानक मौसम बदला गया और तेज हवाओं के साथ तूफान आने लगा. ये तूफान इतना जबरदस्त था कि क्रूज अपना संतुलन खोने लगा और कुछ ही समय में पानी में पलट गया. जानकारी के अनुसार, पर्यटकों से भरा क्रूज अचानक नर्मदा में पलट गया. पानी से लबालब बांध में जब लोग डूबे तो हर किसी की आंखें सिर्फ अपनों को ढूंढ रही थीं. किसी ने आंखों के सामने पत्नी खो दी तो किसी ने मां और भाई. इस हादसे में अब तक 9 लोगों की मौत हो चुकी है. ये लोग किसी के मां-बाप, भाई, बहन थे. सोचिए उन लोगों पर क्या बीत रही होगी, पलक झपकते ही जिसके अपने आंखों से ओझल हो गए. उनके अपने डूबते रहे और वे बेबस होकर देखते रहे. चीख-पुकार और मदद की गुहार भी काम नहीं आई. जबलपुर क्रूज हादसे ने दिल्ली के एक परिवार की खुशियां उजाड़ दीं. पति, पत्नी, एक बेटा और एक बेटी पिकनिक मनाने क्रूज पर चढ़े. हादसे के दौरान पिता और बेटी किसी तरह सुरक्षित बच गए, लेकिन मां और बेटा क्रूज के भीतर ही फंस गए थे. आज सुबह मां का अपने बेटे को सीने से चिपकाए हुए शव मिला. मानो आखिरी पल तक उसे बचाने की कोशिश कर रही हो. यह दृश्य देख वहां मौजूद हर शख्स की आंखें भर आईं. जबलपुर के सिविल लाइन इलाके के रहने वाले सैयद रियाज हुसैन की पत्नी, नाती और समधन लापता हैं. वह परिवार के साथ क्रूज की सवारी का आनंद लेने गए थे. वो कहां जानते थे कि डैम में मौत दस्तक दे रही है. सैयद तो बच गए, लेकिन उनके परिजन अभी भी लापता हैं. वह बेबस और लाचार हैं और किसी चमत्कार की उम्मीद लगाए बैठे हैं. एक छोटी सी बच्ची मां-पिता और भाई के साथ कुछ देर पहले जो हंसी के ठहाके लगा रही थी उसकी आंखों में सिबाय दर्द के कुछ दिखाई नहीं दे रहा. बच्ची बुरी तरह डरी, सहमी और घबराई हुई है. पापा तो मिल गए लेकिन मम्मी, भाई और नाना का कुछ अता-पता नहीं है. वहीं नानी की डूबने से मौत हो गई है. पल भर में उसकी खुशियां मातम में बदल गईं. जबलपुर क्रूज हादसे ने एक हंसते-खेलते परिवार को उजाड़ दिया. घटना की जानकारी मिलते ही बरगी थाना पुलिस और प्रशासन की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और मौके पर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया. मामले की गंभीरता को देखते हुए एसडीआरएफ की टीम को रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए रवाना किया गया है. टीम लगातार लापता लोगों की तलाश में जुटी और पानी के भीतर सर्च ऑपरेशन चलाया गया . सवाल यह है कि यह हादसा अनगिनत लापरवाही और अव्यवस्था का ईशारा करता है जब मौसम विभाग की पचास किमी प्रति घंटा की रफ्तार से आंधी तूफान आने की चेतावनी जारी थी तब क्रूज का नदी में संचालन क्यों किया गया? जानकारी के अनुसार क्रूज का संचालन मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग करता है बताया गया है कि इस बीस साल पुरानी क्रूज में वैध तौर पर तीस पर्यटक लिस्टेड थे लेकिन कुछ लोग स्टाफ की कृपा पर भी सवार थे जो लिस्टेड नही थे। बचाव दल 28 लोगों को बचाने का दावा कर रहा है जबकि नौ शव निकाले जा चुके हैं इस तरह 37 सवारियों की पुष्टि हो जाती है। इसके अलावा नियमानुसार सबको लाइफ जेकेट पहनना अनिवार्य था लेकिन तूफान आने पर अफरा-तफरी मचने पर लाइफ जेकेट दी गयी उन्हें पाने के लिए सभी सवार पर्यटकों के क्रूज पर एक तरफ आने से संतुलन बिगड़ गया और क्रूज एक ओर झुकते ही नदी में समा गया। जाहिर है कि यह क्रूज नियमों की घोर अनदेखी कर मनमानी ढंग से बिना अनुभवी व अल्पप्रशिक्षित परिचालन टीम के भरोसे नर्मदा की छाती पर संचालित किए जा रहे थे। इस सबके लिए खुद सरकार अपनी जिम्मेदारी से नही बच सकती है सरकार चाहे उत्तराखंड की हो यूपी की या मध्यप्रदेश की सब जगह ग्रीष्म शीत अवकाश अथवा धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए पर्यटकों श्रद्धालुओं की सुरक्षा को दरकिनार किया गया है सरकार का रवैया सिर्फ पर्यटकों को प्रचार के बूते पर आकर्षित कर राजस्व और स्थानीय रोजगार बढाने का है लेकिन श्रद्धालुओं पर्यटकों के जीवन की सुरक्षा कौन करेगा? इसकी चिंता सरकार या सरकारी अमले को कतई नहीं है। व्यवस्था में जुड़े सरकारी अधिकारी कर्मचारी अपनी कमीशन खोरी और किसी न किसी तरह जेब भरने में जुट जाते हैं। मौसम की चेतावनी को दरकिनार कर पर्यटकों को जान की कीमत पर धार्मिक या मौज मस्ती का पर्यटन कराना कौन सी नैतिकता है? उत्तराखंड जैसे संवेदनशील प्राकृतिक वातावरण वाले प्रदेश में चारधाम यात्रा के लिए क्षमता से अधिक पर्यटकों को विभिन्न माध्यमों से लुभाना कहां तक उचित है? यूपी में बीते साल कुम्भ स्नान के लिए ऐसा प्रचार किया गया कि श्रद्धालुओं का इतना सैलाब आ गया कि व्यवस्था लडखडा गयी भगदड़ में सैकड़ों जान गयीं। इसी तरह उत्तराखंड सरकार भलीभांति जानती है कि 2013 की केदारनाथ या 2024 की चमोली रैणी गाँव ग्लेशियर फटने और धराली में बादल फटने से जनहानि जैसी आपदा में बचाव की कोई समुचित व्यवस्था उसके पास मौजूद नहीं है तब भी लोगों को मीठे मीठे सपने दिखा कर चारधाम पर्यटन के नाम पर उनके जीवन से खिलवाड़ का सिलसिला जारी है। हर सरकार दलील देती है कि पर्यटन ही स्थानीय लोगों की अर्थव्यवस्था का आधार है। ऐसे हालात में सुधार की बड़ी जरूरत है कम से कम नियमों का कड़ाई से पालन करना चाहिए ताकि मानवीय भूल से होने वाली दुर्घटनाओं को तो रोका जा सके। आपको बता दें बरगी डैम हादसे में अब तक नौ लोगों के शव मिलने की पुष्टि हो चुकी है. वहीं आधिकारिक जानकारी के अनुसार अब भी करीब छह लोग लापता बताए जा रहे हैं, जिनकी तलाश जारी है. मौके पर मौजूद स्थानीय लोग भी राहत कार्यों में पुलिस की मदद कर रहे हैं. फिलहाल प्राथमिकता लापता लोगों को जल्द से जल्द खोजने की है. प्रशासन ने पूरे इलाके में चौकसी बढ़ा दी है.अब लापता लोगों के जीवित बचने की संभावना बहुत कम है। सरकार अनुग्रह राशि देकर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ने की कोशिश कर रहे हैं।

मिनाब 168 : महाशक्ति के पतन का कारण बनती मासूमों की शहादत

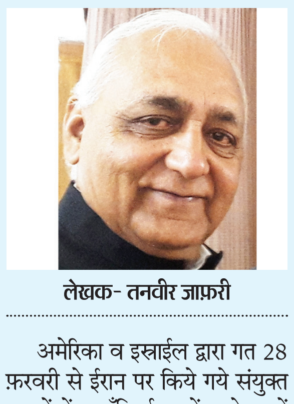

लेखक- तनवीर जाफ़री

अमेरिका व इस्राईल द्वारा गत 28 फ़रवरी से ईरान पर किये गये संयुक्त हमलों में हालाँकि ईरान में मरने वालों की संख्या सूत्रों द्वारा अलग अलग बताई जा रही है। परन्तु अनुमानतः इन हमलों में अब तक लगभग 6,000 से भी अधिक ईरानी नागरिकों लोगों के मारे जाने की संभावना है। जबकि लगभग 26,500 से भी अधिक लोगों के घायल होने के आंकड़े सामने आये हैं। परन्तु ईरान के सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह सैय्यद अली ख़ामनेई,अनेक उच्चस्तरीय नेता,अधिकारी व वैज्ञानिकों की हत्या से भी अधिक चर्चा ईरान में हुये जिस एक हमले को लेकर हो रही है वह है दक्षिणी ईरान के मिनाब शहर के एक प्राइमरी स्कूल पर 28 फ़रवरी को अमेरिकी वायु सेना द्वारा किया गया वह हमला जिसने हमले के समय स्कूल में पढ़ रहे 168 मासूम बच्चों को शहीद कर दिया। ईरान ने मुख्य रूप से इसी एक हमले को रेखांकित करते हुये विश्वशांति की बात करने वाले अमेरिका को पूरी दुनिया में बेनक़ाब करने की मुहिम चलाई। इतना ही नहीं बल्कि इसी हमले ने मानवीय संवेदना रखने वाले कई अमेरिकी सांसदों व उच्चाधिकारियों को भी आवाज़ उठाने को मजबूर किया। याद कीजिये गत 10 अप्रैल 2026 को जब एक ईरानी प्रतिनिधिमंडल पाकिस्तान की मध्यस्थता में अमेरिका से बात चीत करने के मक़सद से इस्लामाबाद पहुंचा था और अमेरिका की तरफ़ से उपराष्ट्रपति जेडी वेंस वार्ता का नेतृत्व कर रहे थे उस समय ईरानी प्रतिनिधिमंडल जिस # मिनाब 168 अंकित विमान में बैठकर इस्लामाबाद आया था उस विमान ने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा था। ईरानी स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ़, ईरानी विदेश मंत्री अरागची व ईरानी प्रतिनिधिमंडल ने इसी # मिनाब 168 नामक विमान से ही तेहरान से पाकिस्तान की यात्रा की थी। इस विमान में आगे की 168 सीटों पर अमेरिकी हमले में शहीद हुये बच्चों की तस्वीरें रखी गईं। हर सीट पर उनके ख़ून से सने हुये क्षतिग्रस्त स्कूल बैग व शहीद बच्चों के जूते व साथ ही उन्हें श्रद्धांजलि देने हेतु फूल भी रखे गये थे। यह पहला मौक़ा था जबकि ईरान जैसे किसी साहसी देश ने स्वयं को महाशक्ति बताने वाले अमेरिका के वास्तविक क्रूर चेहरे को इस निराले अंदाज़ से बेनक़ाब किया था। # मिनाब 168 विमान केवल पाकिस्तान ही नहीं आया बल्कि अरागची 26-27 अप्रैल को इसी विमान पर सवार होकर इस्लामाबाद और ओमान के दौरे के बाद रूस भी पहुंचे। जहां उन्होंने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से महत्वपूर्ण मुलाक़ात की। अमेरिका में भी मिनाब के शहीद मासूमों का ख़ून सर चढ़कर बोलता दिखाई दे रहा है। इस हमले को लेकर राष्ट्रपति ट्रंप को राजनीतिक और सड़क स्तर पर भी विरोध का सामना करना पड़ रहा है। डेमोक्रेट्स द्वारा साफ़ तौर पर इसे ग़ैर ज़िम्मेदाराना अमेरिकी हमला मानकर ट्रंप प्रशासन से इस हमले की ज़िम्मेदारी स्वीकार करने की मांग रहे हैं। क्योंकि जांच में अमेरिकी टोमाहॉक मिसाइल इस्तेमाल होने की पुष्टि हो चुकी है। यह मिसाइल केवल अमेरिका के पास ही है। अमेरिकी डेमोक्रेट सांसदों ने पेंटागन से निष्पक्ष जांच की मांग करते हुये रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ से जवाब भी तलब किया है। इन अमेरिकी सीनेटर्स ने इसे हताहत होने वाला दशकों का सबसे बुरा नागरिक मामला बताया है साथ ही ट्रंप प्रशासन पर अपनी जवाबदेही स्वीकार न करने का भी आरोप लगाया गया है। कई सीनेटर्स तो इसे अमेरिकी सेना की भयानक ग़लती भी बता रहे हैं। इसी मिनाब घटना को लेकर अमेरिका में कई जगह सड़कों पर भी प्रदर्शन हुये हैं। न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर से लेकर सैन फ्रांसिस्को, शिकागो और मिल्वौकी तक में कई जगह में हज़ारों प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतरे और उन्होंने हैंड्स ऑफ़ ईरान के नारे लगाए। यहाँ की कैपिटल हिल पर प्रतीकत्मक रूप से बच्चों के स्कूल बैग रखकर विरोध प्रदर्शन हुआ। इसमें कई डेमोक्रेट सांसद भी शामिल हुये थे। हद तो यह है कि व्हाइट हाउस के बाहर इसी अप्रैल में हुए व्यापक प्रदर्शनों में ट्रंप को युद्ध अपराधी बताकर उसे हटाने की भी ज़ोरदार मांग हुई। बहरहाल, इस्राईल हो या उसका संरक्षक अमेरिका,इन दोनों ही देशों ने विश्व अनेक देशों में युद्धापराध अंजाम देने के अनेक क्रूरतम इतिहास लिखे हैं। सही मायने में तो युद्धापराध अंजाम देने के यह आदी हो चुके हैं। याद कीजिये 1960-70 के मध्य लंबे समय तक चले वियतनाम युद्ध को। यही अमेरिका है जिसने बड़ी बेरहमी से यहाँ लाखों लोगों की हत्यायें की थीं। इनमें एक दिल दहलाने वाली घटना दक्षिण वियतनाम के माई लाई गांव में हुई थी जहाँ न केवल 500 से अधिक निहत्थे नागरिकों जिनमें महिलाएं, बच्चे, बुजुर्ग शामिल थे की हत्या की गई थी बल्कि उनका सामूहिक बलात्कार किया गया उनके शवों का जलाया गया व अपमान किया गया था। पूरे के पूरे कई गांव जला दिए गये थे। इसी तरह 2003 के ईराक़ युद्ध के दौरान अबूग़रेब जेल में क़ैदियों की प्रताड़ना के अलावा इराक़ में कई नागरिक नरसंहार की घटनाएं हुईं। इसी तरह अफ़ग़ानिस्तान में भी नागरिक हत्या,बलात्कार जैसे कई कारनामे उजागर हुए थे। अमेरिका की तर्ज़ पर इस्राईल भी लेबनॉन,पश्चिमी किनारे व ग़ज़ा के इलाक़ों में मानव नरसंहार के कई इतिहास लिख चुका है। यह तो इतने क्रूर हैं कि भूखे बच्चों को पहले खाने पानी की लालच देकर भीड़ इकट्ठी करते हैं उसके बाद उन मजबूरों को खाना पानी देने के बजाये उनपर बंबारी कर हत्याएं कर देते हैं। इस्राईली प्रधानमंत्री तो इस समय अंतर्राष्ट्रीय अदालत का वांछित मुजरिम भी है। परन्तु इस बार इनका पाला पड़ा था ईरान में मिनाब के मासूमों से। इनकी चीख़ पुकार व बद्दुआएं पूरे विश्व में इस क़द्र गूँज रही हैं कि मानवीय हृदय रखने वाले अमेरिकी भी इस घटना से सदमे में हैं तथा वे यह महसूस कर रहे हैं कि यह घटना कहीं वैश्विक अमेरिकी चौधर के पतन का कारण न बन जाये। तभी ट्रंप प्रशासन इस घटना से पल्ला झाड़ने की असफल कोशिश करता भी दिखाई देता है। परन्तु वास्तविकता तो यह है कि मिनाब स्कूल हमले की वजह से और ईरान युद्ध नीति के चलते ही अमेरिका में ट्रंप की लोकप्रियता नकारात्मक 20-23% तक गिर गई है।

ऋतुराज ने पत्नी को दी फ्लाइंग किस, हार्दिक के आउट होने पर माहिका हुई उदास

चेन्नई, एजेंसी। आईपीएल 2026 का 44वां मुकाबला शनिवार को चेपॉक स्टेडियम में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और मुंबई इंडियंस (एमआई) के बीच खेला गया। कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ और युवा बल्लेबाज कार्तिक शर्मा की अर्धशतकीय पारी के दम पर सीएसके ने एमआई को आठ विकेट से हरा दिया। एल क्लासिको के नाम से मशहूर इन दो टीमों के बीच मैच में कई दिलचस्प पल भी देखने को मिले।

चेन्नई के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने सीएसके की मुंबई पर जीत में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने 48 गेंद में पांच चौके और दो छक्कों की मदद से 67 रन की नाबाद पारी खेली। ऋतुराज ने कार्तिक शर्मा के साथ 98 रन की नाबाद साझदारी निभाई। अर्धशतक लगाने के बाद ऋतुराज ने दर्शक दीर्घा में बैठीं उनकी पत्नी उत्कर्षा को फ्लाइंग किस भी दी। ऋतुराज की बल्लेबाजी खराब रही थी और उन्हें फॉर्म में लौटता देख उत्कर्षा भी काफी खुश नजर आई।

कार्तिक शर्मा का धोनी वाला अंदाज

चेन्नई सुपर किंग्स के विकेटकीपर बल्लेबाज कार्तिक शर्मा को फ्रेंचाइजी ने 14.20 करोड़ रुपये में खरीदा था। हालांकि, इस मैच से पहले तक उनका बल्ला कुछ खास नहीं चला था। इस मैच में उन्होंने शानदार बल्लेबाजी की और आईपीएल करियर का पहला अर्धशतक लगाया। अर्धशतक लगाने के बाद उनका गन सेलिब्रेशन ठीक उस तरह था, जैसा सेलिब्रेशन धोनी ने अक्तूबर 2005 में श्रीलंका के खिलाफ 183 रन की पारी खेलने के बाद किया था। कार्तिक धोनी की तरह विकेटकीपर भी हैं।

माहिका दिखीं उदास

इस मैच में मुंबई की टीम पहले बल्लेबाजी कर रही थी। हालांकि, टीम ने काफी धीमी शुरुआत की। ऐसे में टीम को कप्तान हार्दिक पांड्या से काफी उम्मीदें थीं, लेकिन वह भी 23 गेंद में दो चौके की मदद से 18 रन बनाकर चलते बने। वापस पवेलियन लौटते वक्त उनकी गर्लफ्रेंड माहिका को दिखाया गया, जो कि काफी उदास दिख रही थीं।

दुबे-हार्दिक के बीच हुई बात

तस्वीरों में हार्दिक पांड्या और शिवम दुबे के बीच मैच के दौरान एनिमेटेड बातचीत होती दिख रही है। दोनों खिलाड़ी आमने-सामने खड़े हैं और हार्दिक हाथ के इशारों के साथ कुछ समझाते या जवाब देते नजर आ रहे हैं, जबकि दुबे भी ध्यान से सुनते हुए प्रतिक्रिया दे रहे हैं। ऐसा प्रतीत हो रहा है मानो किसी गेंद, शॉट या मैदान पर हुई घटना को लेकर बात चल रही है। दोनों गंभीर दिख रहे होते हैं।

सूर्यकुमार ने ऋतुराज को दी बधाई

आईपीएल 2026 में मुंबई के खराब प्रदर्शन की एक वजह सूर्यकुमार यादव का फ्लॉप रहना रहा है। हालांकि, सीएसके से मैच के दौरान ऋतुराज को उन्होंने फॉर्म में वापस लौटने की बधाई जरूर दी। सूर्यकुमार ने सीएसके के खिलाफ 12 गेंद में 21 रन की पारी खेली।

बोल्ट का 90 मीटर का छक्का

ट्रेंट बोल्ट ने सीएसके के खिलाफ अपनी पहली ही गेंद पर 90 मीटर का जोरदार छक्का लगाया। अंशुल कंबोज गेंदबाजी कर रहे थे। बोल्ट का फॉर्म इस सीजन खराब रहा है। उन्हें ज्यादा विकेट भी नहीं मिले हैं और ऐसे में उन्होंने बल्लेबाजी के दौरान छक्का जड़कर अपनी भड़ास निकाली।

आईपीएल एल क्लासिको मैच का हाल

मैच की बात करें तो मुंबई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर मे सात विकेट पर 159 रन बनाए थे। नमन धीर ने 37 गेंद में चार चौके और तीन छक्के की मदद से 57 रन की पारी खेली। वहीं, रेयान रिकेल्टन ने 24 गेंद में 37 रन बनाए। सीएसके की ओर से कंबोज ने तीन और नूर अहमद ने दो विकेट लिए। सीएसके को जीत के लिए 160 रन का लक्ष्य मिला था। गायकवाड़ के 48 गेंदों पर नाबाद 67 रन और कार्तिक शर्मा के 40 गेंदों पर नाबाद 54 रन की मदद से सीएसके ने 11 गेंद रहते लक्ष्य हासिल कर लिया। सीजन के नौवें मैच में सीएसके की यह चौथी जीत थी।

टी20 मुंबई लीग में नीलामी, अर्जुन पर लगी भारी भरकम बोली

मुंबई। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन ने टी20 मुंबई लीग के बहुप्रतीक्षित चौथे सीजन के लिए खिलाड़ियों की नीलामी सफलतापूर्वक पूरी कर ली। इससे पूर्व पहली महिला लीग की नीलामी की सफलता के बाद पुरुषों की फ्रेंचाइजियों ने अपनी टीमों को अंतिम रूप देने के लिए बोली की मेज पर जोरदार मुकाबला किया, जिसमें उन्होंने जाने-माने अंतरराष्ट्रीय सितारों और शहर की सबसे होनहार उभरती प्रतिभाओं का मेल बिठाया।

सीजन 4 की नीलामी में बोलियों की जोरदार जंग देखने को मिली जिसमें ऑलराउंडर आकाश पारकर सबसे कीमती खिलाड़ियों में से एक बने। उन्हें सोबो मुंबई फाल्कन्स ने 12 लाख रुपये में खरीदा। विकेटकीपर-बल्लेबाज प्रसाद पवार (11.50 लाख रुपए) और हरफनमौला मुशीर खान (11 लाख रुपए) को आर्क्स अँधेरी ने अपने इरादे साफ करते हुए अपनी टीम में शामिल किया। इससे पहले लीग ने आइकॉन खिलाड़ियों की एक जबरदस्त सूची की पुष्टि की थी, जो अपनी-अपनी फ्रेंचाइजियों की अगुवाई करेंगे। इस सूची में भारतीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी और मुंबई के दिग्गज शामिल हैं जिनमें सूर्यकुमार यादव (ट्रंफ नाइट्स मुंबई नार्थ ईस्ट), श्रेयस अय्यर (सोबो मुंबई फालकन्स), अजिंक्य रहाणे (नार्थ मुंबई पैंथर्स), शिवम दुबे (आर्क्स अंधेरी), यशस्वी जायसवाल (बांद्रा ब्लास्टर्स), शार्दुल ठाकुर (ईगल ठाणे स्ट्राइकर्स), सरफराज खान (आकाश टाइगर्स) और तुषार देशपांडे (स्रष्ट मराठा रॉयल्स) शामिल हैं। इस नीलामी ने भविष्य के सितारों के लिए एक लॉन्चपैड के तौर पर लीग की प्रतिष्ठा को और मजबूत किया।

क्या एमआई का खेल खत्म!

सीएसके से मिली हार के बाद कैसे प्लेऑफ में पहुंच पाएगी हार्दिक की सेना

मुंबई, एजेंसी। पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस को चेन्नई सुपर किंग्स ने शनिवार को करारी मात दी, जिसके बाद टीम प्लेआफ की दौड़ से लगभग बाहर हो गई है।

चेन्नई ने ये मुकाबला आठ विकेट से अपने नाम किया। हार्दिक पांड्या की टीम मौजूदा सीजन में नौ मैचों में से सात हार चुकी है। उसे अभी पांच लीग मैच खेलने हैं। अगर वह सभी मुकाबले जीत भी लेती है तो उसके अधिकतम 14 अंक ही हो पाएंगे, जो प्लेऑफ में पहुंचने के लिए पर्याप्त नहीं होंगे। ऐसे में जानते हैं एमआई की टीम कैसे एमआई की टीम प्लेऑफ का टिकट हासिल कर सकती है।

हार ने बिगाड़ा समीकरण

चेन्नई के खिलाफ हार ने न केवल मुंबई के अंक तालिका में इजाफे को रोका, बल्कि उनके नेट रन रेट को भी भारी नुकसान पहुंचाया है। मुंबई की टीम फिलहाल निचले पायदानों पर संघर्ष कर रही है। सीएसके से मिली हार के बाद एमआई की टीम प्वाइंट्स टेबल में 9वें पायदान पर है। अब यहां से अगर मुंबई एक भी मैच हारती है तो मतलब की उनका बोरिया बिस्तर पैक होने वाला है।

कैसे अभी प्लेऑफ में पहुंच सकती है MI

मुंबई इंडियंस को अब प्लेऑफ में पहुंचने के लिए इन तीन बातों पर निर्भर रहना होगा।

1. बाकी बचे सभी मैचों में जीत- मुंबई को अपने आगामी सभी मुकाबले जीतने होंगे ताकि वे 16 अंकों के चमत्कारिक अंक तक पहुंच सकें। 14 अंकों के साथ क्वालीफाई करना एमआई के लिए इस साल मुश्किल लग रहा है क्योंकि टॉप-4 टीमें तेजी से अंक बटोर रही हैं।

2. नेट रन रेट में सुधार- चेन्नई के खिलाफ मिली हार ने रन रेट को काफी नीचे गिरा दिया है। मुंबई को न केवल जीतना होगा, बल्कि बड़े अंतर से जीत दर्ज करनी होगी ताकि बराबरी के अंकों पर वे पिछड़ न जाएं

3. बाकी टीमों के नतीजों पर निर्भर रहना होगा- मुंबई को अब दुआ करनी होगी कि सनराइजर्स हैदराबाद और दिल्ली कैपिटल्स जैसी टीमें अपने अगले कुछ मैच हार जाएं, जिससे मिड-टेबल में जगह बनाने का मौका मिले।मुंबई इंडियंस की सबसे बड़ी समस्या उनकी अस्थिर बल्लेबाजी और डेथ ओवर्स में गेंदबाजी रही है। हार्दिक पांड्या की अगुवाई वाली ये टीम मैदान पर वो दिखाने में नाकाम रही है जिसके लिए मुंबई जानी जाती है। रोहित शर्मा, ईशान किशन और सूर्यकुमार यादव का बल्ला से फ्लॉप होना टीम के लिए सबसे बड़ी मुसीबत रहा।

थॉमस कप के सेमीफाइनल में भारत को मिली हार; फ्रांस ने 3-0 से दी शिकस्त

नई दिल्ली । थॉमस कप 2026 के सेमीफाइनल में भारत और फ्रांस के बीच शनिवार को खेला गया हाई-वोल्टेज ड्रामे की तरह था। डेनमार्क के फोरम हॉर्सेंस एरिना में खेले गए मैच का माहौल भारतीय और फ्रांसीसी प्रशंसकों के जोश ने रोमांचक बना दिया था। अंतिम स्कोर 0-3 रहा और भारत टूर्नामेंट से बाहर हो गया, लेकिन यह आंकड़ा मैच की वास्तविक प्रतिस्पर्धा को पूरी तरह नहीं दर्शाता। मुकाबले के दौरान कई ऐसे क्षण आए जब भारतीय खिलाड़ियों ने फ्रांस को दबाव में डाला और वापसी की उम्मीद जगाई। फिर भी, निर्णायक मौकों पर फ्रांसीसी खिलाड़ियों ने संयम और सटीकता दिखाते हुए मैच अपने पक्ष में कर लिया।

फ्रांस पहली बार थॉमस कप के फाइनल में

के फाइनल में जगह बनाई। फ्रांस की सफलता के मुख्य सूत्रधार रहे टोमा जूनियर पोपोव और क्रिस्टो पोपोव भाइयों ने न केवल शानदार खेल दिखाया, बल्कि रणनीतिक रूप से भी भारतीय टीम को पीछे छोड़ दिया। उन्होंने एकल और डबल्स दोनों में भाग लेते हुए टीम को संतुलन दिया, और मैच क्रम इस तरह तय किया गया कि उन्हें पर्याप्त आराम मिल सके।

भारत के लिए सबसे बड़ा झटका था लक्ष्य सेन का चोट के कारण बाहर होना। उनकी अनुपस्थिति ने टीम संयोजन को प्रभावित किया। पहले सिंगल्स में आयुष शेट्टी को उतारा गया, लेकिन वे दबाव को संभाल नहीं पाए और क्रिस्टो पोपोव के खिलाफ सीधे गेम में हार गए।

दूसरे सिंगल्स में किदांबी श्रीकांत ने अनुभव का बेहतरीन प्रदर्शन किया। उन्होंने एलेक्स लैनियर को कड़ी टक्कर दी और कई मौकों पर बढ़त भी बनाई। हालांकि, अहम क्षणों में सटीकता की कमी के कारण वे मैच गंवा बैठे।

व्यापार

डिफेंस कंपनी का नेट प्रॉफिट 69 प्रतिशत गिरा, सोमवार को शेयरों में दिखेगी हलचल

नईदिल्ली, एजेंसी। डिफेंस कंपनी जेन टेक्नोलॉजी के लिए मार्च तिमाही काफी निराशाजनक साबित हुई है। इस दौरान कंपनी के नेट प्रॉफिट में भारी गिरावट देखने को मिली। कंपनी ने दी जानकारी में बताया है कि जनवरी से मार्च 2026 के दौरान कुल नेट प्रॉफिट 31.50 करोड़ रुपये रहा है। एक साल पहले इसी तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 101.10 करोड़ रुपये रहा था। यानी सालाना आधार पर कंपनी के नेट प्रॉफिट में 69 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली है। कंपनी ने दी जानकारी में बताया है कि पिछली वित्त वर्ष की आखिरी तिमाही के दौरान कुल 178.10 करोड़ रुपये का रेवन्यू रहा है। एक साल पहले इसी चौथी तिमाही में

कंपनी का रेवन्यू 324.90 करोड़ रुपये रहा था। यानी सालाना आधार पर कंपनी के नेट प्रॉफिट में 45.20 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली है। जेन टेक्नोलॉजी का 63.10 प्रतिशत की गिरावट के बाद 51 करोड़ रुपये रहा है। इसके पहले के वित्त वर्ष की आखिरी तिमाही में यह 138 करोड़ रुपये रहा था।

डिविडेंड का ऐलान- कंपनी ने तिमाही नतीजों के साथ-साथ डिविडेंड के लिए रिकॉर्ड डेट भी घोषित कर दिया है। जेन टेक्नोलॉजी की तरफ से दी जानकारी में बताया गया है कि 1 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर पर 1 रुपये का डिविडेंड दिया जाएगा। कंपनी ने डिविडेंड के लिए 21 अगस्त 2026, दिन शुक्रवार को रिकॉर्ड डेट घोषित किया है।

शुक्रवार को जेन टेक्नोलॉजी लिमिटेड के शेयर बीएसई में 0.72 प्रतिशत की गिरावट के बाद 1671.25 रुपये के स्तर पर बंद हुआ था।

रोहित जैन आरबीआई के नए डिप्टी गवर्नर बने, टी रबी शंकर की लेंगे जगह

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने रोहित जैन को तीन साल की अवधि के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) का डिप्टी गवर्नर नियुक्त किया है। रोहित जैन की नियुक्ति 3 मई से प्रभावी होगी। वह वर्तमान में केंद्रीय बैंक में कार्यकारी निदेशक के पद पर कार्यरत हैं। डिप्टी गवर्नर के तौर पर उन्हें कौन सा विभाग सौंपा जाएगा, इसकी घोषणा अभी बाकी है। रोहित जैन टी रबी शंकर की जगह लेंगे। टी रबी शंकर का विस्तारित कार्यकाल शनिवार को समाप्त हो गया। सूत्रों ने सोमवार को बताया कि मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने तीन मई या पदभार ग्रहण करने की तारीख से तीन साल के लिए जैन की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। रबी शंकर को पहली बार सितंबर 2021 में तीन साल के लिए डिप्टी गवर्नर नियुक्त किया गया था। उन्हें 2024 में एक साल का विस्तार दिया गया। इसके बाद 2025 में भी उन्हें विस्तार मिला। रोहित जैन के पास बैंकिंग और मैनेजमेंट का लंबा अनुभव है। वह करीब 30 साल से इस क्षेत्र में है। वह बैंक की बारीकियों को गहराई से समझते हैं। बतौर एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर उन्होंने रिस्क मैनेजमेंट और बैंक की कमियों को पकड़ने वाले अहम विभागों को संभाला।

रेलवे प्लेटफॉर्म पर खाद्य पदार्थ बेचने वाले लाइसेंसी परेशान

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकारी कंपनियों ने बीते शुक्रवार को ही कॉमर्शियल गैस सिलेंडरों के दाम में तगड़ी बढ़ोतरी की है। इसके बाद रेलवे प्लेटफॉर्म पर खान-पान स्टॉल, फूड ट्रॉली और ट्रे में पूड़ी-सब्जी या अन्य खाद्य पदार्थ बेचने वाले लाइसेंसी परेशान हैं। इनका कहना है कि रेलवे प्लेटफॉर्म पर खान-पान स्टॉल चलाने वाले लाइसेंसी का रेट साल 2012 में तय हुआ है। तब से महंगाई कहां से कहां चली गई है। ऐसे में उन्होंने रेल मंत्रालय से रेट में रिवीजन की गुजारिश की है। रेलवे के देश भर के लाइसेंसी वेंडर का प्रतिनिधित्व करने वाली संस्था अखिल भारतीय रेलवे खान-पान लाइसेंसीज वेलफेयर एसोसिएशन है। इसने रेल मंत्रालय से रेलवे प्लेटफॉर्मों पर संचालित खान-पान स्टॉल, ट्रॉली, ट्रे, ढाबा और अन्य वेंडिंग यूनिट्स के लाइसेंसधारकों को तत्काल राहत देने की मांग की है। एसोसिएशन ने सरकार का ध्यान इस ओर भी दिलाया है कि आज से देशभर में कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में करीब एक हजार रुपये की बढ़ोतरी एक ही दिन में हो गई है। ऐसे में वेंडरों के सामने भारी परेशानी खड़ी हो गई है ।

रेल मंत्री से लगाई गुहार- एसोसिएशन के अध्यक्ष रविंदर गुप्ता ने रेल मंत्री अश्विनी

वैष्णव को पत्र भेज कर गुहार लगाई है। इसमें कहा गया है कि वैश्विक ऊर्जा संकट से भारत भी प्रभावित है। इस वजह से 1 मार्च 2026 से सरकार द्वारा कमर्शियल सिलेंडरों की आपूर्ति भी बंद कर दी गई है। इसके चलते वेंडर को काम चलाने के लिए 14 किलो के गैस सिलेंडर लेने पड़ रहे हैं। इसकी कीमत 2,000 से 5,000 रुपये तक पहुंच गई है। इसलिए रेलवे प्लेटफॉर्म पर बिकने वाले खाद्य पदार्थों की कीमतों में तत्काल बढ़ोतरी हो। उन्होंने एनबीटी को बताया कि रेलवे प्लेटफार्म पर काम करने वाले लाइसेंसी वेंडर के लिए रेट लिस्ट में पिछली बार समीक्षा साल 2012 में हुई थी। तब से लेकर आज तक महंगाई कई गुना बढ़ गई है, लेकिन रेलवे ने रेट में कोई बढ़ोतरी नहीं की है। उन्होने उदाहरण देते हुए बताया कि रेलवे प्लेटफॉर्म पर बिकने वाली चाय का रेट अभी भी 5 रुपये कप है। वह सवाल पूछते हैं कि इतने कम कीमत पर चाय बेचना संभव है वह भी लाइसेंस फीस और तरह तरह के टैक्स चुका कर। उल्लेखनीय है कि इन वेंडर की बिक्री में करीब 40 फीसदी हिस्सेदारी पानी के बोतल और चाय की ही होती है। रेलवे के लाइसेंसधारी वेंडरों ने यह भी बताया कि उन पर 18 प्रतिशत जीएसटी, 5 प्रतिशत जीएसटी ऑन सेल्स, 12 प्रतिशत लाइसेंस फीस, 10-15 प्रतिशत वेंडर्स कमीशन और 5-10 प्रतिशत अन्य करों का अतिरिक्त बोझ है।

लाइसेंस फीस में राहत मिले

पत्र में यह भी उल्लेख किया गया कि भारत में आपूर्ति को सामान्य स्तर पर पहुंचने में अभी लगभग 3 वर्ष लग सकते हैं। ऐसे में एसोसिएशन ने रेलवे प्रशासन से महामारी काल की तरह लाइसेंस फीस में राहत देने और चाय एवं अन्य खाद्य पदार्थों की बिक्री दरों में वृद्धि करने की मांग की है।

छह साल में तीन गुना हो गया दाम

यदि 19 किलो वाले एलपीजी गैस वाले कॉमर्शियल सिलेंडर या हलवाई सिलेंडर की बात करें तो यह बीते छह साल में तीन गुना महंगा हो गया है। एक मई 2020 को इस सिलेंडर के रिफिल का दाम दिल्ली में 1,144.50 रुपये था। बीते शुक्रवार यानी एक मई 2026 को इसकी कीमत बढ़ने के बाद दिल्ली में यह रिफिल 3,071.50 रुपये में मिल रहा है। बीते तीन महीने में ही यह सिलेंडर कुल 1,303 रुपये महंगा हो चुका है।

900 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न देने वाले शेयरों का होगा 10 हिस्सों में बंटवारा

नईदिल्ली, एजेंसी। अगले कुछ दिनों में जिन कंपनियों के शेयरों का बंटवारा होगा उसमें भी है। कंपनी के शेयरों को 10 हिस्सों में बांटने के लिए बोर्ड ने अपनी मंजूरी दे दी है। बता दें, बीते 5 साल में कंपनी के शेयरों की कीमतों में 900 प्रतिशत से अधिक की तेजी आई है। स्टॉक एक्सचेंज को दी जानकारी में कंपनी ने बताया है कि 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर को 10 हिस्सों में बांटा जाएगा। इस स्टॉक स्प्लिट के बाद कंपनी के शेयरों की फेस वैल्यू 10 रुपये से घटकर 1 रुपये प्रति शेयर हो जाएगा। 5 मई 2026 की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया है। यानी मंगलवार को कंपनी के शेयरों का 10 हिस्सों में बंटवारा हो जाएगा।

एनएसई पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार कंपनी की तरफ से कोई भी डिविडेंड या बोनस शेयर अबतक नहीं दिया गया है। शेयर गुरुवार को मार्केट के क्लोजिंग के टाइम पर एनएसई में 0.90 प्रतिशत की गिरावट के बाद 125.50 रुपये के स्तर पर था। पिछले एक महीने में कंपनी के शेयरों की कीमतों में 10.70 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। हालांकि, इसके बाद भी एक साल में यह स्टॉक 17.60 प्रतिशत लुढ़क चुका है। कंपनी का 52 वीक हाई 202 रुपये और 52 वीक लो लेवल 138.50 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 76.18 करोड़ रुपये का है।

तीन साल में कंपनी के शेयरों का भाव 16 प्रतिशत गिरा है। बता दें, 5 साल से इस स्टॉक को होल्ड करने वाले निवेशकों को अबतक 923 प्रतिशत का फायदा हुआ है। इस दौरान निफ्टी50 का रिटर्न 64 प्रतिशत ही रहा है।

कंपनी में किसकी कितनी है हिस्सेदारी

प्रमोटर्स की हिस्सेदारी 53.64 प्रतिशत है। वहीं, पब्लिक के पास 46.36 प्रतिशत हिस्सा है। यह आंकड़ा 2 मई 2026 का है। इससे पहले 6 अप्रैल 2026 के आंकड़ों के अनुसार कंपनी में प्रमोटर्स की हिस्सेदारी 54.07 प्रतिशत और पब्लिक की हिस्सेदारी 45.93 प्रतिशत थी। यानी कंपनी के प्रमोटर्स ने इस दौरान हिस्सेदारी को घटाया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेलः- (LOKTANTRAKISHAAN@GMAIL.COM

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)